epaper.dehatsandesh.com

3 गन्ना किसानों को योगी सरकार का बड़ा उपहार, गन्ना मूल्य 30 प्रति कुन्तल बढ़ा

5 आईसीसी वनडे रैंकिंग में पहली बार नंबर 1 बने रोहित शर्मा

8 आलू की खेती

न्यूनतम 18 मौसम जम्मू अधिकतम 28

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-266 | जम्मू तवी, वीरवार 30 अक्तूबर, 2025 | मूल्य-2 रूपये- (लेह) 3 रूपये | पृष्ठ -8

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने निर्वाचन क्षेत्र विकास निधि योजना में कई सुधारों की घोषणा की

श्रीनगर 29 अक्टूबर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने निर्वाचन क्षेत्र विकास निधियोजना में कई महत्वपूर्ण सुधारों की घोषणा की, जिनका उद्देश्य इसे अधिक पारदर्शी और स्थानीय विकास की आवश्यकताओं के प्रति उत्तरदायी बनाना है।

जम्मू और कश्मीर विधानसभा के चल रहे शरद सत्र के शून्यकाल के दौरान बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सीडीएफदिशा-निर्देशों को सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के अनुरूप कर रही है ताकि समानता सुनिश्चित की जा सके और विधायकों को अपने निर्वाचन क्षेत्रों में विकास कार्यों की व्यापक श्रेणी अपनाने की अनुमति मिले। मुख्यमंत्री ने कहा, एमपीएलएडीएस के अनुरूपता से हमारे माननीय सदस्यों को ऐसे परियोजनाओं को लागू करने की सुविधा होगी जो जनता को प्रत्यक्ष लाभ पहुँचाएँ, ठीक उसी प्रकार जैसे सांसद अपने क्षेत्रों में करते हैं। संशोधित दिशा-निर्देशों के तहत कई प्रमुख सुधार किए गए हैं। पावर डेवलपमेंट कार्यों पर पहले लगाए गए 50 लाख रुपये की सीमा हटा दी गई है, जिससे अब विधायक इस क्षेत्र में बिना किसी सीमा के परियोजनाएँ सुझा सकेंगे। इसी तरह सौर ऊर्जा लाइट सिस्टम की स्थापना पर 10 लाख रुपये की सीमा भी समाप्त की गई है। लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी क्षेत्र में मोबाइल वॉटर टैंकरों की खरीद और व्यक्तिगत घरेलू कनेक्शन देने की अनुमति दी गई है। नए प्रावधानों के तहत स्कूल वैन और बसों की खरीद की भी अनुमति होगी, जबकि स्वास्थ्य क्षेत्र के अंतर्गत विधायक अब व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, इलेक्ट्रिक स्कूटी तथा अन्य सहायक उपकरणों की खरीद का सुझाव दे सकते हैं। प्रा.तिक आपदाओं से प्रभावित परिवारों की कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री ने एक बार की छूट की घोषणा की, जिसके तहत वर्तमान और अगले वित्तीय वर्ष (2025-26 और 2026-27) में सीडीएफ से अधिकतम 50 लाख रुपये तक का उपयोग प्रभावित परिवारों के मकान निर्माण या मरम्मत के लिए किया जा सकेगा। एक अन्य बड़े सुधार के रूप में यह प्रावधान समाप्त कर दिया गया है कि विधायकों को एक वित्तीय वर्ष में कम से कम 80 प्रतिशत निधि का उपयोग करना आवश्यक होगा, अन्यथा अगले वर्ष की राशि रोकी जाएगी। इससे संचालन में अधिक लचीलापन मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि संशोधित दिशा-निर्देश सीडीएफयोजना को एमपीएलएडी योजना के अधिक निकट लाएँगे, साथ ही इसे स्थानीय आवश्यकताओं और सामाजिक कल्याण की विशिष्ट गतिविधियों के अनुरूप बनाए रखेंगे। उन्होंने कहा कि भूकंप, बाढ़ और सूखे जैसी प्रा.तिक आपदाओं से प्रभावित लोगों के लिए अस्थायी शरण स्थल निर्माण जैसी गतिविधियाँ सीडीएफमें स्वीकार्य बनी रहेंगी। इसी प्रकार वृद्धाश्रमों, अनाथालयों और आश्रय स्थलों को आवश्यक वस्तुएँ जैसे बिस्तर, बर्तन, किताबें और वर्दी खरीदने के लिए अधिकतम 3 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता मिलती रहेगी। मुख्यमंत्री ने जोड़ा कि युवा क्लबों और खेल संगठनों को खेल सामग्री खरीदने के लिए सरकारी मान्यता प्राप्त एजेंसियों के माध्यम से 3 लाख रुपये तक की अनुदान राशि दी जा सकेगी। उन्होंने आगे कहा कि जो विधायक आपदा प्रभावित नहीं हैं, वे बाढ़, चक्रवात, भूकंप या सूखे जैसी आपदाओं से प्रभावित क्षेत्रों में कार्यों हेतु अधिकतम 10 लाख रुपये का योगदान कर सकते हैं, जो संबंधित उपायुक्तों या मुख्यमंत्री राहत कोष के माध्यम से उपयोग किया जाएगा। संशोधित दिशा-निर्देशों के तहत सीडीएफ से 20 लाख रुपये तक की राशि जनजातीय और बीपीएल परिवारों के आवास सुधार हेतु भी दी जा सकेगी। यह सहायता प्रधानमंत्री आवास योजना के मानकों के अनुरूप होगी और पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु सख्त सत्यापन और जांच नियमों से शासित होगी।

जम्मू-कश्मीर में प्रस्तावित राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय अगले साल अप्रैल तक काम करना शुरू कर देगा-मुख्यमंत्री

श्रीनगर, 29 अक्टूबर । मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में प्रस्तावित राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एनएलयू) अगले साल अप्रैल तक काम करना शुरू कर देगा। उन्होंने विधानसभा को बताया कि शुरुआत में स्थायी परिसर स्थापित होने तक विश्वविद्यालय किराए के आवास में संचालित होगा।

बांदीपोरा के विधायक निज़ामुद्दीन भट द्वारा केंद्र शासित प्रदेश में उन्नत कानूनी शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए एनएलयू की स्थापना की मांग वाले प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान उमर ने कहा कि इस परियोजना के लिए 50 करोड़ पहले ही स्वीकृत किए जा चुके हैं।

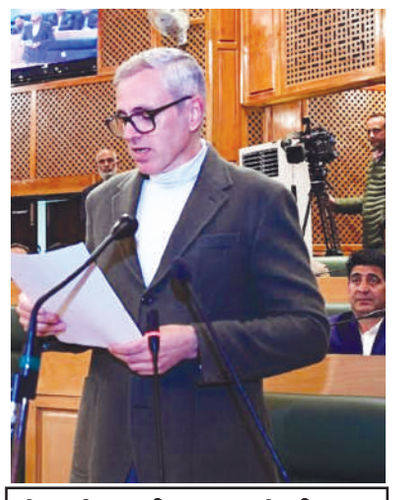

सिंचाई प्रणाली का आधुनिकीकरण किया जाएगा-जल शक्ति मंत्री

जल शक्ति मंत्री जावेद अहमद राणा ने कहा कि सरकार जम्मू-कश्मीर में मौजूदा सिंचाई और जल-निकासी योजनाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण का इरादा रखती है।उन्होंने यह जानकारी विधायक हिलाल अकबर लोन द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर में दी।मंत्री ने बताया कि सोनावाड़ी क्षेत्र में चार योजनाएं एआईबीपी और जिला कैपेक्स के तहत पूरी की जा चुकी हैं।उन्होंने कहा कि क्षेत्र में 112 नहरों का विस्तृत नेटवर्क है, जिसमें लगभग 245 किमी मुख्य नहरें और 90 किमी वितरक नहरें हैं, जो लगभग 21,416 एकड़ क्षेत्र को सिंचित करती हैं और 20,625 घरों को लाभ पहुंचाती हैं।

जुलाई से अब तक पूरे जम्मू-कश्मीर में 11,600 किलोग्राम से अधिक सड़ा हुआ मांस जब्त और नष्ट किया गया : मंत्री

श्रीनगर, 29 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने बुधवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश के कई जिलों में 31 जुलाई, 2025 से लगभग 11,602 किलोग्राम संदिग्ध सड़ा हुआ और मिलावटी मांस जब्त किया गया और नष्ट कर दिया गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने एक लिखित उत्तर में कहा कि घटिया, सड़े-गले या अवैध मांस की खेप के आयात और बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए विभाग ने कई उपाय सूचीबद्ध किए हैं मंत्री ने कहा कि जुलाई 2025 से इसने मांस और मांस उत्पादों से निपटने वाले खाद्य व्यवसाय संचालकों के 1,430 निरीक्षण किए हैं। अगस्त 2025 में जमे हुए कच्चे मांस को संभालने वालों को सार्वजनिक नोटिस भी जारी किए गए थे उन्हें खाद्य सुरक्षा मानदंडों का पालन करने की चेतावनी दी गई थी।

बाहू निर्वाचन क्षेत्र में 81 उद्यान और पार्क कार्यशील : सरकार

श्रीनगर 29 अक्टूबर। युवा सेवा और खेल मंत्री सतीश शर्मा ने सदन को बताया कि जम्मू के बाहू निर्वाचन क्षेत्र में 81 उद्यान और पार्क कार्यशील हैं। उन्होंने यह जानकारी मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की ओर से विधायक विक्रम रंधावा द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर में दी। मंत्री ने बताया कि बाहू निर्वाचन क्षेत्र के तहत आने वाले 81 उद्यानों और पार्कों में से 49 को 74वें संविधान संशोधन अधिनियम के अनुरूप शहरी निकायों को स्थानांतरित किया गया है।

डार ने जम्मू-कश्मीर पंचायत राज और सहकारी समितियों संशोधन विधेयक विधानसभा में प्रस्तुत किए

श्रीनगर 29 अक्टूबर। ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री जावेद अहमद डार ने विधानसभा में जम्मू और कश्मीर पंचायत राज अधिनियम, 1989 (अधिनियम संख्या ।ग, वर्ष 1989) में संशोधन करने हेतु एक विधेयक प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा, मैं जम्मू और कश्मीर पंचायत राज अधिनियम, 1989 (अधिनियम संख्या वर्ष 1989) में संशोधन हेतु एक विधेयक (विधानसभा विधेयक संख्या 5, वर्ष 2025) प्रस्तुत करता हूँ। यह विधेयक पहले ही राजपत्र के विशेष अंक में प्रकाशित किया जा चुका है।फ जावेद अहमद डार, जो सहकारिता विभाग के मंत्री भी हैं, ने सहकारी समितियाँ (संशोधन) विधेयक 2025 भी विधानसभा में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा, मैं जम्मू और कश्मीर सहकारी समितियाँ अधिनियम, 1989 (अधिनियम संख्या ग्टप्प, वर्ष 1989) में संशोधन हेतु एक विधेयक (विधानसभा विधेयक संख्या 7, वर्ष 2025) प्रस्तुत करता हूँ।

कश्मीर को जल्द मिलेगी देशभर से सीधी रेल कनेक्टिविटी

जम्मू, 29 अक्टूबर। कश्मीर को जल्द ही देश के बाकी हिस्सों से सीधी रेल कनेक्टिविटी मिलने जा रही है। उत्तरी रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि कटरा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस की सफल शुरुआत के बाद अब कश्मीर को सीधे देशभर से जोड़ने की तैयारी चल रही है।

जम्मू डिवीजन के सीनियर डिविजनल कमर्शियल मैनेजर उचित सिंघल ने बताया कि संचालन और सुरक्षा से जुड़ी औपचारिकताओं को पूरा किया जा रहा है ताकि इस ऐतिहासिक परियोजना को जल्द शुरू किया जा सके।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 6 जून को शुरू की गई कटरा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस ने कश्मीर को पहली बार देश के रेलवे मानचित्र से जोड़ा है। अब अगला कदम इसे देश के अन्य हिस्सों से सीधे जोड़ना है।

रेलवे ने आज से रियासी स्टेशन पर दो मिनट का ठहराव भी शुरू किया है, जो फिलहाल एक महीने के लिए परीक्षण आधार पर रहेगा। यह निर्णय स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों की मांग पर लिया गया है।

अर्धवार्षिक दरबार मूव के मद्देनजर 1 और 2 नवंबर को श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग पर यातायात प्रतिबंधों की घोषणा

श्रीनगर, 29 अक्टूबर (। जम्मू-कश्मीर यातायात पुलिस मुख्यालय ने अर्धवार्षिक दरबार मूव के मद्देनजर 1 और 2 नवंबर को श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पर यातायात प्रतिबंधों की घोषणा की है।

जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक (यातायात) विवेक गुप्ता द्वारा जारी एक परामर्श के अनुसार 1 और 2 नवंबर, 2025 को केवल नीचे की ओर यातायात (श्रीनगर से जम्मू) की अनुमति होगी ताकि श्रीनगर स्थित नागरिक सचिवालय से जम्मू तक महत्वपूर्ण अभिलेख ले जाने वाले सरकारी अधिकारियों और काफिलों की आवाजाही सुगम हो सके। बयान में कहा गया है कि इन दो दिनों में जम्मू से श्रीनगर की ओर भारी मोटर वाहनों, अर्धसैनिक बलों या अन्य सरकारी काफिलों सहित किसी भी प्रकार के ऊपरी यातायात (जम्मू से श्रीनगर)की अनुमति नहीं होगी।पुलिस ने कहा कि यह प्रतिबंध आधिकारिक काफिलों के सुरक्षित और सुचारू मार्ग को सुनिश्चित करने और राजमार्ग पर भीड़भाड़ से बचने के लिए एक अस्थायी उपाय है। श्रीनगर, रामबन, उधमपुर और जम्मू में यातायात नियंत्रण कक्ष स्थिति पर नज़र रखने के लिए चौबीसों घंटे चालू रहेंगे। वाहन चालकों से आग्रह किया गया है कि वे अपनी यात्रा की योजना तदनुसार बनाएँ और उक्त तिथियों पर अनावश्यक आवाजाही से बचें। आपातकालीन या आवश्यक यातायात की अनुमति केवल यातायात मुख्यालय से पूर्व अनुमोदन के बाद ही दी जाएगी। जनता से अनुरोध किया गया है कि वे अधिकारियों के साथ सहयोग करें और अपनी सुविधा और सुरक्षा के लिए सलाह का पालन करें।

जम्मू-कश्मीर में 2.81 लाख से ज्यादा घरेलू उपभोक्ताओं ने बिजली माफी योजना का लाभ उठाया: सरकार

श्रीनगर, 29 अक्टूबर । जम्मू-कश्मीर सरकार ने कहा है कि 2.81 लाख से ज्यादा घरेलू उपभोक्ताओं ने पहली बिजली माफी योजना का लाभ उठाया है जिसके तहत 31 मार्च, 2022 तक अधिभार और ब्याज में राहत दी गई है।

विधायक तारिक हमीद कर्रा के एक प्रश्न के उत्तर में विद्युत विकास विभाग ने बताया कि औद्योगिक इकाई धारकों के लिए बिजली देनदारियों के संबंध में माफी योजनाएँ शुरू करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। पहली एमनेस्टी योजना के तहत जेपीडीसीएल के अंतर्गत 1,64,729 और केपीडीसीएल के अंतर्गत 1,17,237 उपभोक्ताओं को लाभ हुआ जिससे कुल 322 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ, जेपीडीसीएल से 164 करोड़ और केपीडीसीएल से 158 करोड़। विभाग ने आगे बताया कि दूसरी चल रही एमनेस्टी योजना जो 4 अगस्त, 2025 को शुरू हुई और 31 मार्च, 2026 तक जारी रहेगी के तहत अब तक 18,854 उपभोक्ताओं ने लाभ उठाया है जेपीडीसीएल के अंतर्गत 547 और केपीडीसीएल के अंतर्गत 18,307। इसमें कहा गया है कि इन योजनाओं में केवल ब्याज और अधिभार माफ किया जाता है जबकि मूल राशि उपभोक्ताओं द्वारा चुकाई जानी चाहिए क्योंकि यह एमनेस्टी के अंतर्गत नहीं आती है। इसमें कहा गया है कि एमनेस्टी और कनेक्शन काटना अलग-अलग मुद्दे हैं, बिजली की लाइनें केवल बड़े बकाया के मामलों में ही काटी जाती हैं।

सिविल सचिवालय में उर्दू में साइनबोर्ड नहीं हटाए गए हैं : सरकार

श्रीनगर, 29 अक्टूबर। जम्मू और कश्मीर सरकार ने कहा कि जम्मू और श्रीनगर में सिविल सचिवालय भवनों से उर्दू में साइनबोर्ड नहीं हटाए गए हैं यह दावा करते हुए कि उर्दू, अंग्रेजी और हिंदी में त्रिभाषी नेमप्लेट वर्तमान में सभी आधिकारिक कक्षों में प्रदर्शित किए गए हैं।

संपदा विभाग ने शेख खुर्शीद अहमद के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि निर्धारित मानदंडों के अनुसार सभी आधिकारिक भाषाओं का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने और एकरूपता बनाए रखने के लिए उर्दू, अंग्रेजी और हिंदी में नाम प्रदर्शित करने वाले त्रिभाषी साइनबोर्ड स्थापित किए गए हैं।

मुख्य सचिव ने बीआईएसएजी-एन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

श्रीनगर, 29 अक्टूबर। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें जम्मू-कश्मीर सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा भू-स्थानिक अनुप्रयोग और सूचना विज्ञान के लिए भास्कराचार्य राष्ट्रीय संस्थान के सहयोग से लागू की जा रही तकनीकी-आधारित परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक में कृषि उत्पादन, लोक निर्माण, गृह, समाज कल्याण, उद्योग और वाणिज्य विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, विशेष डीजी बीआईएसएजी-एन, सचिव शिक्षा, सचिव सूचना प्रौद्योगिकी, मिशन निदेशक समग्र शिक्षा, निदेशक रोजगार, सीईओ जेकेगा, एसआईओ एनआईसी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्य सचिव ने सूचना प्रौद्योगिकी विभाग और बीआईएसएजी-एन द्वारा डिजिटल जम्मू-कश्मीर पहल के अंतर्गत कई नागरिक-केन्द्रित और प्रशासनिक डिजिटल प्लेटफार्मों की

डिजिटल शासन और ई-सेवा प्रावधान में बीआईएसएजी-एन की भूमिका की सराहना की

सफलतापूर्वक शुरुआत के लिए सराहना की।

उन्होंने शिक्षा, .षि और राजस्व जैसे क्षेत्रों में लागू परियोजनाओं को आधुनिक सुधारों के लिए आवश्यक बताया और निर्धारित समय सीमा के भीतर लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अटल डुल्लू ने तकनीक की परिवर्तनकारी क्षमता पर बल देते हुए कहा कि .त्रिम बुद्धिमत्ता और ऑडियो-विजुअल सामग्री के उपयोग से व्यक्तिगत और स्थानीय.त शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों के सीखने के परिणामों में उल्लेखनीय सुधार होगा।

पिछले दो वर्षों में जम्मू-कश्मीर में 15.5 लाख से अधिक फल पौधे आयात किए गए: जावेद डार

श्रीनगर, 29 अक्तूबर। कृषि एवं बागवानी मंत्री जावेद अहमद डार ने कहा कि पिछले दो वर्षों में कुल 15,51,863 फलदार पौधे जम्मू-कश्मीर में आयात किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि इन आयातों में अधिकांश हिस्सा सेब की किस्मों, गाला, रेड डिलीशियस आदि का है। इसके अलावा अखरोट और चेरी के पौधे भी सीमित मात्रा में मंगवाए गए। मंत्री ने बताया कि हाल के वर्षों में पर्ण खनिक (लीफ माइनर) कीटों के प्रकोप में तेजी आई है। इसके साथ ही एफ्डि संक्रमण की वृद्धि भी अनेक हिस्सों में देखने को मिली है।

विभाग ने स्कॉस्ट-कश्मीर के सहयोग से फील्ड सर्वे, कीट निगरानी और एकी.त कीट प्रबंधन कार्यक्रम चलाए हैं ताकि प्रकोपों को नियंत्रित किया जा सके।

जावेद डार ने कहा कि स्थानीय नर्सरी क्षेत्र को सशक्त करने और गुणवत्तापूर्ण स्वदेशी पौध सामग्री के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए बागवानी विभाग समन्वित कदम उठा रहा है। इसके लिए वित्तीय और सब्सिडी सहायता मदर ऑर्चर्ड, रूटस्टॉक बैंक और पौध उत्पादन इकाइयाँ स्थापित करने हेतु दी जा रही है। विभाग ने उच्च घनत्व वाले पौधारोपण के लिए जिलेवार लक्ष्य तय किए हैं, जिनके अनुसार अगले दस वर्षों में 5500 हेक्टेयर क्षेत्र कवर किया जाएगा, बशर्ते संसाधन उपलब्ध हों।

511 भूमिहीन व्यक्तियों को जम्मू-कश्मीर में 5 मरला जमीन की गई आवंटित

श्रीनगर, 29 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने बुधवार को कहा कि उसने पूरे केंद्र शासित प्रदेश में 511 भूमिहीन व्यक्तियों को घर बनाने के लिए पांच-पांच मरला जमीन उपलब्ध कराई है जबकि योजना के तहत 2,568 आवेदन विभिन्न आधारों पर खारिज कर दिए गए थे। एक प्रश्न के उत्तर में सरकार ने कहा कि कश्मीर में कुल 234 और जम्मू संभाग में 277 लाभार्थियों को मुफ्त में जमीन आवंटित की गई। बांदीपुरा जिला 109 लाभार्थियों के साथ सूची में शीर्ष पर है इसके बाद बारामूला 61 और अनंतनाग 30 लाभार्थियों के साथ है।

आयकर विभाग ने टैक्स ऑडिट और आईटीआर ऑडिट की समय-सीमा 10 दिसंबर तक बढ़ाई

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर । आयकर विभाग ने वित्त वर्ष 2024-25 (आकलन वर्ष 2025-26) के लिए कंपनियों और ऑडिट की जरूरत वाले करदाताओं के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की समय-सीमा को बढ़ाकर 10 दिसंबर कर दिया है।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने बुधवार को जारी अधिसूचना में वित्त वर्ष 24-25 (आकलन वर्ष 2025-26) के लिए टैक्स ऑडिट और आईटीआर ऑडिट दाखिल करने की समय-सीमा को बढ़ा दी है। सामान्य तौर पर ऐसे करदाताओं के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर होती है।

आयकर विभाग ने एक्स पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि सीबीडीटी ने पिछले वित्त वर्ष 2024-25 यानी कर निर्धारण वर्ष 2025-26 के लिए अधिनियम की धारा 139 की उप-धारा (1) के तहत आयकर विवरणी प्रस्तुत करने की नियत तिथि को, जो अधिनियम की धारा 139 की उप-धारा (1) के स्पष्टीकरण 2 के खंड (क) में निर्दिष्ट करदाताओं के मामले में 31 अक्टूबर, 2025 है, बढ़ाकर 10 दिसंबर, 2025 कर दिया है।

विभाग ने जारी बयान में आगे कहा, फपिछले वित्त वर्ष 2024-25 (आकलन वर्ष 2025-26) के लिए आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के तहत ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत करने की निर्दिष्ट तिथि को केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड की ओर से आगे बढ़ाकर 10 नवंबर 2025 कर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने अदालत के आदेश के बाद यह कदम उठाया है। इससे पहले, हिमाचल प्रदेश और पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालयों ने ऑडिट रिटर्न दाखिल करने की समय-सीमा 31 अक्टूबर, 2025 से बढ़ाकर 30 नवंबर, 2025 करने के आदेश पारित किए थे।

पहलगाम-अरू सड़क के सुधार कार्य दिसंबर 2025 के अंत तक पूरे होंगे : उपमुख्यमंत्री

श्रीनगर, 29 अक्टूबर। उपमुख्यमंत्री सुरेन्द्र चौधरी ने कहा कि पहलगाम-अरू सड़क के मरम्मत कार्य, जिसकी अनुमानित लागत 25.40 लाख रुपये है, प्रगति पर हैं और यह दिसंबर 2025 के अंत तक पूरे कर लिए जाएंगे। उपमुख्यमंत्री ने यह जानकारी विधान सभा में विधायक अल्ताफ अहमद वानी द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर में दी। उन्होंने सदन को बताया कि पहलगाम-अरू सड़क पर पुलिया 26 अगस्त 2025 को आई अचानक बाढ़ से क्षतिग्रस्त हो गई थी और विभाग ने केवल दो दिनों में एक अस्थायी डायवर्जन बनाकर संपर्क बहाल कर दिया।उन्होंने आगे बताया कि विभाग ने हाल ही में आई बाढ़ और भूस्खलन से क्षतिग्रस्त संरचनाओं के पुनर्स्थापन हेतु जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिलों में लगभग 60 कार्य शुरू किए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि जम्मू संभाग में स्थायी पुनर्स्थापना के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत लगभग 200 कार्य हाथ में लिए गए हैं।

जीओसी व्हाइट नाइट कोर ने नियंत्रण रेखा पर तैनात सैनिकों की परिचालन तैयारियों का किया आकलन

जम्मू, 29 अक्टूबर। व्हाइट नाइट कोर के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल पी.के. मिश्रा ने ऐस ऑफ स्पेड्स डिवीजन के जीओसी मेजर जनरल कौशिक मुखर्जी के साथ बुधवार को पुंछ और नौशेरा सेक्टरों में नियंत्रण रेखा की अग्रिम चौकियों का दौरा किया और मौजूदा सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की और क्षेत्र में तैनात सैनिकों की परिचालन तैयारियों का आकलन किया।

इस दौरान कमांडरों ने फील्ड अधिकारियों और सैनिकों से बातचीत की और चुनौतीपूर्ण इलाकों और मौसम की स्थिति में एक मजबूत सुरक्षा ग्रिड बनाए रखने में उनकी सतर्कता, समर्पण और व्यावसायिकता की सराहना की। लेफ्टिनेंट जनरल मिश्रा ने सभी रैंकों के अधिकारियों और जवानों से दृढ़ रहने, एक मजबूत आक्रामक रुख बनाए रखने और वर्तमान सुरक्षा परिवेश के बीच देश की सीमाओं की पवित्रता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निगरानी उपायों को बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने नियंत्रण रेखा पर किसी भी उभरती चुनौती का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए उच्च मनोबल, समन्वय और तत्परता के महत्व को भी दोहराया।

साभार : अशोक कुमार मुनडेतिया

देश-विदेश की यात्राएं करना आज के दौर में मुश्किल भरा काम नहीं है। चाहे बिजनेस के लिए यात्राएं करनी हों या एडवेंचर के लिए या फिर छुट्टियां बिताने के लिए। उन्नत ट्रांसपोर्ट और संचार साधनों से सब कुछ आसान हो गया है। टूरिज्म सेक्टर देश की जीडीपी में भी बड़ा योगदान दे रहा है क्योंकि पर्यटकों के जरिए विदेशी मुद्रा अर्जित करने का यह बड़ा स्रोत है। इतना ही नहीं, लाखों लोगों को टूरिज्म विभाग, ट्रैवल एजेंसी, होटल, एयरलाइंस, ट्रांसपोर्ट एजेंसी या फिर कार्गो कंपनियों में रोजगार भी मिला हुआ है।

टूरिज्म में इन 8 क्षेत्रों में मिलेंगे बेहतरीन मौके

वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार, नए वीसा सुधार, अतुल्य भारत अभियान और सरकार द्वारा इंफ्रास्ट्रक्चर पर ज्यादा जोर दिए जाने से भारतीय ट्रैवल एंड टूरिज्म उद्योग में आने वाले वर्षों में और तेजी आने की उम्मीद है। एक अनुमान के मुताबिक, बीते कुछ वर्षों में करीब 9 प्रतिशत (3.74 करोड़) लोगों को टूरिज्म सेक्टर में रोजगार मिला। देश की भौगोलिक और सांस्कृतिक-ऐतिहासिक विरासत ऐसी है कि दक्षिण एशिया घूमने आने वाले करीब 50 प्रतिशत पर्यटक हर साल भारत आना पसंद करते हैं। यही वजह है कि टूरिज्म सेक्टर में युवाओं के लिए रोजगार की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

करियर के अवसर

चूंकि टूरिज्म उद्योग में कार्य का दायरा काफी विस्तृत है, इसलिए यहां युवाओं के लिए सरकारी और निजी दोनों ही क्षेत्रों में अनेक प्रकार की संभावनाएं मौजूद हैं। टूरिज्म से संबंधित कोर्स करने के बाद आप विभिन्न विमानन कंपनियों, होटल आदि में मैनेजर, टूर मैनेजर, कस्टमर सेल्स एग्जीक्यूटिव, ट्रैवल प्रोडक्ट डिजाइनर, सेल्स एंड मार्केटिंग स्टाफ, ट्रैवल एजुकेटर, गाइड, दुभाषिया आदि के तौर पर जॉब पा सकते हैं। इसी तरह ट्रैवल एजेंसीज में भी ढेर सारे अवसर हैं, जहां आप मैनेजर, रिजर्वेशन एंड काउंटर स्टाफ, सेल्स एंड मार्केटिंग स्टाफ, टूर एस्कॉर्ट, टूर ऑपरेटर आदि के रूप में सेवा दे सकते हैं। कहने का मतलब यह है कि टूरिज्म सेक्टर में आपके लिए करियर ग्रोथ और पैसा दोनों हैं। अगर चाहें, तो कुछ वर्षों के अनुभव के बाद खुद का ट्रैवल बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं। धीरे-धीरे पासपोर्ट एंड वीसा हैंडलिंग, डेस्टिनेशन मैनेजर, ट्रैवल कंसल्टेंट, फ्रंट ऑफिस मैनेजमेंट, एचआर, बिजनेस डेवलपमेंट, पीआर, इवेंट मैनेजमेंट जैसे दूसरे गैर-परंपरागत क्षेत्रों में भी युवाओं के लिए जॉब की संभावनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। मेडिकल टूरिज्म भी ऐसा ही एक उभरता हुआ नया क्षेत्र है, जहां हेल्थ प्रोफेशनल्स के लिए काफी स्कोप है।

कहां हैं मौके?

पर्यटन विभाग - इससे संबंधित कोर्स करने के बाद आप पर्यटन विभाग में रिजर्वेशन एंड काउंटर स्टाफ, सेल्स एंड मार्केटिंग स्टाफ, टूर प्लानर्स, टूर गाइड जैसे पदों पर सरकारी नौकरी में जा सकते हैं। यूपीएससी या पीएससी परीक्षा पास कर केंद्र व राज्यों के पर्यटन विभागों में अफसर भी बना जा सकता है।

एयरलाइंस - पर्यटन उद्योग का यह सबसे आकर्षक क्षेत्र माना जाता है। आप एयर होस्टेस, ग्राउंड सपोर्ट एंड एयरपोर्ट मैनेजमेंट, एयरलाइन ग्राउंड ऑपरेशन, एयरलाइन टिकिटिंग, होटल मैनेजमेंट या टूरिज्म जैसे कोर्स करके यहां ग्राउंड स्टाफ या इन-फ्लाइट एसोसिएट, ट्रैफिक असिस्टेंट, रिजर्वेशन एंड काउंटर स्टाफ, क्लाइंट सर्विसिंग स्टाफ के रूप में करियर बना सकते हैं।

होटल - किसी भी देश की ट्रैवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री का अहम हिस्सा हैं होटल्स। यही कारण है कि यह क्षेत्र देश में तेजी से आगे बढ़ रहा है। तमाम तरह के जॉब के अवसर भी लोगों को विभिन्न स्तरों के होटलों में मिल रहे हैं।

ट्रांसपोर्ट - हवाई, सड़क, रेल और समुद्री मार्गों से परिवहन के क्षेत्र में को-ऑर्डिनेटर, सुपरवाइजर, ड्राइवर आदि के रूप में बड़ी संख्या में जॉब के अवसर हैं।

टूर ऑपरेटर्स - ऐसे प्रोफेशनल्स अपने क्लाइंट के लिए टूर की व्यवस्था करते हैं, उन्हें विभिन्न पर्यटन स्थलों पर घुमाने के लिए ले जाते हैं, रिवर राफ्टिंग, रॉक क्लाइंबिंग आदि जैसे साहसिक खेलों में टूरिस्ट की मदद करते हैं। क्लाइंट की यात्रा और ठहरने का प्रबंध भी यही प्रोफेशनल्स करते हैं। अगर आपका व्यक्तित्व अच्छा है, आप पर्यटन स्थलों की अच्छी जानकारी रखते हैं और आपकी लैंग्वेज स्किल अच्छी है, तो आप इस फील्ड में अपना करियर बना सकते हैं।

टाइम शेयर कंपनीज - ऐसी कंपनियां हॉलीडे रिसॉर्ट को मैनेज करने का काम करती हैं। विदेशी कंपनियों के रिसॉर्ट के साथ भी इनका बिजनेस टाई-अप होता है। आप ऐसी कंपनियों में काम करने का मौका पा सकते हैं।

हॉलीडे कंसल्टेंसी - ट्रैवल एंड टूरिज्म उद्योग में अभी यह नया क्षेत्र है। हॉलीडे कंसल्टेंट टूर से जुड़ी हर तरह की जानकारी अपने क्लाइंट को उपलब्ध कराते हैं, जैसे क्लाइंट के लिए ट्रैवल प्लान करना, टिकट बुकिंग करना आदि।

बैंक - बैंकों में भी विदेशी मुद्रा के लिए आने वाले टूरिस्ट की मदद हेतु प्रोफेशनल्स की सेवाएं ली जाती हैं। तमाम बैंक आजकल पर्यटकों के लिए होटल और टिकट बुकिंग की सुविधाएं भी उपलब्ध करा रहे हैं। बैंकों में ऐसे जॉब के लिए आम तौर पर एमबीए स्टूडेंट्स को हायरिंग में खास तवज्जो दी जाती है।

पर्सनल स्किल्स

ट्रैवल एंड टूरिज्म उद्योग में कम्युनिकेशन स्किल सबसे जरूरी है क्योंकि यहां लोगों को अक्सर पर्यटकों से बातचीत करके उनकी जिज्ञासाओं को शांत करना होता है। आपका व्यवहार कुशल होना भी जरूरी है। अच्छी पर्सनैलिटी से फायदा होगा। क्षेत्र विशेष की भौगोलिक जानकारी भी होनी चाहिए। अगर आप मैनेजेरियल या एडमिनिस्ट्रेटिव पद पर हैं, तो लीडरशिप क्वॉलिटी के साथ-साथ त्वरित समस्या समाधान की क्षमता और टीमवर्क की भावना भी आपमें होना जरूरी है।

कोर्स व क्वॉलिफिकेशन

टूरिज्म इंडस्ट्री में करियर बनाने के लिए डिग्री, पीजी डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स के रूप में कई प्रकार के कोर्स उपलब्ध हैं। डिग्री कोर्स की अवधि 3 वर्ष होती है। इसमें किसी भी स्ट्रीम के युवा 12वीं के बाद प्रवेश ले सकते हैं। अगर आप ग्रेजुएट हैं, तो टूरिज्म में पीजी या डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। कुछ संस्थान सर्टिफिकेट कोर्स भी कराते हैं, जिसे 12वीं के बाद करके आप टूर एजेंसीज या टूर प्रमोशन एंड सेल्स कंपनियों में जॉब पा सकते हैं।

सैलरी कितनी?

टूरिज्म उद्योग में सैलरी काफी आकर्षक है। एयरलाइंस, ट्रैवल एजेंसीज आदि में ऐसे प्रोफेशनल्स और उनके परिवारों को कई मुफ्त सुविधाएं भी मिलती हैं। प्रोफेशनल्स को शुरूआत में 15 से 20 हजार रुपए प्रति माह की सैलरी आसानी से मिल जाती है। अनुभव बढ़ने पर ऐसे प्रोफेशनल्स 40 हजार से लेकर 1 लाख रुपए महीना तक कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमेंट, नई दिल्ली
- दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, हरियाणा
- डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

कौन-से कोर्स?

- बैचलर ऑफ टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन
- बैचलर ऑफ टूरिज्म स्टडीज
- मास्टर ऑफ ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट
- फाउंडेशन कोर्स इन ट्रैवल एंड टूरिज्म
- ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट कोर्स
- इंटीग्रेटेड डिप्लोमा इन ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट।

ग्रुप डिस्कशन में पीछे न रह जाएं, अपनाएं ये टिप्स

कुछ एग्जाम में ग्रुप डिस्कशन का बहुत बड़ा रोल होता है। कई बार आप लिखित परीक्षा में तो अच्छे अंक से पास हो जाते हैं लेकिन जब ग्रुप डिस्कशन का समय आता है तो वहां विफल हो जाते हैं। आखिर ऐसी कौन-कौन सी बातें है जिनका ध्यान रखा जाए तो आप ग्रुप डिस्कशन में भी बाजी मार सकते हैं। सबसे पहली बात इसके लिए आपको अपडेट होने के साथ-साथ आपकी बॉडी लैंग्वेज भी अच्छी होनी चाहिए।

- जीडी के दौरान किसी एक मेंबर की और फोकस न करें। सभी पर नजर आई-कॉन्टेक्ट बनाए रखें।
- जीडी में आप अपनी बात तभी रख पाएंगे जब आपको जीडी वाले टॉपिक का नॉलेज हो। अगर नॉलेज नहीं है तो आप अच्छे से डिस्कशन नहीं कर पाएंगे।
- इस बात का जरूर ध्यान रखें कि जब दूसरा बोल रहा हो तो उसे बीच में टोके नहीं, चाहे आप उसकी बात से सहमत न भी हों। जब आपको मौका मिले तो अपनी बात को विनम्रता के साथ कहें।
- जो भी बोलें बिलकुल साफ बोलें, वरना सामने बाकी लोगों को या तो समझ नहीं आएगा या वो आपकी बात का कोई और मतलब निकाल सकते हैं।
- ध्यान रखें कि जिस टॉपिक पर डिस्कशन हो रहा है, उससे भटके नहीं। टॉपिक की थीम को ध्यान में रखकर उसी पर अपना व्यूज रखें।
- पॉजिटिव एटीट्यूड रखें और कॉन्फिडेंस बनाए रखें। लेकिन ध्यान रखें कि न तो किसी को नीचा दिखाना है और ही खुद को बहुत नॉलेजेबल शो करना है।
- आपको बस अपनी बात शेयर करनी है न कि किसी को मानने के लिए फोर्स करना है।
- जो भी बोलें उसमें दम होना चाहिए। आपकी बात में अगर प्वॉइंट नहीं होगा तो आप इंम्पैक्ट डालने से चूक जाएंगे।
- दूसरे जो बोल रहे हैं, उसे ध्यान से सुनें। सिर्फ खुद ही न बोलते चले जाएं। इससे आपका नॉलेज बढ़ेगा और आप एक अच्छा डिस्कशन कर पाएंगे।

इन 5 तरीकों से एल्यूमिनी नेटवर्किंग के जरिए ढूंढे जॉब

जॉब सर्च में एल्यूमिनी सबसे मूल्यवान नेटवर्किंग कॉन्टेक्ट्स हो सकते हैं, बशर्ते आप इसका प्रभावी तरीके से उपयोग करें। आज के समय में प्रभावकारी एल्यूमिनी नेटवर्किंग टेक्निक्स ज्यादा फोकस्ड होती है जिसके विशेष टारगेट, गोल और एक्शंस होते हैं। अगर आप यह सीख लें कि इनका सही तरीके से फायदा किस तरह उठा सकते हैं तो एल्यूमिनी नेटवर्किंग कॉन्टेक्ट्स बेहतरी नौकरी दिलवाने में मददगार साबित हो सकता है। आप एल्यूमिनी की नेटवर्किंग का उपयोग कर इन तरीकों से जॉब सर्च कर सकते हैं -

- एल्यूमिनी नेटवर्क का जानकारी लेने में आप अच्छा यूज कर सकते हैं। आपको टारगेट कंपनियों के एचआर मैनेजर्स को लेकर जानकारी मिलेगी और आपकी पहुंच भी बनेगी। हो सकता है कि नेटवर्किंग के जरिए आप आपने टारगेट तक पहुंच जाए। इसके लिए आपको सही एल्यूमिनी के पहचाने की जरूरत है।
- आप उस एल्यूमिनी से संपर्क कर सकते हैं जो कि कंपनी, उसके डिपार्टमेंट या मैनेजर की जानकारी दे। आप यह पता कर सकते हैं वाकई कंपनी में वैकेंसी है या नहीं। कई बार कंपनी अपनी वेबसाइट पर करंट ओपनिंग में वैकेंसी मेंशन नहीं करती लेकिन उन्हें हायरिंग की जरूरत होती है। आप बेहतर तरीके से एल्यूमिनी से यह पूछ सकते हैं।
- सही बात तो यह है कि सही एल्यूमिनी से आप आसानी से संपर्क नहीं साध सकते क्योंकि वे व्यस्त इंसान होते हैं। हालांकि अगर आपका वह साथ दें तो वे कंपनी और आपके बीच में ब्रिज का काम करेगा।
- कई बार हायरिंग मैनेजर अपने स्टाफ से किसी पोस्ट के लिए कैंडीडेट की सिफारिश चाहता है। ऐसे में यह आपके लिए अच्छी बात होती है। अगर आप एल्यूमिनी से टच में रहेंगे तो ऐसे मौके पर सबसे पहले आपका नाम ही उसके दिमाग में आएगा। साथ ही आपको यह अपना इरादा उसे बताकर रखना होगा कि अगर उसकी कंपनी में कोई वैकेंसी निकलेगी तो आप इच्छुक होंगे।
- इसके अलावा एल्यूमिनी से टच में रहने पर उसे संपर्क सूत्रों के हवाले से भी आपको जॉब सर्च में आसानी होगी। इसका सीधा मतलब यह है कि उसके कॉन्टेक्ट्स भी कहीं न कहीं सोशल मीडिया पर आपसे जुड़े होंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

मानकीकरण पर दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया

जम्मू, 29 अक्टूबर (हि.स.)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), जम्मू एवं कश्मीर शाखा कार्यालय (जेकेबीओ) ने जम्मू और कश्मीर प्रबंधन, लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (जेकेआईएमपीएआरडी) में मानकीकरण पर दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। कार्यक्रम में केंद्र शासित प्रदेश के दो प्रमुख विभागों जल शक्ति तथा सड़क एवं भवन (आरएंडबी) विभाग, के 22 अधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र का संचालन बीआईएस के संसाधन व्यक्ति उमर मुख्तार ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को मानकों के महत्व और विभिन्न क्षेत्रों में गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने में बीआईएस की भूमिका के बारे में जानकारी दी। इसके बाद तकनीकी सत्र बीआईएस-जेकेबीओ के संसाधन व्यक्ति कमलजीत घई द्वारा प्रस्तुत किए गए जिन्होंने इंजीनियरिंग और बुनियादी ढाँचा क्षेत्रों से संबंधित मानक निर्माण, कार्यान्वयन तंत्र और अनुरूपता मूल्यांकन प्रक्रियाओं पर विस्तार से चर्चा की। दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य सार्वजनिक परियोजनाओं में भारतीय मानकों के उपयोग को बढ़ावा देना, गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढाँचे के निर्माण को प्रोत्साहित करना और मानकों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए बीआईएस तथा राज्य विभागों के बीच सहयोग को सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने इस पहल की सराहना की और सरकारी कार्यों में गुणवत्ता की संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए बीआईएस के साथ निरंतर सहयोग बनाए रखने पर बल दिया।

'भाजपा 31 अक्टूबर को पूरे जम्मू-कश्मीर में जिला स्तर पर एकता मार्च निकालेगी'

जम्मू, 29 अक्टूबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर भाजपा सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 31 अक्टूबर को एकता मार्च के तहत सभी जिलों में एकता मार्च निकालेगी। जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष और सांसद (राज्यसभा) सत शर्मा (सीए) जम्मू मार्च में शामिल होंगे, जबकि महासचिव और कार्यक्रम प्रभारी बलदेव सिंह बिलावरिया ने लोगों से सरदार पटेल की विरासत का सम्मान करने के लिए अपने-अपने जिलों में भाग लेने की अपील की।

मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए बलदेव सिंह बिलवारिया ने कहा कि सरदार150 - एकता मार्च का उद्देश्य पदयात्राओं, युवा गतिविधियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से एकता और राष्ट्रीय अखंडता के उनके संदेश का प्रसार करना है, जिससे नागरिकों को एक भारत, श्रेष्ठ भारत और विकसित भारत 2047 के विजन में योगदान देने के लिए प्रेरित किया जा सके। बिलवारिया ने कहा कि यह अभियान भारत के लौह पुरुष को श्रद्धांजलि है, जिनके साहस और दृढ़ संकल्प ने एक खंडित राष्ट्र को एकजुट किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल का यह विश्वास कि भारत एक है, भारत अविभाज्य है और भारत सदैव अविभाज्य रहेगा राष्ट्र को प्रेरित करता रहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने विकसित भारत 2047 के विजन के माध्यम से इसी भावना को आगे बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि स्कूलों और कॉलेजों में वाद-विवाद, निबंध प्रतियोगिताएँ, सरदार पटेल के जीवन और आदर्शों पर सेमिनार, नशा मुक्त भारत के लिए युवा प्रतिज्ञाएँ, स्वदेशी मेले आयोजित किए जा रहे हैं जहाँ लोग स्वदेशी प्रतिज्ञा ले रहे हैं। पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए योग और स्वास्थ्य शिविर, बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान और एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपण अभियान भी चलाया जाएगा। बिलावरिया ने ज़ोर देकर कहा कि ये पदयात्राएँ जन जागरण का एक माध्यम हैं। जिस तरह सरदार पटेल ने रियासतों को एक भारत में एकीकृत किया था, उसी तरह ये पदयात्राएँ लोगों के दिलों को जोड़ेंगी।

गन्ना किसानों को योगी सरकार का बड़ा उपहार, गन्ना मूल्य 30 प्रति कुन्तल बढ़ा

लखनऊ, 29 अक्टूबर। योगी सरकार ने एक बार फिर गन्ना किसानों के हित में ऐतिहासिक निर्णय लिया है। पेराई सत्र 2025-26 के लिए गन्ना मूल्य में 30 प्रति कुन्तल की वृद्धि की गई है। उत्तर प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी के अनुसार अब अगेती गन्ना प्रजाति का मूल्य 400 प्रति कुन्तल तथा सामान्य प्रजाति का मूल्य 390 प्रति कुन्तल निर्धारित किया गया है। इस वृद्धि से गन्ना किसानों को लगभग 3,000 करोड़ का अतिरिक्त भुगतान होगा। योगी सरकार के कार्यकाल में यह चौथी बार है जब गन्ना मूल्य में बढ़ोतरी की गई है। यह निर्णय न केवल गन्ना किसानों की आमदनी में वृद्धि करेगा, बल्कि प्रदेश के ग्रामीण अर्थतंत्र में नई ऊर्जा भी भरेगा। मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने कहा कि किसानों के परिश्रम का सम्मान करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। गन्ना किसान केवल उत्पादक नहीं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था के सशक्त स्तंभ हैं। गन्ना हमारे ग्रामीण जीवन और अर्थव्यवस्था का आधार है और हर किसान को उसकी उपज का उचित मूल्य सही समय पर उपलब्ध कराना सरकार की प्रतिबद्धता है। उन्होंने बताया कि गन्ना किसानों को अब तक 2,90,225 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है। तुलनात्मक रूप से देखा जाए तो वर्ष 2007 से 2017 के बीच सपा और बसपा सरकारों में किसानों को कुल मात्र 1,47,346 करोड़ का भुगतान हुआ था। इस प्रकार सरकार ने मात्र साढ़े आठ वर्षों में पिछली सरकारों के मुकाबले 1,42,879 करोड़ अधिक भुगतान कर नया इतिहास रचा है। मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 122 चीनी मिलें संचालित हैं, जिससे उत्तर प्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है। पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में जहां 21 मिलें औने-पौने दामों पर बेची गई थीं, वहीं सरकार के पारदर्शी प्रबंधन और निवेशोन्मुख नीतियों से इस उद्योग में 12,000 करोड़ का निवेश आकर्षित हुआ है। पिछले आठ वर्षों में 4 नई चीनी मिलें स्थापित की गईं, 6 बंद मिलें पुनः शुरू की गईं और 42 मिलों की उत्पादन क्षमता में विस्तार हुआ। इससे प्रदेश में 8 नई बड़ी मिलों के बराबर उत्पादन क्षमता में वृद्धि दर्ज हुई है।

विकसित भारत अभियान-कदुआ में अंतर-क्षेत्रीय जिला स्तरीय राष्ट्रीय युवा महोत्सव का आयोजन

कदुआ, 29 अक्टूबर (हि.स.)। युवा सेवा एवं खेल विभाग कदुआ ने विकसित भारत अभियान के तहत अंतर-क्षेत्रीय जिला स्तरीय राष्ट्रीय युवा महोत्सव का आयोजन किया, जिसमें रचनात्मकता, संस्कृति और युवा उत्साह का जीवंत प्रदर्शन हुआ।

कदुआ के उपायुक्त राजेश शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर शिरकत की और पारंपरिक दीप प्रज्वलित कर महोत्सव का औपचारिक उद्घाटन किया। उनके साथ राजकीय डिग्री कॉलेज

कदुआ के उप-प्राचार्य राकेश सिंह जसरोटिया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अन्य गणमान्य व्यक्तियों में जिला समाज कल्याण अधिकारी कदुआ वरुण चैधरी और आबकारी एवं कराधान अधिकारी कदुआ मुदस्सिर जी भी उपस्थित थे। कदुआ के राजकीय डिग्री कॉलेज के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न शैक्षणिक क्षेत्रों के प्रतिभाशाली युवा एक साथ आए। प्रतिभागियों ने लोक नृत्य, लोकगीत, भाषण, कहानी लेखन, चित्रकला और कविता सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी कलात्मक और बौद्धिक क्षमता का प्रदर्शन किया।

यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर संवादात्मक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कदुआ, 29 अक्टूबर (हि.स.)। जीडीसी बसोहली ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर एक जागरूकता एवं संवादात्मक सत्र का आयोजन किया। यह कार्यक्रम कॉलेज की यौन उत्पीड़न विरोधी समिति द्वारा कार्यस्थल पर उत्पीड़न के मुद्दे पर छात्रों को जागरूक करने और उन्हें अपने विचार व्यक्त करने के लिए सशक्त बनाने हेतु आयोजित किया गया था।संसाधन व्यक्ति बसोहली पुलिस स्टेशन की पीएसआई ऋचा शर्मा थीं। छात्रों और कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में बहुत उत्साहपूर्वक भाग लिया। संसाधन व्यक्ति ने यौन उत्पीड़न और उसकी रोकथाम पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने पॉश अधिनियम 2013 और उसके प्रभावों पर भी चर्चा की। उन्होंने लैंगिक असमानता और ऐसे मामलों को रोकने में अच्छे पालन-पोषण की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। यह संपूर्ण कार्यक्रम कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) सुनील गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन और कॉलेज की डीन छात्र कल्याण, डॉ. इरविंदर कौर की देखरेख में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित अन्य लोगों में मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. रविंदर कौर, डोगरी विभागाध्यक्ष डॉ. वैष्णो देवी, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. उज्ज्वाला देवी, डॉ. शिवाली कपूर, डॉ. रुचिका और डॉ. भूपिंदर कौर शामिल थे। अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. नेहा बंद्राल ने अतिथियों का स्वागत किया और धन्यवाद ज्ञापन भी प्रस्तुत किया।

हंदवाड़ा में एक रहस्यमयी विस्फोट में चार लड़के घायल

श्रीनगर, 29 अक्टूबर (हि.स.)। बुधवार को कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा में एक रहस्यमयी विस्फोट में चार लड़के घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह विस्फोट उत्तरी कश्मीर जिले के हंदवाड़ा के तूतीगुंड गाँव में हुआ जहाँ कुछ बच्चे क्रिकेट खेल रहे थे।

घायलों की पहचान उजैर ताहिर, साजिद राशिद, हाजिम शब्बीर और ज़ेयान ताहिर के रूप में हुई है जो सभी स्थानीय ग्रामीण हैं।

अधिकारियों ने बताया कि उन्हें इलाज के लिए जीएमसी हंदवाड़ा ले जाया गया है। पुलिस तथा अन्य सुरक्षाबल मौके पर पहुंच गए हैं और आगे की जांच शुरू कर दी गई है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

आईआईएम जम्मू में नटरंग की अनूठी पहल- कलाकारों और छात्रों का रचनात्मक संवाद

जम्मू, 29 अक्टूबर (हि.स.)। रचनात्मकता और शिक्षा के संगम को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आईआईएम जम्मू में एक अनूठी पहल के तहत छह प्रतिष्ठित कलाकारों को छात्रों के साथ संवाद के लिए आमंत्रित किया गया। इस विशेष आयोजन का उद्देश्य रचनाकारों और उनकी कृतियों को एक ही मंच पर लाना था जिससे छात्रों को कला की विविध विधाओं से परिचित होने का अवसर मिले। इस अवसर पर सम्मानित कलाकारों में चित्रकार रोहित वर्मा, मूर्तिकार एवं भित्तिचित्र कलाकार सुखजीत सिंह कुक्कल, चित्रकार ऋचा महाजन, मूर्तिकार व चित्रकार जंग एस. वर्मन, चित्रकार एवं कला शिक्षक अमित सलाथिया तथा चित्रकार व स्थापना कलाकार सुरेश शर्मा शामिल थे। नटरंग के निदेशक बलवंत ठाकुर और कला केंद्र जम्मू के सचिव डॉ. जावेद राही ने इन सभी कलाकारों को नटरंग की ओर से सम्मानित किया।

डॉ. जावेद राही ने इस प्रदर्शनी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर देश के उन चुनिंदा क्षेत्रों में से एक है जहां समकालीन कला का सबसे समृद्ध संग्रह मौजूद है। उन्होंने कहा कि नटरंग की यह पहल छात्रों को कला की गहराई और रचनात्मकता के नए आयामों से परिचित कराती है। बलवंत ठाकुर ने अपने संबोधन में कहा कि कला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि शिक्षा का अभिन्न अंग है जो कल्पनाशीलता, संवेदनशीलता और नेतृत्व जैसे गुणों को विकसित करती है।

जीजीएम साइंस कॉलेज के खिलाड़ियों ने जूडो टूर्नामेंट में जीते स्वर्ण पदक

जम्मू, 29 अक्टूबर (हि.स.)। जीजीएम साइंस कॉलेज के दो खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से कॉलेज का नाम रोशन किया है। कॉलेज के अंकित कुमार और भूमि बाली ने एसपीएमआर कॉलेज ऑफ कॉमर्स में क्लस्टर विश्वविद्यालय, जम्मू द्वारा आयोजित सत्र 2025-26 के अंतर-कॉलेज जूडो (पुरुष एवं महिला) टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतकर गौरव हासिल किया। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. (प्रो.) रोमेश कुमार गुप्ता ने दोनों विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके समर्पण, मेहनत और खेल कौशल की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसी उपलब्धियां संस्थान के लिए गर्व का विषय हैं और अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित करती हैं कि वे शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी उत्कृष्टता हासिल करें। डॉ. गुप्ता ने प्रभारी शारीरिक निदेशक और उनके विभाग की सराहना करते हुए कहा कि कॉलेज में खेल संस्कृति और विद्यार्थियों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के उनके प्रयास प्रशंसनीय हैं

राष्ट्रीय एकता दिवस-सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पदयात्रा की तैयारियों को दिया अंतिम रूप

कदुआ, 29 अक्टूबर (हि.स.)। डीसी कदुआ राजेश शर्मा ने बुधवार को राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह के अंतर्गत सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाली आगामी पदयात्रा की तैयारियों की समीक्षा हेतु संबंधित अधिकारियों की एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में कार्यक्रम के सुचारू संचालन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें मार्ग योजना, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियमन, स्वच्छता, चिकित्सा सहायता, जल आपूर्ति और छात्रों एवं नागरिकों की भागीदारी शामिल है। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि 1 नवंबर 2025 को पदयात्रा जीडीसी बॉयज कदुआ से शुरू होकर जीडीसी महिला कदुआ में समाप्त होगी। डीसी कदुआ ने सभी विभागों को पद यात्रा के सफल आयोजन के लिए समन्वित प्रयास सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और इस बात पर जोर दिया कि यह आयोजन सरदार पटेल द्वारा समर्थित एकता, अखंडता और राष्ट्रीय एकता के आदर्शों का प्रतीक है। शिक्षा विभाग को छात्रों और एनएसएस स्वयंसेवकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए कहा गया, जबकि युवा सेवा एवं खेल विभाग को युवा क्लबों और खेल संघों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

पुलिस और यातायात अधिकारियों को यात्रा मार्ग पर पूर्ण सुरक्षा और निर्बाध यातायात सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। डीसी ने नगर परिषद को यात्रा मार्ग पर साफ-सफाई सुनिश्चित करने और स्वास्थ्य विभाग को आपातकालीन सहायता के लिए चिकित्सा दल और एम्बुलेंस तैनात करने के भी निर्देश दिए। सूचना विभाग को पर्याप्त मीडिया कवरेज देने और इस अवसर से जुड़े एकता और देशभक्ति के संदेश को उजागर करने के लिए कहा गया। इससे पहले भारत सरकार के नोडल अधिकारी और उप निदेशक (एमवाई भारत, कदुआ) खुशाल गुप्ता ने सरदार/150 अभियान के तहत स्मरणोत्सव कार्यक्रमों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) और प्रोटोकॉल के बारे में बैठक में जानकारी दी। बैठक में एसएसपी कदुआ, एडीसी कदुआ, एसीडी, सीपीओ, एसडीएम हीरानगर, सीईओ, सीएमओ, सीईओ एमसी कदुआ के अलावा युवा सेवा एवं खेल और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल हुए

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना संख्या: 433_Sig_JAT_15_24_25 दिनांक: - 26.10.2025

अंतिम तिथि/समय: 17.11.2025 15:00

भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए कार्यरत श्री DSTE/JAT, टेंडर नोटिस संख्या 433_Sig_JAT_15_24_25 के सुधार के खिलाफ, **https://www.ireps.gov.in** पर ई-टेंडर आमंत्रित करते हैं। समापन तिथि/समय 17.11.2025 15:00 बजे तक है। बोलीदाता केवल समापन तिथि और समय तक अपनी मूल/संशोधित बोली ही जमा कर सकेंगे। इस टेंडर के खिलाफ मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किए जाएंगे, और यदि कोई मैनुअल ऑफर प्राप्त होता है तो उसे अनदेखा किया जाएगा। ठेकेदारों को इस टेंडर के लिए टेंडर दस्तावेज़ की लागत और अर्जेन्ट मनी भुगतान केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध

ऑनलाइन भुगतान माध्यमों जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के जरिए करने की अनुमति है। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, जमा रसीद, FDR आदि के माध्यम से मैनुअल भुगतान की अनुमति नहीं है।

एनआईटी

अनुबंध प्रकार	काम करता है
कार्य का नाम	जम्मू संभाग में पीटीके-जेएटी सेक्शन पर 20000 से अधिक टीवीयू वाले 7 एल-एक्सिंग गेटों अर्थात बी2-2 और सी-9 तथा पीटीकेसी-बीपीआरएस सेक्शन पर सी-46ए, सी-51, सी-97, सी-134 और सी-142 का इंटरलॉकिंग और जम्मू संभाग के पीटीके-जेएटी सेक्शन पर 5 ब्लॉक सेक्शनों में ब्लॉक कार्य के लिए दोहरी पहचान का प्रावधान। (एसएमबीएक्स-जीएचजीएल अप/डाउन, एचआरएनआर-सीएचएनआर अप/डाउन, सीएचएनआर-बीडीएचवाई अप/डाउन, बीडीएचवाई-केटीएचयू अप/डाउन और एसजेएनपी-बीएचआरएल अप/डाउन)
बदले गए आइटम	नए आइटम

कार्यक्रम	वस्तु विवरण	आइटम कोट	वस्तु मात्रा	मात्रा इकाई	एकक दर	बुनियादी मुल्य	तीव्रता	राशि
अनुसूची बी-आपूर्ति आइटम	हार्ड रबर कंटेनर से बने और प्रारंभिक चार्जिंग के साथ नाममात्र वोल्टेज 2 वोल्ट 200 AH के S&T स्थापना के लिए लेड एसिड सेकेंडरी सेल्स की आपूर्ति, विशिष्टता संख्या IRS-S-88/2004 के अनुसार नवीनतम संशोधन सहित। निरीक्षण RDSO द्वारा।	13	590	संख्याएँ	4964.49	2929049.10	0.00	2929049.10

हटाए गए आइटम

क्रम संख्या	कोड	वस्तु विवरण
1	अनुसूची बी-की वस्तु 1	एसएंडटी संस्थापनों के लिए लेड एसिड सेकेंडरी सेल्स की आपूर्ति, जो कठोर रबर कंटेनर से निर्मित हों और जिनमें प्रारंभिक चार्जिंग के साथ नाममात्र वोल्टेज 2 वोल्ट तथा 200 एच क्षमता हो, विनिर्देश संख्या IRS-S-88/2004 (नवीनतम संशोधन सहित) के अनुसार। निरीक्षण आरडीएसओ द्वारा किया जाएगा।

निविदा समापन तिथि समय	17.11.2025 15:00	निविदा अपलोड करने की तिथि और समय	26.10.2025 17:16
विज्ञापित मूल्य (रु)	2929049.10.	आईआरईपीएस के अनुसार बोली प्रारंभ तिथि	01.11.2025
बयाना राशि (रु)	58580.98	पूरा होने की अवधि	6 Months

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3351/25

एसएमवीडीयू में यूजीसी-एमएमटीटीसी के तहत एनईपी 2020 पर 8 दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

जम्मू, 29 अक्टूबर (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) ने यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) के तहत राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020- अभिविन्यास और संवेदीकरण विषय पर आठ दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों से 181 संकाय सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन एमएमटीटीसी-एसएमवीडीयू के निदेशक प्रो. सुप्रण के. शर्मा, उप निदेशक प्रो. शारदा एम. पोटुकुची, समन्वयक डॉ. विक्रम सिंह और सह-समन्वयक डॉ. अनिल के. भारद्वाज ने किया। उद्घाटन सत्र में प्रो. शर्मा ने एनईपी 2020 के समग्र, व्यापक और बहु-विषयक दृष्टिकोण को उच्च शिक्षा संस्थानों में अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में देशभर से कई प्रमुख शिक्षाविदों और विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए, जिनमें डॉ. अरविंद रेहालिया (भारती विद्यापीठ, नई दिल्ली), प्रो. मंजीत सिंह (पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला), प्रो. सुरेंद्र सिंह (सीयूएच), प्रो. तेजिंदर शर्मा (केयूके), डॉ. शेफाली नागपाल (बीपीएसएमवी, सोनीपत), प्रो. अमिता पांडे भारद्वाज, डॉ. अमित गौतम (एनआईईपीए, दिल्ली) और प्रो. एच.बी. पटेल (गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय) शामिल थे। सत्रों में एनईपी 2020 के तहत समग्र और बहु-विषयक शिक्षा, भारतीय ज्ञान प्रणाली, अनुसंधान और विकास, शैक्षणिक नेतृत्व, शासन एवं प्रबंधन, कौशल विकास, छात्र विविधता, समावेशी शिक्षा और सूचना व संचार प्रौद्योगिकी जैसे विषयों पर विशेष चर्चा की गई। डॉ. विक्रम सिंह और डॉ. अनिल के. भारद्वाज ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए वित्त अधिकारी नीरज गुप्ता और एमएमटीटीसी टीम के सदस्यों, प्रो. राघवेंद्र के. मिश्रा, प्रो. अंकुश आनंद, प्रो. शारदा एम. पोटुकुची, डॉ. सुनंदा, डॉ. कमलदीप, डॉ. पाबित्रा जेना और अन्य आयोजन समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

एनएचपीसी द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत कवि सम्मेलन, वॉकथॉन और नुक्कड़ नाटक का आयोजन

फरीदाबाद, 29 अक्टूबर (हि.स.)। कवि सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर दीप प्रज्वलित करने के पश्चात उपस्थित श्री भूपेंद्र गुप्ता, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, श्री उत्तम लाल, निदेशक (कार्मिक), श्री संजय कुमार सिंह, निदेशक (परियोजनाएं), श्री सुप्रकाश अधिकारी, निदेशक (तकनीकी), श्री महेश कुमार शर्मा, निदेशक (वित्त) तथा श्री संतोष कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी, एनएचपीसी व अन्य अधिकारीगण।

एनएचपीसी द्वारा निगम मुख्यालय, फरीदाबाद में दिनांक 27.10.2025 से 02.11.2025 तक आयोजित किए जा रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के दौरान आज दिनांक 29.10.2025 को कवि सम्मेलन, वॉकथॉन और नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री भूपेंद्र गुप्ता, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, श्री उत्तम लाल, निदेशक (कार्मिक), श्री संजय कुमार सिंह, निदेशक (परियोजनाएं), श्री सुप्रकाश अधिकारी, निदेशक (तकनीकी), श्री महेश कुमार शर्मा, निदेशक (वित्त) तथा श्री संतोष कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी, एनएचपीसी ने दीप प्रज्वलित करके कवि सम्मेलन का उद्घाटन किया।

समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए श्री भूपेंद्र गुप्ता, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक महोदय ने कहा कि एनएचपीसी के सभी कार्मिक सतर्क और सत्यनिष्ठ होकर जिम्मेदारी से अपने कार्यों का निर्वहन कर रहे हैं। सतर्कता को वर्ष भर अनुसरण करना चाहिए और हम इसे अपने कार्यों में अपना भी रहे हैं। इन सतर्कता जागरूकता कार्यक्रमों का उद्देश्य भ्रष्टाचार के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, समाज में पारदर्शिता, जवाबदेही और सत्यनिष्ठा की संस्कृति को बढ़ावा देना है। सतर्क और जागरूक होकर अपने आधिकारिक कार्यों को करना हम सभी की जिम्मेदारी है इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री संतोष कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी, एनएचपीसी ने बताया कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के इस वर्ष का थीम 'सतर्कता- हमारी साझा जिम्मेदारी' है। इसका तात्पर्य है कि हम सभी को मिलकर सतर्क और जागरूक होकर सतर्कता संबंधी नियमों का पालन करते रहना है।

भाजपा उम्मीदवार देवयानी राणा के समर्थन में घर-घर जाकर प्रचार अभियान तेज़ करने का आह्वान किया

जम्मू, 29 अक्टूबर (हि.स.)। भाजपा के जम्मू-कश्मीर राज्य सचिव पवन शर्मा ने आज नगरोटा विधानसभा क्षेत्र के पथवार गाँव, सागोन पंचायत, नगरोटा ब्लॉक के बूथ संख्या 132 में बूथ स्तरीय बैठक बुलाई। यह बैठक बूथ अध्यक्ष बेली राम की अध्यक्षता में आयोजित हुई और इसमें स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं और निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक के दौरान, पवन शर्मा ने क्षेत्र से संबंधित स्थानीय मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की और 11 नवंबर 2025 को नगरोटा विधानसभा क्षेत्र में होने वाले आगामी उपचुनावों के मद्देनजर चल रहे घर-घर अभियान की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी बूथ-स्तरीय कार्यकर्ताओं से संपर्क बढ़ाने और हर घर तक सीधा संपर्क सुनिश्चित करने का आह्वान किया, ताकि भाजपा के विकास, सुशासन और जन-केंद्रित नीतियों के दृष्टिकोण को प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुँचाया जा सके। शर्मा ने इस बात पर ज़ोर दिया कि प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की असली ताकत है और उनका सामूहिक प्रयास भाजपा उम्मीदवार सुश्री देवयानी राणा की शानदार जीत सुनिश्चित करेगा। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से पूरे समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ काम और प्रत्येक मतदाता तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा परिकल्पित प्रगति, स्थिरता और सशक्तिकरण का संदेश पहुँचाने का आग्रह किया। उन्होंने स्थानीय निवासियों द्वारा उठाई गई चिंताओं को भी सुना और आश्वासन दिया कि सभी वास्तविक मुद्दों को समय पर समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाया जाएगा बैठक का समापन सभी बूथ-स्तरीय कार्यकर्ताओं द्वारा अधिकतम मतदाता जागरूकता सुनिश्चित करने और बूथ संख्या 132 को भाजपा के पक्ष में रिकॉर्ड मतदान के साथ एक आदर्श बूथ बनाने के संकल्प के साथ हुआ।

संपादकीय

सरकार के कंधों पर बड़ी ज़िम्मेदारी

केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की सरकारें, दोनों ही इस क्षेत्र के शिक्षित बेरोज़गार युवाओं को सरकारी नौकरियाँ प्रदान करने की ज़िम्मेदारी साझा करती हैं क्योंकि जम्मू-कश्मीर और केंद्र में सत्ताधारी दलों ने लोकसभा और विधानसभा चुनावों से पहले कई बार आश्वासन दिया था कि वे जम्मू-कश्मीर से बेरोज़गारी दूर करेंगे।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह चुनौती बहुत बड़ी है क्योंकि जम्मू-कश्मीर सरकार ने विधानसभा को सूचित किया है कि सितंबर 2025 तक केंद्र शासित प्रदेश में कुल 3,61,146 शिक्षित बेरोज़गार युवा पंजीकृत हैं, जिससे यह स्पष्ट है कि विभिन्न केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्र स्तर के विभागों में रोज़गार चाहने वाले इन युवाओं को समायोजित करने के लिए बड़ी संख्या में नौकरियों की आवश्यकता है।

विधानसभा में दिए गए आँकड़ों के अनुसार, कश्मीर संभाग में 2.08 लाख से अधिक पंजीकरण हुए हैं, जबकि जम्मू संभाग में 1.52 लाख से अधिक पंजीकरण हुए हैं। श्रीनगर ज़िला 23,826 पंजीकृत बेरोज़गार युवाओं के साथ सूची में सबसे ऊपर है, उसके बाद अनंतनाग (32,298), पुलवामा (28,671), कठुआ (26,798) और कुलगाम (21,446) का स्थान है। सबसे कम पंजीकरण किश्तवाड़ (8,870) और रियासी (12,376) ज़िलों में दर्ज किए गए। कुल पंजीकृत बेरोज़गार युवाओं में 2,33,845 पुरुष और 1,27,301 महिलाएँ हैं।

यह अच्छी बात है कि रोज़गार विभाग, मिशन युवा और मिशन युवा के तहत, स्व-रोज़गार, स्टार्टअप और कौशल विकास पर केंद्रित 1.37 लाख उद्यमिता इकाइयों के निर्माण के माध्यम से 4.25 लाख रोज़गार के अवसर पैदा करने के लिए काम कर रहा है, लेकिन जब तक ये योजनाएँ साकार नहीं हो जातीं, तब तक यह निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि जो परिकल्पना की गई है, उससे अपेक्षित परिणाम मिलेंगे।

इसलिए यह ज़रूरी है कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार एक कारगर योजना बनाए और इसी क्रम में केंद्र को भी शिक्षित युवाओं के लिए कुछ विशेष रोज़गार पैकेज लाने चाहिए ताकि उन्हें एक सार्थक जीवन की ओर अग्रसर किया जा सके और वे भविष्य के राष्ट्र निर्माता बन सकें।

यह अच्छी बात है कि ज़िला-स्तरीय रोज़गार एवं परामर्श केंद्र युवाओं को जोड़ने, नवाचार को बढ़ावा देने और आजीविका के अवसरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए करियर मेले और रोज़गार मेले आयोजित कर रहे हैं, लेकिन जम्मू-कश्मीर में बेरोज़गार युवाओं की भारी संख्या को देखते हुए, अब समय आ गया है कि सभी नेतृत्वकर्ता, चाहे वे केंद्र शासित प्रदेश की सरकार में हों या केंद्र में, जम्मू-कश्मीर में बेरोज़गारी की गंभीर समस्या से निपटने के लिए युद्धस्तर पर काम करना शुरू कर दें क्योंकि यह समस्या 1990 के दशक की तरह और भी समस्याएँ पैदा कर सकती है, क्योंकि बेरोज़गारी ने जम्मू-कश्मीर, खासकर घाटी में अशांति पैदा करने में भी एक ख़तरनाक भूमिका निभाई है। इसलिए, सरकारों के लिए यह उचित है कि वे शिक्षित युवाओं की क्षमता को उत्पादक क्षेत्रों में लगाएँ, सार्थक रोज़गार सुनिश्चित करें ताकि जम्मू-कश्मीर में चीज़ें सही दिशा में आगे बढ़ सकें।

नौकरशाही के दरबार में फाइलों के बीच दम तोड़ती संवेदनाएँ

आज अधिकारी जनता के प्रतिनिधि नहीं, सत्ता के प्रतिनिधि बन चुके हैं। फ़ाइलों पर फैसले अब संवेदना से नहीं, किसे खुश करना है और किससे बचना है जैसी मानसिकता से लिए जाते हैं। इस मानसिकता ने शासन को जीवंतता से दूर कर दिया है। नौकरशाही अब अपने भीतर ऐसा 'प्रशासनिक अहंकार' पाल चुकी है जो हर आलोचना को शत्रुता समझता है। फ़ाइलें महीनों दबाई जाती हैं, नियुक्तियाँ वर्षों तक लंबित रहती हैं और जब जवाब माँगा जाए तो कहा जाता है- प्रक्रिया में है।

- डॉ. सत्यवान सौरभ

हमारे समय की सबसे बड़ी त्रासदी यह नहीं है कि समाज अन्याय से भर गया है बल्कि यह है कि संवेदनाएँ खोती जा रही हैं। जिस देश में सरकारी तंत्र सेवा का प्रतीक होनी चाहिए थी, वहाँ अब नौकरशाही शब्द ही अहंकार और दूरदर्शिता की कमी का पर्याय बन चुका है। सरकारी तंत्र जब संवेदनहीन हो तो व्यवस्था का चेहरा निर्दयी हो जाता है। छोटी-सी समस्या के समाधान के लिए व्यक्ति फ़ाइलों के जंगल में भटकता है। फोन उठाने से लेकर जवाब देने तक हर कदम पर दीवार खड़ी है- उस दीवार का नाम है नौकरशाही की असंवेदनशीलता।

नौकरशाही का मूल उद्देश्य नागरिकों की सुविधा, प्रशासन की पारदर्शिता और नीतियों की समानता था।

लेकिन धीरे-धीरे यह वर्ग अपने ही बनाए दायरे में कैद हो गया। सत्ता के निकट रहकर उसने सेवा को सत्ता-साझेदारी में बदल दिया।

आज अधिकारी जनता के प्रतिनिधि नहीं, सत्ता के प्रतिनिधि बन चुके हैं। फ़ाइलों पर फैसले अब संवेदना से नहीं, किसे खुश करना है और किससे बचना है जैसी मानसिकता से लिए जाते हैं। इस मानसिकता ने शासन को जीवंतता से दूर कर दिया है। नौकरशाही अब अपने भीतर ऐसा 'प्रशासनिक अहंकार' पाल चुकी है जो हर आलोचना को शत्रुता समझता है। फ़ाइलें महीनों दबाई जाती हैं, नियुक्तियाँ वर्षों तक लंबित रहती हैं और जब जवाब माँगा जाए तो कहा जाता है- प्रक्रिया में है। यह प्रक्रिया अब बहाने का दूसरा नाम बन चुकी है। जनता के सवालों का जवाब काग़ज़ों में मिलता है लेकिन न्याय का उत्तर शून्य में खो जाता है।

सत्ता अपने स्वभाव में आकर्षक होती है। यह व्यक्ति को शक्ति देती है पर उसी शक्ति के साथ चरित्र की परीक्षा भी लेती है। दुर्भाग्य से, हमारे समय की राजनीति ने इस शक्ति को ज्यादातर जिम्मेदारी नहीं बल्कि विशेषाधिकार समझ लिया है। सत्ताधारी तब तक सक्रिय रहते हैं, जब तक प्रशंसा मिलती रहती है।

लेकिन आलोचना या असहमति के क्षणों में उनकी सहनशीलता समाप्त हो जाती है। यही संवेदनहीन सत्ता का भयावह रूप है- जहाँ जनता की पीड़ा आँकड़ों में बदल दी जाती है और आँकड़ों की भाषा में संवेदना मर जाती है। हर बार जब कोई त्रासदी होती है- दुर्घटना, दंगा या भ्रष्टाचार- तब ज़मीनी स्तर पर प्रशासन केवल रिपोर्ट तैयार करता है, जिनमें संवेदना नहीं, केवल डेटा होता है। यह स्थिति लोकतंत्र के उस आत्मा को चोट पहुँचाती है जो जन से शुरू होकर जन पर ही समाप्त होती है।

संवेदनहीनता केवल प्रशासन की नहीं समाज की भी बीमारी बन चुकी है। आज दुर्घटनाओं के वीडियो बनाए जाते हैं पर किसी की मदद करने की हिम्मत कम ही होती है। गरीब की पीड़ा पर ताली बजाना आसान है पर मदद करना कठिन। यह वही मानसिकता है जिसने

एक गहरी खाई बना दी है। जहाँ ऊपर बैठे लोग 'नीतियों' की बात करते हैं, वहीं नीचे खड़े लोग 'रोटी' की। नौकरशाही-जो पुल नहीं, दीवार बन चुकी है। यही वह त्रासदी है जो लोकतंत्र को भीतर से खोखला कर रही है।

एक समय था जब सरकारी अधिकारी जनसेवक कहलाते थे। यह शब्द अब मज़ाक लगता है। आज का प्रशासन इतना प्रक्रियात्मक हो गया है कि वह मनुष्यता को भूल गया है। फ़ाइलों और कानूनों की दुनिया में संवेदना को अपवाद मान लिया गया है।

यह विचलित करने वाली सच्चाई है कि जो तंत्र जनता की सेवा के लिए बना, वही तंत्र अब नागरिक को संदेह की दृष्टि से देखता है। अधिकारी जनता को सुविधा देने से अधिक उसके इंटेंशन पर शक करने लगे हैं।

यह शक लोकतंत्र की आत्मा के विरुद्ध है। नौकरशाही और सत्ता के बीच यह मानसिक दूरी अब सामाजिक असमानता को और गहरा रही है। गाँवों में सड़क तब पहुँचती है जब वोट की ज़रूरत पड़ती है। स्कूलों में शिक्षक तब लगते हैं जब मीडिया हंगामा करती है। अस्पतालों में दवा तब आती है जब मंत्री का दौरा तय होता है। यह संवेदनहीन तंत्र आम नागरिक की ज़िंदगी को उस प्रतीक्षा की यातना में बदल देता है जो कभी समाप्त नहीं होती।

संवेदनहीनता की यह संस्कृति सरकारी तंत्र की स्थायी साथी बन चुकी है। हम यह भूल चुके हैं कि शासन का सार मनुष्यता में निहित है। कानून तभी तक उपयोगी हैं जब वे मानवीयता की रक्षा करें और प्रशासन तभी तक वैध है जब वह नागरिक के दुख को अपनी जिम्मेदारी माने। आज हमारे देश में हर विभाग में योजनाएँ हैं लेकिन क्रियान्वयन में संवेदना नहीं है।

यही कारण है कि योजनाएँ रिपोर्ट कार्ड बनकर रह गई हैं, न कि राहत का साधन।

जरूरत इस बात की है कि सरकारी तंत्र को फिर से सेवा का पर्याय बनाया जाए। शासन में इमोशनल इंटेलिजेंस को नीतिगत अनिवार्यता बनाया जाए। नौकरशाही को प्रशिक्षण के दौरान केवल प्रोटोकॉल नहीं, संवेदना भी सिखाई जाए। पद का अहंकार अगर सेवा की भावना से नहीं मिला, तो हर नीति अधूरी रह जाएगी। आज आवश्यकता अकुशल प्रशासनिक मशीनरी की नहीं, मानवीय प्रशासन की है- जहाँ प्रत्येक निर्णय के केंद्र में नागरिक का दुःख, उसकी गरिमा और उसका जीवन हो।

हमारे समय का असली सुधार यही होगा कि नौकरशाही और सत्ता में संवेदना वापस लाई जाए। कानून की कठोरता के साथ मानवीयता की कोमलता भी जरूरी है। आज अगर हम सरकारी तंत्र में फिर से मनुष्यता को जीवित नहीं कर पाए, तो अगली पीढ़ियाँ हमें संवेदनहीन युग कहकर याद करेंगी। शायद तब यह प्रश्न उठेगा कि क्या हमने शासन को इंसान से ज्यादा महत्वपूर्ण बना दिया? इसलिए समय की पुकार है कि प्रशासन को प्रक्रिया से पहले मनुष्य को देखना सीखना होगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

राफेल से उड़ान भरकर राष्ट्रपति मुर्मू ने सिर्फ इतिहास नहीं रचा है बल्कि महिलाओं और आदिवासी समाज को गौरव से भर दिया

वशेष रूप से महिलाओं के लिए यह संदेश अत्यंत सशक्त है कि राष्ट्र की सुरक्षा, तकनीकी शक्ति और निर्णय क्षमता के क्षेत्र में अब लैंगिक भेद की दीवारें टूट चुकी हैं। एक महिला राष्ट्रपति का अत्याधुनिक लड़ाकू विमान में उड़ान भरना इस बात का प्रमाण है कि महिलाएँ अब केवल 'संवेदनशीलता' का प्रतीक नहीं, बल्कि 'साहस' और 'संकल्प' की मिसाल भी हैं। आदिवासी समाज के लिए यह गौरव का क्षण है। दशकों से समाज के हाशिए पर रहे तबकों के लिए यह दृश्य 'राष्ट्रीय मुख्यधारा में समान भागीदारी' की अभिव्यक्ति है।

राफेल से उड़ान भरकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सिर्फ इतिहास नहीं रचा है बल्कि महिलाओं और आदिवासी समाज को गौरव से भर दिया है

29 अक्टूबर 2025 का दिन भारतीय वायुसेना और पूरे राष्ट्र के लिए एक विशेष दिन के रूप में याद किया जाएगा। भारत की राष्ट्रपति और सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने हरियाणा के अंबाला वायुसेना स्टेशन से राफेल लड़ाकू विमान में उड़ान भरकर इतिहास रच दिया।

यह वही अंबाला एयरबेस है, जहां फ्रांस से आए राफेल विमानों की पहली खेप उतरी थी। लगभग 30 मिनट तक चली इस उड़ान में राष्ट्रपति ने करीब 200 किलोमीटर की दूरी तय की, जो 15,000 फीट की ऊँचाई और लगभग 700 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पर संपन्न हुई। विमान को 17 स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर ग्रुप कैप्टन अमित गहाणी ने संचालित किया।

राष्ट्रपति ने उड़ान के बाद अपने विचार व्यक्त करते हुए आगंतुक पुस्तिका में लिखा— 卐राफेल विमान में उड़ान भरना मेरे लिए अविस्मरणीय अनुभव है। इससे मुझे राष्ट्र की रक्षा क्षमता पर गर्व की नई अनुभूति हुई है।卐 इस प्रकार, यह केवल एक प्रतीकात्मक उड़ान नहीं थी, बल्कि राष्ट्र के आत्मविश्वास, सामरिक शक्ति और नागरिक गर्व का सशक्त संदेश थी।

उस महिला पायलट को राफेल में लेकर उड़ी राष्ट्रपति मुर्मूहम आपको बता दें कि राफेल भारत की सामरिक शक्ति का आधुनिक प्रतीक है। 4.5 पीढ़ी का यह मल्टीरोल लड़ाकू विमान वायुसेना की परिचालन क्षमता को कई गुना बढ़ाता है। राष्ट्रपति का राफेल में उड़ान भरना एक औपचारिक या औपचारिकता-भर कदम नहीं, बल्कि यह संकेत है कि राष्ट्र के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति देश की रक्षा तैयारियों पर पूर्ण विश्वास व्यक्त कर रहा है।

भारत की राष्ट्रपति, जो संवैधानिक रूप से सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर हैं, उनका ऐसे लड़ाकू विमानों में उड़ान

भरना सैन्य बलों के मनोबल को बढ़ाता है। साथ ही यह एक स्पष्ट संदेश है कि भारत अपने रक्षात्मक ढाँचे को लेकर न केवल सजग है, बल्कि उस पर गर्व भी करता है।

राफेल जैसे अत्याधुनिक विमान में राष्ट्रपति की उपस्थिति से अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी यह संदेश जाता है कि भारत अपनी सीमाओं की सुरक्षा और वायु सामर्थ्य के मामले में किसी भी चुनौती से पीछे हटने वाला नहीं है।

इसके अलावा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का व्यक्तित्व स्वयं में संघर्ष, सादगी और उपलब्धि का प्रतीक है। ओडिशा के एक छोटे आदिवासी परिवार से निकलकर देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुँचना अपने आप में प्रेरक कथा है। जब वह सुखोई-30 एमकेआई (2023) के बाद अब राफेल जैसे उच्च तकनीकी लड़ाकू विमान में उड़ान भरती हैं, तो यह दृश्य करोड़ों महिलाओं और आदिवासी युवाओं चुकी हैं। एक महिला राष्ट्रपति का अत्याधुनिक लड़ाकू विमान में उड़ान भरना इस बात का प्रमाण है कि महिलाएँ अब केवल 'संवेदनशीलता' का प्रतीक नहीं, बल्कि 'साहस' और 'संकल्प' की मिसाल भी हैं।

आदिवासी समाज के लिए यह गौरव का क्षण है। दशकों से समाज के हाशिए पर रहे तबकों के लिए यह दृश्य 'राष्ट्रीय मुख्यधारा में समान भागीदारी' की अभिव्यक्ति है। जब देश की सर्वोच्च नेता आदिवासी समुदाय से आती हैं और आधुनिकतम सैन्य तकनीक के बीच आत्मविश्वास से भरी दिखाई देती हैं, तो यह सामाजिक मनोविज्ञान को गहराई से प्रभावित करता है। इससे यह संदेश जाता है कि अब कोई भी पृष्ठभूमि प्रगति और नेतृत्व की राह में बाधा नहीं बन सकती।

इसके अलावा, राष्ट्रपति का यह कदम केवल सैन्य प्रतीक नहीं, बल्कि एक के लिए आत्मबल और आत्मविश्वास का स्रोत बनता है।

विशेष रूप से महिलाओं के लिए यह संदेश अत्यंत सशक्त है कि राष्ट्र की सुरक्षा, तकनीकी शक्ति और निर्णय क्षमता के क्षेत्र में अब लैंगिक भेद की दीवारें टूट राष्ट्रनैतिक वक्तव्य भी है। यह भारत की आत्मनिर्भरता और तकनीकी प्रगति के मार्ग पर विश्वास का उद्घोष है। नारी शक्ति और जनजातीय गौरव को केंद्र में रखकर यह दृश्य भारत के बदलते समाज की नई कहानी कहता है— जहाँ संवैधानिक गरिमा, तकनीकी श्रेष्ठता और सामाजिक समावेशन का संगम दिखाई देता है।

साथ ही, भारतीय वायुसेना के लिए यह अवसर आत्मगौरव का भी है। एक राष्ट्रपति के रूप में द्रौपदी मुर्मू का राफेल में उड़ान भरना वायुसेना के प्रशिक्षण, अनुशासन और तकनीकी दक्षता पर सर्वोच्च विश्वास का प्रमाण है। यह संदेश सैन्य परंपरा की निरंतरता और आधुनिकता के मेल का है— जहाँ संवैधानिक संस्थाएँ और सशस्त्र बल एकजुट होकर राष्ट्र सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू का यह कदम भारत के उन तमाम युवाओं को भी प्रेरित करेगा जो रक्षा सेवाओं में योगदान देने का सपना देखते हैं। जब देश की प्रथम नागरिक स्वयं युद्धक विमान में उड़ान भरती हैं, तो यह युवाओं के भीतर 'कर्तव्य', 'साहस' और 'सेवा' के आदर्श को पुनः जीवंत करता है।

बहरहाल, द्रौपदी मुर्मू का राफेल में उड़ान भरना मात्र एक प्रतीकात्मक घटना नहीं, बल्कि एक युगबोध है। यह उस भारत की कहानी है जो अपनी परंपरा को सम्मान देता है, आधुनिकता को अपनाता है और समावेशन को अपनी शक्ति बनाता है।

यह उड़ान एक संदेश है-

भारत की नारी अब आकाश की सीमा तक पहुँच चुकी है

आदिवासी समाज अब राष्ट्रीय गौरव की धारा में अग्रणी है

और भारत की सुरक्षा व संप्रभुता पर देश का सर्वोच्च नेतृत्व स्वयं प्रहरी बनकर खड़ा है।

यही है नई भारत की उड़ान— आत्मगौरव, समावेश और सामर्थ्य की उड़ान।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

साभार : प्रभासाक्षी

पराली जो जलकर बनती है सियासत वाली

-ऋतुपर्ण दवे

ठण्ड की दस्तक के साथ धान की कटाई और पराली जलाए जाने के बीच आई दिवाली पर खतरनाक स्तर तक पहुंचे प्रदूषण के लिए फिर पराली को ही जिम्मेदार ठहराने में पंजाब और दिल्ली की राज्य सरकारें इस बार आमने-सामने रहीं। यह सच है कि पराली के चलते दोनों राज्यों के अलावा भी कई राज्य इसका प्रदूषण भुगत रहे हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि पंजाब-दिल्ली की सरकारें बजाए सुलह के एक-दूसरे को दोषी ठहरा, प्रदूषण से कैसे निपटेंगी? आसमान से निगरानी और लाइव तस्वीरों के इस दौर में भी सच सामने होने के बावजूद राजनीतिक बयानबाजी बेहद हैरानगी भरी है। सच है कि प्रदूषण की दमघोटू हवा इसके प्रभाव में आने वाले हर किसी को तकलीफ देती है। यह भी सही है कि कोरोना के बाद बहुत से लोगों में प्रदूषण को बरदाश्त करने की क्षमता भी घटी है लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि सरकारें बयानों से बचाव करें। हालांकि इस बार दिल्ली में क्लाउड सीडिंग यानी कृत्रिम बारिश की बात की जा रही है। देखना होगा कि यह तकनीक कितनी कामियाब होती है। लेकिन प्रदूषण को लेकर यह स्थाई विकल्प हो पाए, ऐसा लगता नहीं है।

इधर सुप्रीम कोर्ट ने भी बीते बरस, दिल्ली में बढ़े वायु प्रदूषण पर केंद्र को कड़ी फटकार लगाई तो पंजाब और हरियाणा सरकारों को भी चेताया। बावजूद इसके काबू पाया जा सका न ही कोई विकल्प खोजा गया। अदालत में तब पेश जवाब पर ही सवाल खड़े होना लाजिमी थे जो हुए। फिलहाल दिल्ली में दिवाली के फौरन बाद प्रदूषण का स्तर बेहद खतरनाक पहुंचना बेहद चिंताजनक है। 301 से ऊपर का वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एयर क्वालिटी इण्डेक्स (एएक्यूआई) इमरजेंसी स्थिति मानी जाती है। दिल्ली में 27 अक्टूबर तक प्रदूषण के स्तर में सुधार जरूर हुआ है लेकिन धान कटाई और पराली जलाने की घटनाओं में भी पंजाब व आसपास तेजी से स्तर कब कहां पहुंच जाए कहना मुश्किल है।

ध्यान देने वाली बात यह है कि न केवल एनसीआर बल्कि दूसरे क्षेत्रों में प्रदूषण बढ़ा हुआ है। पंजाब भी बुरी तरह से इसकी गिरफ्त में है। लेकिन यह सच है कि दिल्ली के मुकाबले वहां प्रदूषण अभी कम है। भले अभी पंजाब को कैसे दोषी ठहराया जा सकता है क्योंकि इसी मंगलवार लुधियाना में दिवाली के ठीक पहले 271, जालंधर में 247, अमृतसर में 224, पटियाला में 206 वायु गुणवत्ता सूचकांक दर्ज किया गया। केन्द्रीय प्रदूषण बोर्ड के आंकड़ों जो कि 27 अक्टूबर तक के हैं देखने से पता चलता है कि दिल्ली में प्रदूषण में गिरावट के बावजूद वायु गुणवत्ता सूचकांक 301 पर बना हुआ है जो विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से 1,900 प्रतिशत अधिक है। इसी दिन बहादुरगढ़ में वायु गुणवत्ता सूचकांक 381 से बढ़कर 387 हो गया है। जबकि दिल्ली सहित नौ शहरों में यह 300 के पार है। वहीं, देश में शिलांग की हवा सबसे साफ रही जबकि भारत के 256 शहरों में से केवल 23 प्रतिशत में ही हवा साफ है यानी 77 प्रतिशत में हवा खराब है। गनीमत है कि बीच-बीच में बदलते मौसम से हालात इस बार पिछली बार जैसे नहीं बन पा रहे हैं।

समझना होगा कि प्रदूषण के लिए केवल भारत ही नहीं पाकिस्तान की पराली का धुंआ भी जिम्मेदार है। नासा की एक रिपोर्ट, वर्ल्डव्यू एनिमेशन, सेटेलाइट तस्वीरें, चंडीगढ़ पीजीआई और पंजाब यूनिवर्सिटी के शोध से भी साफ हो गया है कि भारतीय पंजाब के मुकाबले पाकिस्तानी पंजाब में पराली ज्यादा जलती है। इस पर पड़ोसी पर भी लगाम की जरूरत है।

आखिर कैसी कोशिशें हैं कि सालों साल से यह मसला बजाए सुलझने के हर बार नए आरोपों में घिर जाता है? रही बात सरकारों की तो केन्द्र या राज्य की सरकारें किसानों को लेकर दावा कुछ भी करें लेकिन किसानों की भी तो अपनी समस्याएं हैं। संसाधनों की कमी से जूझते छोटे-छोटे किसानों को भला ऋण कैसे मिलेगा ताकि पराली से विभिन्न उत्पाद बनाने वाली मशीनें खरीद सकें? किसानों की अपनी मजबूरी है।

खेती मौसम पर निर्भर है और एक-दो दिन का बिगड़ा मौसम महीनों की मेहनत पर पानी फेर देता है। इसी चलते किसान भी तुरंत पराली जलाने को मजबूर होते हैं। किसान अगली फसल की बुवाई की जल्दबाजी मौसम के डर के बीच हालातों से जूझता है। दूसरी फसल के लिए बहुत कम वक्त के चलते खासकर छोटे किसान असमंजस में जानते-समझते मजबूरन पराली जलाने का अपराध करते हैं।

दिल्ली में वायु प्रदूषण दशकों पुराना मुद्दा है। साल 1985 में भी आवाज उठी थी, जब कीर्ति नगर जैसे घने रिहायशी क्षेत्र में एक फर्टीलाइजर संयंत्र की जहरीली हवा से लोग बीमार होने लगे। तब अधिवक्ता एम.सी. मेहता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की। हकीकत देखिए, सुनवाई के दौरान ही प्लांट से ओलियम गैस रिसी और तीस हजारी कोर्ट के एक वकील की जान चली गई। कइयों की हालत बिगड़ी। इसके बाद कई कंपनियों पर प्रतिबंध लगा। आबादी वाले क्षेत्र में क्लोरीन, सुपर क्लोरीन, ओलियम, फॉस्फेट जैसी जहरीले उत्पाद बनाने पर रोक लगी। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने भी प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहने को मौलिक अधिकार बनाया।

धरातल पर देखें तो सिवाय कागजी योजना बनाने, बैठकें और आखिर में आरोप-प्रत्यारोप से ज्यादा भला अब तक क्या हासिल हुआ है? न तमाम प्रभावित राज्य सरकारें और न ही केन्द्र, पराली के दूसरे उपयोग किसानों को समझा पाया। क्लाउड सीडिंग से कृत्रिम बारिश की बातें करने वाली दिल्ली सरकार भी खतरनाक स्तर तक प्रदूषण से फौरी राहत ही दिला पाई जो कुछ देशों ने कर दिखाया। बजाए आपसी तू-तू, मैं-मैं के पराली संग्रहण, इसके व्यावसायिक उपयोगों पर पूरे साल चर्चा होती तो शायद जलाने की नौबत ही न आती।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मोहम्मद साद ने अखिल भारतीय कुश्ती प्रतियोगिता में जीता गोल्ड

एजेंसी

बिजनौर। भोपाल में आयोजित छत्तीसगढ़ अखिल भारतीय कुश्ती प्रतियोगिता में मोहम्मद साहब ने गोल्ड मेडल जीत कर जिले का नाम रोशन किया है, यह उपलब्धि जनपद वासियों के लिए गौरव तथा प्रेरणादायक है ।मालूम हो कि गांव रहटा बिल्लौच निवासी मोहम्मद साद पुत्र मोहम्मद तालिब खान ने विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा मध्य प्रदेश में आयोजित नेशनल प्रतियोगिता में 90 किलोग्राम भार कुश्ती में गोल्ड मेडल जीता है जिससे गांव के लोगों में खुशी का माहौल है । मोहम्मद साद श्री राम सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज गुहावर में कक्षा 12 में अध्यनरत है । विद्यालय के प्रधानाचार्य कृष्ण पाल ने बताया कि साद में खेल के प्रति बचपन से ही रुचि है। मोहम्मद साद के आज मंगलवार को गांव पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया विद्यालय के प्रधानाचार्य कृष्णपाल सिंह, कोषाध्यक्ष विजेंद्र कुमार, प्रबंधक शिवकुमार सिंह ,संरक्षक सुरेंद्र कुमार रस्तोगी, अध्यक्ष राज बहादुर सिंह तथा उप प्रबंधक प्रवेंद्र कुमार देवरा ने साद के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

अबू धाबी टी10 लीग की शुरुआत 18 नवंबर से, पहला मैच क्वेटा कैवेलरी और नॉर्दर्न वॉरियर्स के बीच

नई दिल्ली। अबू धाबी टी10 लीग 2025 की शुरुआत 18 नवंबर से होगी और इसका समापन 30 नवंबर को होगा। करीब दो हफ्ते चलने वाला यह तेज़-तर्रार टूर्नामेंट क्रिकेट प्रेमियों को रोमांचक मुकाबलों का तोहफा देगा, जिसमें खेल जगत के कई बड़े नाम हिस्सा लेंगे। इस सीजन का उद्घाटन मैच क्वेटा कैवेलरी और नॉर्दर्न वॉरियर्स के बीच खेला जाएगा। इसके बाद मौजूदा चैंपियन डेक्कन ग्लैडिएटर्स अपने खिताब की रक्षा के अभियान की शुरुआत दिल्ली बुल्स के खिलाफ मुकाबले से करेंगे यह टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में खेला जाएगा, जिसमें प्रत्येक टीम लीग चरण के दौरान एक-दूसरे से मुकाबला करेगी। लीग मैचों के बाद अंक तालिका में शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ़ में जगह बनाएंगी। प्लेऑफ़ की शुरुआत 29 नवंबर को क्वालिफायर-1 से होगी, जिसमें लीग की शीर्ष दो टीमें आमने-सामने होंगी। इस मैच की विजेता टीम सीधे फाइनल में प्रवेश करेगी, जबकि हारने वाली टीम को क्वालिफायर-2 में एक और मौका मिलेगा। उसी दिन एलिमिनेटर मुकाबला भी खेला जाएगा, जिसमें तीसरे और चौथे स्थान की टीमें भिड़ेंगी। इस मैच की विजेता टीम क्वालिफायर-2 में जाएगी, जबकि हारने वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी।

भारत की अंडर-20 महिला फुटबॉल टीम ने कजाखस्तान के साथ 1-1 से खेला ड्रॉ

शिमकेंट (कजाखस्तान)। भारत की अंडर-20 महिला फुटबॉल टीम ने मंगलवार को खेले गए दूसरे और अंतिम फ्रेंडली मैच में कजाखस्तान अंडर-19 टीम के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला। शिमकेंट के बीआईआईके स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए मैच के दोनों गोल दूसरे हाफ में हुए। कजाखस्तान की अडेलिया बेक्कोज़िना ने 47वें मिनट में गोल कर मेज़बानों को बढ़त दिलाई। हालांकि, भारत की पूजा ने 55वें मिनट में शानदार हेडर से गोल कर मैच को बराबरी पर ला दिया। उन्हें यह मौका भूमिका देवी खुमुकचम के सटीक क्रॉस से मिला। यह पूजा का लगातार दूसरा मैच था, जिसमें उन्होंने गोल किया। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला आगामी एएफसी अंडर-20 महिला एशियन कप 2026 की तैयारी के तहत खेला गया। भारत और कजाखस्तान ने इससे पहले शनिवार को पहला फ्रेंडली मैच खेला था, जिसमें भारत ने 3-2 से जीत दर्ज की थी। पहले मैच में भारत की ओर से सिबानी देवी नोंगमेइकापम ने दूसरे ही मिनट में नेहा के क्रॉस पर गोल कर बढ़त दिलाई थी। इसके बाद अंजू चानू कायेन्पैबम ने 15वें मिनट में एक और गोल कर स्कोर 2-0 किया, जिसमें फिर से नेहा ने असिस्ट दी।

आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में मंधाना शीर्ष पर बरकरार, हासिल की करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग

नई दिल्ली। भारत की उपकप्तान और सलामी बल्लेबाज़ स्मृति मंधाना ने एक बार फिर आईसीसी महिला वनडे बल्लेबाज़ रैंकिंग में अपना दबदबा कायम रखा है। न्यूज़ीलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर मंधाना ने 828 अंकों के साथ करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंक हासिल किये। न्यूज़ीलैंड के खिलाफ 109 रन की शानदार पारी और बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद 34 रन की बदौलत मंधाना ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी, ऑस्ट्रेलिया की एश गार्डनर (731 अंक) पर लगभग 100 अंकों की बढ़त बना ली है। गार्डनर ने इंग्लैंड के खिलाफ शतक लगाकर छह स्थान की छलांग लगाई और दूसरे स्थान पर पहुंची हैं। स्मृति मंधाना हाल के महीनों में शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने सितंबर, 2025 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज़ में उम्दा प्रदर्शन करते हुए आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ का ख़िताब भी जीता था। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट ने 90 और 31 रन की पारियों की बदौलत दो स्थान की छलांग लगाकर शीर्ष तीन में जगह बना ली है। वहीं, इंग्लैंड की एमी जोन्स चार स्थान ऊपर उठकर नौवें स्थान (656 अंक) पर पहुंची हैं।

नौ साल बाद प्लेऑफ में पहुंचना तेलुगु टाइटंस के लिए ऐतिहासिक पल : कोच कृष्ण कुमार हुड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीज़न 12 में तेलुगू टाइटंस ने नौ साल का इंतजार खत्म करते हुए प्लेऑफ में जगह बना ली है। त्यागराज इंडोर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टाइटंस ने पटना पाइरेट्स की आठ मैचों की विजयी लय तोड़ते हुए 46-39 से शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ टीम ने क्वालिफायर-2 में जगह पक्की की, जहां आज रात उनका मुकाबला सीज़न 10 की चैंपियन पुणेरी पलटन से होगा। टीम की इस अहम जीत पर मुख्य कोच कृष्ण कुमार हुड्डा ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'यह हमारे लिए करो या मरो वाला मैच था। मैंने सीज़न की शुरुआत में ही कहा था कि इस बार हम अपने दर्शकों को निराश नहीं करेंगे। कौन जीतेगा, यह वक्त बताएगा, लेकिन हम अपनी पूरी ताकत झोंक देंगे।'

कोच हुड्डा ने विजय और भरत की जोड़ी की तुलना मशहूर फिल्म शोले के जय-वीरू से करते हुए कहा, 'विजय और भरत की जोड़ी टीम के लिए अमूल्य है। विजय की कप्तानी और भरत की रेडिंग ने टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। टीम के कप्तान विजय मलिक ने भी कोच की बातों को दोहराते हुए कहा, 'हमने शुरुआत से अच्छा प्रदर्शन किया है और हमारा मकसद लगातार उसी लय को बनाए रखना था। हम सिर्फ अपना खेल खेलना चाहते थे। भावुक होते हुए कोच हुड्डा ने कहा, 'तेलुगू टाइटंस नौ साल बाद प्लेऑफ में पहुंचे हैं। पहले टीमें हमें देखकर सोचती थीं कि ये मुकाबला तो आसान होगा। लेकिन इस बार खिलाड़ियों ने ऐसा खेल दिखाया है कि मेरी आंखें नम हो गईं।' हुड्डा ने आगे कहा, 'पिछले सीज़न में हम बहुत कम अंतर से बाहर हुए थे, इस बार खिलाड़ियों की मेहनत रंग लाई है। मैं हर खिलाड़ी का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं जिन्होंने टीम को इस मुकाम तक पहुंचाया।'

कोच ने सीनियर खिलाड़ियों विजय, भरत और शुभम की भी सराहना की, जिन्होंने युवा खिलाड़ियों के साथ मिलकर टीम को संभाला। उन्होंने कहा, 'हमारे पास चार युवा खिलाड़ी हैं, लेकिन इन तीन सीनियरों ने टीम को संतुलन दिया है।

पूर्व इंग्लिश तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन को नाइटहुड सम्मान

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज और टीम के सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने वाले खिलाड़ी जेम्स एंडरसन को विंडसर कैसल में मंगलवार को आयोजित एक विशेष समारोह के दौरान प्रिंसेस ऐनी ने नाइटहुड की उपाधि प्रदान की। 43 वर्षीय एंडरसन को यह उपाधि क्रिकेट के प्रति उत्कृष्ट योगदान के लिए दी गई है। एंडरसन ने जुलाई 2024 में लॉर्ड्स में अपने 21 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कहा था। उन्होंने 188 टेस्ट मैचों में 704 विकेट झटके – जो किसी भी तेज गेंदबाज द्वारा सर्वाधिक हैं। उनसे आगे सिर्फ दो स्पिनर– मुथैया मुरलीधरन (800) और शेन वॉर्न (708) हैं। टेस्ट के अलावा एंडरसन ने वनडे अंतरराष्ट्रीय मैचों में 269 विकेट लिए, जो अब तक इंग्लैंड के लिए एक रिकॉर्ड है, भले ही उन्होंने अपना आखिरी वनडे 2015 में खेला था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद भी एंडरसन ने 2024 सीज़न में अपने काउंटी क्लब लंकाशायर के लिए खेलना जारी रखा। उन्होंने लगभग 10 साल बाद टी20 क्रिकेट में वापसी करते हुए अपनी टीम को एजबेस्टन में आयोजित फाइनल्स डे तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इसके साथ ही उन्हें द हंड्रेड लीग में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स टीम के लिए वाइल्डकार्ड कॉन्ट्रैक्ट भी मिला। बताया जा रहा है कि एंडरसन 2025 सीज़न में भी काउंटी क्रिकेट खेलने के लिए बातचीत कर रहे हैं।

कनाडियन ओपन 2025: अनाहत सिंह ने विश्व नंबर-7 टिन्ने गिलिस को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

टोरंटो (कनाडा)। भारत की उभरती स्क्वैश स्टार अनाहत सिंह ने कनाडियन ओपन 2025 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बड़ा उलटफेर कर दिया है। दिल्ली की 17 वर्षीय अनाहत ने मौजूदा चैंपियन और विश्व नंबर-7 टिन्ने गिलिस को सीधे गेमों में हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन अनाहत ने इससे पहले क्वार्टरफाइनल में विश्व नंबर-20 मेलिसा एल्वेस (फ्रांस) को हराकर चौंकाया था। यह अनाहत के करियर की पहली टॉप-10 खिलाड़ी पर जीत है। उन्होंने यह मुकाबला 12-10, 11-9, 11-9 से अपने नाम किया। अब सेमीफाइनल में उनका सामना इंग्लैंड की जॉर्जिना केनेडी से होगा। मुकाबले के बाद अनाहत ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, मैं इस हफ्ते अपने खेल से बहुत खुश हूं। आज सुबह कोचों से बात हुई थी, उन्होंने कहा कि अगर मैं कल की तरह खेलूं तो किसी को भी हरा सकती हूं। और वही हुआ।

उन्होंने आगे कहा, इस टूर्नामेंट से पहले मैंने नहीं सोचा था कि मैं

यहां तक पहुंचूंगी। पिछले हफ्ते मेरा प्रदर्शन अच्छा नहीं था, लेकिन यूएस ओपन के दौरान ग्रेग (गॉल्टियर) के साथ चार दिन ट्रेनिंग की। मुझे पता था कि अगर मेहनत और फोकस बनाए रखूं तो मौका जरूर मिलेगा – और आज वही हुआ। अनाहत ने पिछले सीजन (2024-25) में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए पीएसए अवॉर्ड्स में दो सम्मान वुमेंस चैलेंजर प्लेयर ऑफ द सीजन और वुमेंस यंग प्लेयर ऑफ द सीजन (मिस्र की अमीना ऑरफी के साथ साझा) जीते थे। कनाडियन वुमेंस ओपन के सेमीफाइनल मुकाबले 30 अक्टूबर (भारतीय समयानुसार) को खेले जाएंगे। मुकाबले सुबह 3:00 बजे से शुरू होंगे, जबकि अनाहत का मैच 4:30 बजे से खेला जाएगा।

मानुष शाह-दिया चितले ने रचा इतिहास, डब्ल्यूटीटी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने वाली बनी पहली भारतीय जोड़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मानुष शाह और दिया चितले की जोड़ी ने पहली बार डब्ल्यूटीटी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई कर इतिहास रच दिया है। नवीनतम डब्ल्यूटीटी सीरीज़ फाइनल्स रेस रैंकिंग के अनुसार शाह-चितले की जोड़ी इस साल के अंत में होने वाले हांगकांग (चीन) में निर्धारित टूर्नामेंट (10 से 14 दिसंबर) के लिए जगह पक्की करने वाली पांचवीं मिश्रित युगल टीम बन गई डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर मस्कट (17 से 22 नवंबर) के बाद की फाइनल रेस रैंकिंग से सात सर्वश्रेष्ठ जोड़ियां सीधे क्वालीफाई करेंगी, जबकि आठवां स्थान मेज़बान देश के वाइल्डकार्ड जोड़ी को मिलेगा। विश्व टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) की नवीनतम रैंकिंग में भारतीय जोड़ी आठवें स्थान पर है। इस सीज़न में उन्होंने कई शानदार प्रदर्शन किए हैं। अप्रैल में हुए डब्ल्यूटीटी कंटेंडर ट्यूनिस में उन्होंने जापान की मिवा हारिमोटो और सोरा मात्सुशिमा को फाइनल में हराकर खिताब जीता – जो उनका सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय खिताब रहा। इसके बाद जुलाई में हुए यूएस स्मैश में उन्होंने जापान की सत्सुकी ओडो और कोरिया के ओह जुनसंग को मात दी, वहीं डब्ल्यूटीटी कंटेंडर ब्यूनस आयर्स में उन्होंने सत्सुकी ओडो और जापान के ही हीरोतो शिनोजुका को हराकर प्रभावशाली जीत दर्ज की। गौरतलब है कि डब्ल्यूटीटी फाइनल्स की शुरुआत वर्ष 2021 में हुई थी। इस वर्ष भी प्रतियोगिता में पुरुष और महिला एकल वर्ग में 16-16 खिलाड़ी भाग लेंगे। कुल 13 लाख अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि वाली इस प्रतियोगिता में इस बार पुरुष और महिला युगल की जगह मिश्रित युगल इवेंट को शामिल किया गया है। मिश्रित युगल वर्ग में दो ग्रुप (प्रत्येक में चार जोड़ियां) बनाए जाएंगे। ग्रुप चरण के बाद सेमीफाइनल खेले जाएंगे और सभी मुकाबले बेस्ट ऑफ फाइव (5 गेम्स) प्रारूप में होंगे। इस ऐतिहासिक अवसर पर दिया चितले ने एक बयान में कहा, फाइनल्स जैसे बड़े टूर्नामेंट में खेलना अपने आप में बहुत बड़ा सम्मान है, और उससे भी बड़ा गर्व है कि हम पहले भारतीय हैं जिन्होंने यह उपलब्धि हासिल की।

आईसीसी वनडे रैंकिंग में पहली बार नंबर 1 बने रोहित शर्मा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के सलामी बल्लेबाज़ व पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर पहली बार आईसीसी वनडे बल्लेबाज़ी रैंकिंग में नंबर 1 स्थान हासिल किया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज़ में रोहित के बल्ले से शानदार रन निकले, जिससे वे रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गए।

एडिलेड में खेले गए दूसरे वनडे में 73 रन की पारी खेलने के बाद सिडनी में उन्होंने नाबाद 121 रन की मैच विजेता पारी खेली और प्लेयर ऑफ द सीरीज़ का ख़िताब भी जीता। इस प्रदर्शन से रोहित ने 781 रेटिंग अंक प्राप्त किए, जो अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान (764 अंक) से 17 अधिक हैं।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल (745 अंक) अब तीसरे स्थान पर हैं। रोहित का इससे पहले सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग दूसरा स्थान था, जो उन्होंने जुलाई 2018 में हासिल किया था। इस बीच इब्राहिम जादरान अफगानिस्तान के पहले ऐसे बल्लेबाज़ बने, जिन्होंने कुछ समय के लिए वनडे बल्लेबाज़ी रैंकिंग में शीर्ष स्थान प्राप्त किया था

– यह तब हुआ जब गिल उनसे नीचे खिसके और रोहित ने अभी शीर्ष पर छलांग नहीं लगाई थी। भारत के उप-कप्तान श्रेयस अय्यर, जिन्होंने दूसरे मैच में 61 रन बनाए थे, एक स्थान ऊपर बढ़कर नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

गेंदबाज़ों में भी कई खिलाड़ियों की रैंकिंग में सुधार देखा गया। ऑस्ट्रेलिया के तेज़ गेंदबाज़ जोश हेज़लवुड दो स्थान ऊपर उठकर आठवें स्थान पर आ गए हैं, वहीं एडम ज़म्पा दो स्थान बढ़कर 12वें स्थान पर पहुंचे। भारत के अक्षर पटेल छह स्थान चढ़कर 31वें, जबकि वॉशिंगटन सुंदर 22 स्थान की बड़ी छलांग लगाकर 73वें स्थान पर पहुंच गए हैं। अन्य परिवर्तनों में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रुक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में 135 रन (101 गेंदों) की शानदार पारी खेलकर 23 स्थान की छलांग लगाई और अब वे 25वें स्थान पर हैं। टेस्ट रैंकिंग में भी बदलाव देखने को मिला। पाकिस्तान के सऊद शकील एक स्थान बढ़कर 12वें, जबकि कप्तान शान मसूद पांच स्थान चढ़कर 42वें स्थान पर पहुंच गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के टोनी डी ज़ोरज़ी सात स्थान बढ़कर 47वें पर हैं। गेंदबाज़ों में, दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज ने पाकिस्तान के खिलाफ रावलपिंडी टेस्ट में नौ विकेट लेकर नौ स्थान की छलांग लगाई और अब वे 13वें स्थान पर हैं। साइमन हार्मर ने दूसरी पारी में 6/50 के प्रदर्शन से 26 स्थान की बड़ी छलांग लगाकर 45वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

हेंड्रिक्स और बॉश के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने पहले टी 20 में पाकिस्तान को 55 रनों से हराया

एजेंसी

रावलपिंडी। ओपनर रीजा हेंड्रिक्स (60 रन, 40 गेंद) और तेज गेंदबाज कॉर्बिन बॉश (4 विकेट, 14 रन) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार देर रात पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में पाकिस्तान को 55 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी की टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 194 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 139 रन पर ऑल आउट हो गई। हेंड्रिक्स ने क्विंटन डी कॉक (23 रन, 13 गेंद) के साथ तेज शुरुआत दिलाई। इसके बाद डेब्यू मैच खेल रहे टोनी डी जोर्जी ने 16 गेंदों पर 33 रन और ऑलराउंडर जॉर्ज लिंडे ने 22 गेंदों में 36 रन जोड़े। पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद नवाज ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 3 विकेट पर 26 रन दिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तानी टीम की शुरुआत खराब रही। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज सैम अय्यूब ने 28 गेंदों पर 37 रन बनाए, लेकिन अन्य बल्लेबाज लय नहीं पकड़ सके। कप्तान बाबर आज़म, जो पिछले साल दिसंबर के बाद पहला टी20 मैच खेल रहे थे, दो गेंदों पर शून्य पर आउट हो गए – उन्होंने बॉश की गेंद पर हेंड्रिक्स को कैच थमाया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से लिंडे ने भी गेंदबाजी में योगदान दिया और 4 ओवर में 31 रन देकर 3 विकेट झटके। सीरीज का दूसरा मैच शुक्रवार को लाहौर में खेला जाएगा, जबकि तीसरा और अंतिम मुकाबला शनिवार को वहीं पर होगा।

पैट कमिंस की नेट्स में वापसी, एशेज में कमबैक की उम्मीदें बढ़ीं

एजेंसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट कप्तान पैट कमिंस को नेट्स में गेंदबाजी करते हुए देखा गया है, जिससे इस साल की एशेज सीरीज में उनकी वापसी की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

स्काई न्यूज ऑस्ट्रेलिया की रिपोर्ट के मुताबिक 32 वर्षीय तेज गेंदबाज कमिंस नेट्स में अपनी फिटनेस हासिल करने के लिए लगातार मेहनत कर रहे हैं। कमिंस को कमर में बोन स्ट्रेस इंजरी के कारण पहले एशेज टेस्ट से बाहर कर दिया गया है, जो 21 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पुष्टि की है कि इस मुकाबले में स्टीव स्मिथ टीम की कप्तानी करेंगे। स्मिथ का बतौर स्टैंड-इन कप्तान रिकॉर्ड अब तक शानदार रहा है। उन्होंने कप्तान रहते

हुए पांच मुकाबले जीते हैं और एक ड्रॉ रहा है। पर्थ टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम की घोषणा अगले हफ्ते होने की उम्मीद है। कमिंस की ब्रिसबेन में होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्धता उनके चार हफ्तों के गेंदबाजी कार्यक्रम के नतीजों पर निर्भर करेगी, जिसमें उनकी फिटनेस की परीक्षा ली जाएगी।

एशेज में इंग्लैंड के खिलाफ कमिंस हमेशा एक बड़ी चुनौती रहे हैं। उन्होंने पिछली चार एशेज सीरीज में कुल 91 विकेट झटके हैं और 2017-18, 2019 तथा 2021-22 सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे।

गौरतलब है कि 2011 में बतौर युवा खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत करने वाले कमिंस को शुरुआती दौर में लगातार पीठ की चोटों से जूझना पड़ा, जिसके कारण वह पांच साल तक टेस्ट क्रिकेट से दूर रहे। उन्होंने 2017 में शानदार वापसी करते हुए खुद को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में शामिल कर लिया।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले तीन टी20 मैचों से बाहर हुए नीतीश रेड्डी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की टी-20 सीरीज के पहले तीन मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेटर कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को एक बयान में कहा कि रेड्डी अभी पूरी तरह फिट नहीं हैं और उनकी स्थिति पर मेडिकल टीम करीबी नजर रखे हुए है। दरअसल, नीतीश को एडिलेड में खेले गए दूसरे वनडे के दौरान बाएं जांघ (क्वाड्रिसेप्स) में चोट लगी थी। इसके बाद वह रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे थे, लेकिन हाल ही में उन्हें गर्दन में खिंचाव (नेक स्पैज्म) की शिकायत हुई, जिसने उनकी रिकवरी और मूवमेंट पर असर डाला है। इस वजह से टीम मैनेजमेंट ने उन्हें आराम देने का फैसला लिया है।

बीसीसीआई के अनुसार, उनकी फिटनेस पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और उनकी वापसी को लेकर फैसला बाद में किया जाएगा।

रेड्डी ने हाल के महीनों में अपनी ऑलराउंड क्षमताओं से प्रभावित किया है, खासकर आईपीएल और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर। उनकी गैरमौजूदगी में टीम इंडिया को मिडल ऑर्डर और गेंदबाजी दोनों में संतुलन साधने की चुनौती रहेगी। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो वे सीरीज के आखिरी दो टी20 मैचों में वापसी कर सकते हैं।

मुकर्रम ने शिवपुर क्लब वाराणसी को दिलाई जीत

एजेंसी

प्रयागराज। मोहम्मद मुकर्रम रजा के हरफनमौला खेल (92 रन, 35 गेंद, छह चौके, 10 छक्के एवं 5.2-1-30-5) के दम पर शिवपुर क्लब वाराणसी ने शुआट्स क्लब प्रयागराज को 161 रन से हराकर सैयद असद कासिम स्मृति अंडर-16 राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में पूरे अंक प्राप्त किये। एक अन्य मुकाबले में गोपाल दास क्लब ने हरिनाथ सिंह क्लब वाराणसी को पांच विकेट से हराया। मजीदिया इस्लामिया कॉलेज मैदान पर मंगलवार को खेले गए मैच में शिवपुर क्लब ने 30 ओवर में 9 विकेट पर 262 रन (मुकर्रम रजा 92, मोहम्मद अहमद 42, शिवम यादव 27, उत्कर्ष 21, समीर 3/62, अली 2/22, नादिर सफीर खान 2/24) बनाए। जवाब में शुआट्स क्लब की टीम 13.2 ओवर में 101 रन (शिवांश जायसवाल 39, सक्षम वर्मा 18, मुकर्रम रजा 5/30, रोहित पटेल 1/04, प्रवीण 1/27) पर सिमट गई। मुकर्रम रजा को यादगार हुसैनी इंटर कॉलेज के प्रबंधक गौहर काजमी ने मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया। मैच में शिशिर मेहरोत्रा व राहुल सिंह अम्पायर एवं अनूप कुमार शर्मा व आशीष भारतीय स्कोरर रहे।दौलत हुसैन मैदान पर टॉस हारकर पहले खेलते हुए हरिनाथ सिंह क्लब ने 25 ओवर में 124 रन (अथर्व शुक्ला 63, आदित्य सिंह 16, आर्यन श्रीवास्तव 4/28, विकास सिंह 3/04, पीयूष मौर्य अमन खान व कृष्ण यादव एक-एक विकेट) बनाए। जवाब में गोपाल दास क्लब ने 25.4 ओवर में पांच विकेट पर 127 रन (अंकुश पांडेय 44 नाबाद, विकास सिंह 28, आशीष पाल 2/13, युवराज सिंह 2/23) बना लिए।

न्यूजीलैंड ने 17 साल बाद घरेलू मैदान पर सीरीज़ जीती, दूसरे वनडे में इंग्लैंड को 5 विकेट से हराया

एजेंसी

सेडन पार्क (हैमिल्टन)। इंग्लैंड की कमजोर बल्लेबाज़ी एक बार फिर टीम के लिए भारी पड़ी। तीन मैचों की वनडे सीरीज़ के दूसरे मुकाबले में बुधवार को न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को 5 विकेट से हराकर सीरीज़ 2-0 से अपने नाम कर ली।

वर्ष 2008 के बाद यह पहली बार है जब न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को घरेलू मैदान पर वनडे सीरीज़ में पराजित किया। दोनों टीमों के बीच तीसरा और आखिरी। वनडे 1 नवंबर को खेला जाएगा। इंग्लैंड की टीम पहले बल्लेबाज़ी करते हुए मात्र 175 रन पर ढेर हो गई, जिसके जवाब में न्यूजीलैंड ने डैरिल मिशेल (56), रचिन रवींद्र (54) और मिचेल सैंटनर (34) की शानदार पारियों की बदौलत लक्ष्य को सिर्फ 33.1 ओवर में हासिल कर लिया। यह 2008 के बाद न्यूजीलैंड की इंग्लैंड पर घरेलू मैदान पर पहली वनडे सीरीज़ जीत है। इंग्लैंड पहले बल्लेबाज़ी करते हुए मात्र 175 रन पर ऑलआउट हो गई। न्यूजीलैंड के सभी छह गेंदबाज़ों ने विकेट चटकाए, जबकि ब्लेयर टिकनर ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए 4 विकेट अपने नाम किए। नाथन स्मिथ ने 2 विकेट लिए। इंग्लैंड की ओर से जेमी ओवरटन (42) और हैरी ब्रूक (34) ही कुछ देर टिक सके। कप्तान जोस बटलर और जो रूट सस्ते में लौट गए।

बारिश के बाद जब मैच शुरू

हुआ तो शुरुआत से ही इंग्लैंड की हालत पतली दिखी। तीसरे ओवर में जैकब डफी ने बेन डकेट को पवेलियन भेजा और जल्द ही फॉल्क्स ने दूसरे ओपनर जेमी स्मिथ को चलता किया। टिकनर ने जो रूट को आउट कर इंग्लैंड को तीसरा झटका दिया। इसके बाद लगातार विकेट गिरते रहे और टीम 36 ओवरों में 175 पर सिमट गई।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड टीम की शुरुआत भी लड़खड़ाई, जब जॉफ्रा आर्चर ने पहली ही ओवर में विल यंग को आउट किया, लेकिन इसके बाद रचिन रवींद्र (54) और डैरिल मिशेल (56 नाबाद) ने पारी को संभाला। रवींद्र ने 54 रन की शानदार पारी खेली, जबकि मिशेल ने लगातार दूसरी फिफ्टी जड़ी।

इंग्लैंड की ओर से आर्चर ने बेहतरीन गेंदबाज़ी की और 3 विकेट (3/23) झटके, लेकिन उनका प्रयास टीम को जीत नहीं दिला सका। अंत में मिचेल सैंटनर (34 नाबाद, 17 गेंदों में) ने ताबड़तोड़ बल्लेबाज़ी करते हुए मैच को 33.1 ओवर में ही खत्म कर दिया। ब्लेयर टिकनर को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

संक्षिप्त स्कोरकार्ड:

इंग्लैंड - 175/10 (36 ओवर, जेमी ओवरटन 42, हैरी ब्रूक 34; ब्लेयर टिकनर 4/34, नाथन स्मिथ 2/27)

न्यूजीलैंड - 177/5 (33.1 ओवर, डैरिल मिशेल 56*, रचिन रवींद्र 54, मिचेल सैंटनर 34*; जॉफ्रा आर्चर 3/23)।

परिणाम: न्यूजीलैंड ने 5 विकेट से जीत दर्ज कर सीरीज़ 2-0 से अपने नाम की।

मजबूत वित्तीय प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए साइबर जागरूकता महत्वपूर्ण: नागराजू

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्रालय में वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम नागराजू ने मजबूत वित्तीय प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए लोगों में साइबर सुरक्षा के प्रति सजगता को महत्वपूर्ण बताया है। श्री नागराजू वित्तीय सेवा विभाग द्वारा साइबर जागरूकता पर आयोजित एक कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। यह कार्यक्रम मास्टरकार्ड इंडिया के सहयोग से राजधानी में आयोजित किया गया था। श्री नागराजू ने इस अवसर पर साइबर जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने साइबर सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान में लोगों की सहज भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए एक कॉमिक किट भी जारी किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह के अंतर्गत एक साइबर जागरूकता क्षमता निर्माण कार्यशाला का भी आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में वित्तीय सेवा विभाग, मास्टरकार्ड के वरिष्ठ अधिकारियों और साइबरपीस फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि वित्तीय सेवा विभाग के सचिव ने एक सुदृढ़ वित्तीय प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण हेतु साइबर शिक्षा और क्षमता निर्माण के महत्व का उल्लेख किया। कार्यशाला में 150 से अधिक हितधारकों, महिला उद्यमियों, युवा छात्रों और लघु व्यवसायों ने भाग लिया।

अगले साल 31 मार्च तक पूरे देश में मोबाइल नंबर के साथ कॉलर का नाम डिस्प्ले करने की व्यवस्था शुरू होगी

नई दिल्ली। मोबाइल फोन या फिक्स्ड लाइन के डिस्प्ले पर कॉल करने वाले के नंबर के साथ अब उसका नाम भी दिखेगा और चरणबद्ध तरीके से 31 मार्च 2026 तक यह व्यवस्था पूरे देश में लागू हो जायेगी। सरकार के निर्देश पर इसका पायलट परीक्षण पूरा हो चुका है। वोडाफोन आइडिया ने हरियाणा सर्किल में पायलट पूरा किया है। दूरसंचार सचिव नीरज मित्तल ने यहां एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं को बताया कि इस साल दिसंबर तक इस पर आगे काम शुरू हो जायेगा और अगले साल 31 मार्च तक यह व्यवस्था पूरे देश में लागू हो जायेगी। उन्होंने बताया कि वोडाफोन आइडिया ने हरियाणा सर्किल में पंजीकृत नंबर से हरियाणा सर्किल के ही नंबर पर किये गये कॉल के लिए यह परीक्षण सफलता पूर्वक पूरा किया है। अब रिलायंस जियो हरियाणा से पूरे देश में कहीं भी की गयी कॉल के लिए यह व्यवस्था शुरू करने जा रही है। बाद में इसका विस्तार सभी ऑपरेटरों के लिए पूरे देश में किया जायेगा। फिर देश में पंजीकृत किसी भी नंबर से देश के भीतर किसी भी नंबर पर कॉल करने पर नंबर के साथ कॉलर का नाम भी आयेगा। यह पूछे जाने पर कि यदि एक ही परिवार के अलग-अलग लोग एक ही सदस्य के नाम पर लिये गये नंबर इस्तेमाल करते हों तो उसके लिए किस तरह इसे लागू किया जायेगा।

नागपुर के 3 सहकारी बैंकों में 1500 करोड़ का बड़ा फर्जीवाड़ा उजागर; 22 हजार खाते रडार पर, आयकर विभाग की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली। आयकर विभाग की इंटेलिजेंस एंड क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन (आईएंडसीआई) विंग ने एक बड़ी कार्रवाई में 3 सहकारी बैंकों में लगभग 1,500 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेने-देन को उजागर किया है। यह बड़ा फर्जीवाड़ा 22,550 से अधिक खातों के जरिए किया गया है। इन तीन बैंकों में से दो बैंक नागपुर में स्थित हैं। विभाग का अनुमान है कि इन सहकारी बैंकों के माध्यम से करोड़ों रुपये के नकद जमा किए जा रहे थे, जिनका खुलासा बैंकों ने अपनी स्टेटमेंट ऑफ फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन्स (एसएफटी) रिपोर्ट में नहीं किया था। जांच में यह सामने आया है कि बैंकों ने सबसे अधिक जानकारी 'वर्ष में 2 लाख से अधिक का ब्याज देने' से संबंधित मामलों में छिपाई थी। इन तीन बैंकों में ही ब्याज से जुड़े 20,000 से अधिक मामले पाए गए हैं, जिनमें कई बार करोड़ों रुपये से अधिक का ब्याज भुगतान किया गया था, लेकिन बैंक ने उसकी जानकारी आयकर विभाग को नहीं दी। इसके अलावा, 50 लाख से अधिक की निकासी और जमा के भी 400 मामले सामने आए हैं। यह पैसा उन लोगों के खातों में जमा था, जिन्होंने इसे अपने टैक्स रिटर्न में नहीं दिखाया था। जांच में पता चला कि बैंकों द्वारा एसएफटी फॉर्म के तहत 50 लाख से ऊपर की जमा-निकासी (करंट अकाउंट में) और 10 लाख से अधिक जमा-निकासी (सेविंग अकाउंट में) की जानकारी देना जरूरी है।

काली मिर्च की वैश्विक साझेदारी और नवाचार को मज़बूत करने के लिए कोच्चि में एकत्र हुये उद्योग से जुड़े लोग

कोच्चि। वैश्विक काली मिर्च उद्योग, अंतर्राष्ट्रीय काली मिर्च समुदाय (आईपीसी) के 53वें वार्षिक सत्र और बैठकों तथा अंतर्राष्ट्रीय मसाला प्रदर्शनी के लिए कोच्चि में एकत्रित हुआ है। यह मसाला व्यापार में वैश्विक साझेदारी को गहरा करने और क्षेत्रीय सहयोग को मज़बूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह आयोजन उत्पादक देशों में नवाचार, स्थिरता और समान विकास को बढ़ावा देने की सामूहिक प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। भारत सरकार द्वारा आयोजित और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारतीय मसाला बोर्ड और अंतर्राष्ट्रीय काली मिर्च समुदाय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, यह दो दिवसीय सम्मेलन 'काली मिर्च व्यापार को पुनर्जीवित करना: नवाचार, समानता और क्षेत्रीय लचीलापन' विषय पर आयोजित किया जा रहा है।

भारत-रूस मिलकर बनाएंगे नागरिक यात्री विमान एसजे-100, एचएएल से समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और रूस की यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन (यूएसी) ने नागरिक यात्री विमान एसजे-100 का उत्पादन करने के लिए समझौता किया है। भारत में बनने वाला यह विमान छोटी दूरी की कनेक्टिविटी के लिए बड़ा क्रांतिकारी बदलाव साबित होगा। इस समझौते के तहत एचएएल के पास घरेलू ग्राहकों के लिए एसजे-100 विमान बनाने का अधिकार होगा। एचएएल के मुताबिक एसजे-100 एक दोहरे इंजन वाला संकीर्ण शरीर वाला विमान है। अब तक 200 से ज्यादा विमानों का उत्पादन किया जा चुका है और 16 से ज्यादा वाणिज्यिक एयरलाइन ऑपरेटर इसका इनका संचालन कर रहे हैं। एचएएल और रूसी कंपनी ने 27 अक्टूबर को मॉस्को में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। एचएएल

की ओर से प्रभात रंजन और यूएसी की ओर से ओलेग बोगोमोलोव ने एचएएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. डीके सुनील और यूएसी के महानिदेशक वादिम बडेखा की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। एचएएल के अध्यक्ष ने कहा कि एचएएल और यूएसी के बीच यह सहयोग दोनों संगठनों के बीच आपसी विश्वास का परिणाम है। यह पहला ऐसा उदाहरण भी होगा, जिसमें भारत में एक पूर्ण यात्री विमान का उत्पादन किया जाएगा। इस तरह की पिछली परियोजना में एचएएल ने एवरो एचएस-748 का उत्पादन किया था, जो 1961 में शुरू हुई थी और 1988 में समाप्त हुई थी। अनुमान है कि अगले 10 वर्षों में भारतीय विमानन क्षेत्र को क्षेत्रीय संपर्क के लिए इस श्रेणी के 200 से अधिक जेट विमानों और हिंद महासागर क्षेत्र में आस-पास के अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थलों की सेवा के लिए अतिरिक्त 350 विमानों की आवश्यकता होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि बेंगलुरु स्थित सार्वजनिक उपक्रम में एसजे-100 विमान का निर्माण भारतीय विमानन उद्योग के इतिहास में एक नए अध्याय की शुरुआत है। यह नागरिक उड्डयन क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में एक कदम है। एसजे-100 एवरो युग के बाद से देश में निर्मित पहला पूर्ण यात्री विमान होगा। इस निर्माण से निजी क्षेत्र को भी मजबूती मिलेगी और विमानन उद्योग में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने और चांदी के भाव में गिरावट लगातार जारी है। आज के कारोबार में सोना 2,250 रुपये से लेकर 2,460 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,20,810 रुपये से लेकर 1,20,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,10,740 रुपये से लेकर 1,10,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,50,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,20,960 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,10,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,20,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,10,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,20,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,10,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,20,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,10,740 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,20,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,10,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लाल चंदन की खेती करने वाले तमिलनाडु के किसानों को एनबीए ने जारी किए 55 लाख रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए) ने राज्य जैव विविधता बोर्ड के माध्यम से तमिलनाडु में लाल चंदन (प्टेरोकार्पस सैंटालिनस) के 18 किसानों/कृषकों को 55 लाख रुपये जारी किए हैं। ये किसान तिरुवल्लूर जिले के कन्नभिरन नगर, कोथुर, वेम्बेडु, सिरुनीयुम, गूनीपलायम, अम्माम्बक्कम, अलीकुझी और थिम्माबूपोला पुरम नामक 8 गांवों के निवासी हैं। एनबीए ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि यह अनुदान पहले आंध्र प्रदेश वन विभाग, कर्नाटक वन विभाग और आंध्र प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड को लाल चंदन की सुरक्षा और संवर्धन हेतु जारी किए गए 48.00 करोड़ रुपये के एबीएस अंशदान के अतिरिक्त है। एनबीए ने साल 2015 में लाल चंदन पर विशेषज्ञ समिति गठित की थी जिसकी सिफारिश पर किसानों को 55 लाख रुपये जारी किए गए हैं।

समिति ने 'लाल चंदन के उपयोग से उत्पन्न संरक्षण, सतत उपयोग और उचित एवं न्याय संगत लाभ बंटवारे की नीति% शीर्षक से व्यापक रिपोर्ट तैयार की। समिति की सिफारिशों का एक प्रमुख परिणाम विदेश व्यापार

महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा 2019 में नीतिगत छूट देना था, जिससे खेती वाले स्रोतों से लाल चंदन के निर्यात की अनुमति मिल गई। यह कृषि-आधारित संरक्षण और व्यापार को एक महत्वपूर्ण बढ़ावा है। लाल चंदन पूर्वी घाटों की स्थानिक प्रजाति है, जो केवल आंध्र प्रदेश में पाई जाती है। इसका पारिस्थितिक, आर्थिक और सांस्कृतिक महत्व है। इसकी खेती आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, ओडिशा और अन्य राज्यों में भी की जाती है। लाल चंदन की खेती को बढ़ावा देने से न केवल किसानों की आजीविका को बढ़ावा मिलता है बल्कि कानूनी रूप से प्राप्त और स्थायी रूप से उगाए गए लाल चंदन के माध्यम से बढ़ती बाजार मांग को पूरा करने में भी मदद मिलती है।

रबी 2025-26 के लिए फॉस्फेटिक एवं पोटाशिक उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी दरों को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उर्वरक विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दी, जिसके तहत रबी सीजन 2025-26 के लिए फॉस्फेटिक और पोटाशिक उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी दरें तय की गई हैं।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को नेशनल मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि रबी 2025-26 के लिए अनुमानित बजटीय आवश्यकता लगभग 37,952.29 करोड़ रुपये होगी, जो खरीफ 2025 की तुलना में लगभग 736 करोड़ रुपये अधिक है। सरकार द्वारा डाई-अमोनियम फोस्फेट (डीएपी) और एनपीकेएस (नाइट्रोजन, फोसफोरस, पोटाश और सल्फर) ग्रेड सहित फोस्फेटिक और पोटाशिक उर्वरकों पर सब्सिडी दी जाएगी। ताकि किसानों को ये उर्वरक सुलभ और किफायती दरों पर उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि इस फैसले से किसानों को सस्ती और उचित कीमतों पर उर्वरक उपलब्धता सुनिश्चित होगी। इसके साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में उर्वरक व कच्चे माल की कीमतों में हालिया रुझानों के अनुरूप सब्सिडी का युक्तिकरण किया गया है। उल्लेखनीय है कि सरकार डीएपी

सहित 28 ग्रेड के फॉस्फेटिक और पोटाशिक उर्वरक किसानों को सब्सिडी दरों पर उपलब्ध करा रही है। इन उर्वरकों पर सब्सिडी एनबीएस योजना (1 अप्रैल 2010 से लागू) के तहत दी जाती है। किसान-हितैषी दृष्टिकोण के तहत सरकार किसानों को सुलभ मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।यूरिया, डीएपी, एमओपी और सल्फर जैसे इनपुट्स के अंतरराष्ट्रीय मूल्यों में हालिया बदलावों को देखते हुए सरकार ने रबी 2025-26 के लिए सब्सिडी दरों को स्वीकृति दी है, जो 1 अक्टूबर 2025 से 31 मार्च 2026 तक लागू रहेंगी। सब्सिडी राशि अनुमोदित और अधिसूचित दरों के अनुसार उर्वरक कंपनियों को दी जाएगी ताकि किसानों को उर्वरक किफायती दरों पर उपलब्ध हो सकें।

भारत और नेपाल के बीच 400 केवी बिजली परियोजनाओं को लेकर समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। नेपाल के ऊर्जा, जल संसाधन और सिंचाई मंत्री कुलमान घिसिंग ने बुधवार को नई दिल्ली में भारत के केंद्रीय विद्युत एवं आवास और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल से भारत-नेपाल के बीच सीमापार बिजली व्यापार, क्षेत्रीय ग्रिड संपर्क और जलविद्युत परियोजनाओं के विकास पर विस्तृत चर्चा की। इसी दौरान दोनों देशों के बीच दो प्रमुख बिजली प्रसारण परियोजनाओं को लेकर समझौते भी किए गए। केंद्रीय विद्युत मंत्रालय के अनुसार, भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की महारत्न कंपनी पावरग्रिड निगम लिमिटेड (पावरग्रिड) और नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) के बीच

संयुक्त उपक्रम और अंशधारक समझौते (जेवी एंड एसएचए) पर हस्ताक्षर किए गए। इन समझौतों के तहत भारत और नेपाल में दो संयुक्त उद्यम कंपनियां स्थापित की जाएंगी, जो इनरुवा (नेपाल)-न्यू पूर्णिया (भारत) तथा लमकी (दोधारा) (नेपाल)-बरेली (भारत) के बीच 400 केवी की उच्च क्षमता वाली सीमापार बिजली परियोजनाओं का निर्माण करेंगी। इन दोनों सीमापार बिजली प्रसारण लिंक परियोजनाओं के पूर्ण होने पर भारत और नेपाल के बीच बिजली क्षमता में वृद्धि होगी। इससे क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा को बल मिलेगा, दोनों देशों के बिजली ग्रिड की मजबूती और लचीलापन बढ़ेगा तथा आर्थिक विकास को नई गति प्राप्त होगी। बैठक के दौरान दोनों मंत्रियों ने ऊर्जा क्षेत्र में चल रहे सहयोग की प्रगति की समीक्षा की और भविष्य की दिशा पर विचार-विमर्श किया।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला गेम चेंजर्स टेक्सफैब का आईपीओ, 30 अक्टूबर तक कर सकते हैं आवेदन

एजेंसी

नई दिल्ली। गेम चेंजर्स टेक्सफैब का 54.84 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 30 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 31 अक्टूबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा। इसके बाद 3 नवंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 4 नवंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 96 रुपये से लेकर 102 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। गेम चेंजर्स टेक्सफैब के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 2 लॉट यानी 2,400 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 2,44,800 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 53,76,000 नए शेयर जारी हो रहे हैं। आईपीओ खुलने से एक कारोबारी दिन पहले 27 अक्टूबर सोमवार को गेम चेंजर्स टेक्सफैब ने एंकर इनवेस्टर्स से 9.13 करोड़ रुपये जुटाए। इन एंकर इनवेस्टर्स में सेंट कैपिटल फंड सबसे बड़ा इनवेस्टर रहा, जिसने कंपनी के 4 करोड़ रुपये से अधिक के शेयर खरीदे। इसके अलावा मेरु इनवेस्टमेंट फंड, वेलोस अपॉर्च्युनिटीज फंड और सीपी कैपिटल लिमिटेड जैसे प्रमुख नाम भी एंकर बुक में शामिल हुए हैं।

भारत-ईयू के बीच एफटीए पर साल के अंत तक हो सकता है समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की ब्रसेल्स यात्रा के दौरान भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर सकारात्मक बातचीत हुई। गोयल ने 26 से 28 अक्तूबर तक यूरोपीय आयोग के व्यापार और आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मरोस शेफचोविच और उनकी टीम से मुलाकात की, जिसमें दोनों पक्षों ने एफटीए से जुड़े बचे हुए मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। दोनों देशों के बीच इस साल के अंत तक समझौता होने की उम्मीद है।केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार, इस बातचीत में दोनों पक्षों ने यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि एफटीए संतुलित, समान और पारदर्शी हो, जो भारत और यूरोपीय संघ के बीच गहरे भरोसे और रणनीतिक साझेदारी को दर्शाए। यह वार्ता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के उस निर्देश के जैसी रही, जिसमें इसी साल फरवरी में नई दिल्ली में हुए 'कॉलेज ऑफ कमिश्नर्स' दौरे के दौरान समझौते को वर्ष के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया था। भारत ने चर्चा के दौरान इस बात पर जोर दिया कि समझौता टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधा, दोनों को समान रूप से संबोधित करे और भविष्य में व्यापार के लिए पारदर्शी व पूर्वानुमेय ढांचा तैयार किया जाए। गैर-टैरिफ उपायों और यूरोपीय संघ के नए नियमों को लेकर भारत की चिंताओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

गोयल ने श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए विशेष रियायत की आवश्यकता पर जोर दिया। दोनों पक्षों ने गैर-संवेदनशील औद्योगिक टैरिफ लाइनों को अंतिम रूप देने पर सहमति जताई, जबकि इस्पात, ऑटो, सीबीएएम (कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म) और अन्य नियामक विषयों पर आगे और विचार-विमर्श करने की बात कही गई। मंत्रालय ने बताया कि चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए यूरोपीय संघ का तकनीकी दल अगले सप्ताह भारत का दौरा करेगा।

खरीफ की प्रमुख फसलों की बेहतर बुवाई हुई, उपज अच्छी होने की उम्मीद: शिवराज

एजेंसी

नई दिल्ली केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खाद सब्सिडी के लिए 38 हजार करोड़ रुपये जारी करने के फैसले पर किसानों की ओर से केंद्र सरकार का आभार जताया है। शिवराज सिंह यहां कृषि भवन में साप्ताहिक समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में बताया गया कि खरीफ-2025 के दौरान फसलों की बुवाई काफी अच्छी हुई है। खरीफ-2025 के लिए धान की बुवाई का कुल आंकड़ा 441.58 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष की अपेक्षा अधिक है। वहीं, तिलहनी फसलों का अखिल भारतीय क्षेत्र 190.13 लाख हेक्टेयर तक दर्ज किया गया, जिसमें सोयाबीन एवं मूंगफली प्रमुख हैं। इसी तरह दालों का क्षेत्र 120.41 लाख हेक्टेयर तक पहुंचा है, जो पोषण सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है, वहीं गन्ने का क्षेत्र 59.07 लाख हेक्टेयर तक रहा हैं, जिससे गन्ना उत्पादक किसान भाइयों-बहनों को सीधा फायदा होगा। देश के कृषि क्षेत्र को इस बार अनुकूल मानसून, पर्याप्त वर्षा, जलाशयों में बेहतर जलसंग्रह के चलते काफी लाभ मिला है। शिवराज सिंह ने देश में कृषि क्षेत्र की प्रगति की साप्ताहिक समीक्षा के दौरान बताया कि प्रमुख जलाशयों में सामान्य या अधिक स्तर पर पानी संग्रहित है, जिससे सिंचाई संबंधी जरूरतें काफी हद तक पूरी हुई हैं व खरीफ की बुवाई समय पर पूरी हो सकी है। यह किसानों के लिए बड़ी राहत की बात रही, क्योंकि लगातार पर्याप्त नमी के कारण बुवाई में तेजी आई, पौधों की वृद्धि भी संतुलित रही हैं। पर्याप्त नमी से रबी बुवाई क्षेत्र में भी वृद्धि होगी।

बैठक में मौजूद कृषि आयुक्त डा. पीके सिंह ने कृषि मंत्री शिवराज सिंह को रिपोर्ट दी कि देशभर में सिंचाई परियोजनाओं एवं जलाशयों के लिए जल उपलब्धता में वृद्धि हुई हैं, जिससे सिंचाई आधारित कृषि क्षेत्रों में कृषि विकास संभव हुआ है। बैठक में बताया गया कि देश में पिछले वर्ष की तुलना में कुल जल संग्रहण की स्थिति बेहतर है, 161 जलाशयों में उपलब्ध संग्रहण 165.58 अरब घन मीटर है, जो गत वर्ष के मुकाबले 104.30 प्रतिशत और पिछले 10 वर्षों के औसत संग्रहण का 115.95 प्रतिशत है।

उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार

एजेंसी

नई दिल्ली। पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक रिकवरी करके हरे निशान में पहुंचने में सफल रहे, लेकिन थोड़ी देर बाद ही बिकवाली शुरू हो जाने के कारण दोनों सूचकांक गिर कर लाल निशान में पहुंच गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.18 प्रतिशत और निफ्टी 0.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, मेटल और मीडिया सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। दूसरी ओर रियल्टी, एफएमसीजी, आईटी और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह ऑयल एंड गैस, फार्मास्यूटिकल, टेक, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, कैपिटल गुड्स और ऑटोमोबाइल इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज मामूली तेजी का रुख बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई।

मप्र कैबिनेट का बड़ा फैसला, खेतों से हाईटेंशन बिजली लाइन निकलने पर किसानों को मिलेगा 200 प्रतिशत मुआवजा

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रिपरिषद की बैठक हुई, जिसमें कई अहम निर्णय लिए गए। मंत्रिपरिषद ने प्रदेश में खेतों के ऊपर से बिछाई जाने वाली हाई टेंशन लाइन में आने वाली निजी जमीन के मालिकों को सरकार ने बड़ी राहत देने का फैसला किया है। निर्णय लिया गया है कि अब किसानों की जितनी जमीन लाइन डालने के बदले अधिग्रहित की जाएगी, उसके बदले में किसानों को कलेक्टर गाइड लाइन पर 200 प्रतिशत भुगतान किया जाएगा। अब तक यह 85 प्रतिशत राशि कलेक्टर गाइड लाइन के आधार पर दी जा रही है। इसके अलावा बैठक में राजधानी भोपाल में सरकारी मकान न छोड़ने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों से 30 प्रतिशत राशि पेनाल्टी के रूप में वसूलने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बैठक के बाद जानकारी देते हुए बताया कि अति उच्च दाब पारेषण 132 केवी और उससे बड़ी लाईन बिछाने के लिए किसानों को दी जाने वाली मुआवजा/क्षतिपूर्ति राशि में वृद्धि करने की स्वीकृति प्रदान की गयी है। स्वीकृति अनुसार टॉवर लगाने पर दी जाने वाली क्षतिपूर्ति राशि को 85 प्रतिशत से बढ़ाकर 200 प्रतिशत किया गया है। साथ ही ट्रान्समिशन लाइन के आरओडब्ल्यू (राइट ऑफ वे) में आने वाली भूमि की क्षतिपूर्ति राशि को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 30 प्रतिशत किया गया है। क्षतिपूर्ण क्षेत्रफल में टॉवर के चार पाए के अलावा सब तरफ 1-1 मीटर की अतिरिक्त वृद्धि की गयी है। भूमि का स्वामित्व किसान का ही रहेगा। टॉवर के बीच में और लाइन के नीचे की फसल किसान ले सकेगा। केवल तार के नीचे की जमीन 132 केवी लाइन में 7 मीटर क्षतिपूर्ण क्षेत्रफल को बढ़ाकर कॉरिडोर अनुसार 28 मीटर किया गया है। उसी तरह 220 केवी लाइन 14 मीटर में वृद्धि कर कॉरिडोर अनुसार 35 मीटर किया गया है। इसके अतिरिक्त 400 केवी लाइन के नीचे की जमीन का क्षतिपूर्ति क्षेत्रफल 52 मीटर निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि मंत्रिपरिषद द्वारा प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) अंतर्गत प्रदेश में पीवीटीजी समूहों यथा भारिया, बैगा एवं सहरिया समुदाय के घरों के विद्युतीकरण के लिए विद्युत वितरण कंपनियों की अतिरिक्त कार्ययोजना द्वितीय चरण का अनुमोदन प्रदान किया गया है। स्वीकृति अनुसार प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान के अंतर्गत अतिरिक्त 18 हजार 338 अविद् युतीकृत पीवीटीजी घरों के विद्युतीकरण के लिए विद्?युत अधोसंरचना विस्तार के लिए लगभग 78 करोड़ 94 लाख रुपये की द्वितीय चरण की कार्ययोजना की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके लिए 60 प्रतिशत राशि 47 करोड़ 36 लाख रुपये केन्द्र शासन से अनुदान प्राप्त होगा व शेष 40 प्रतिशत राशि 31 करोड़ 58 लाख रुपये राज्य शासन द्वारा वितरण कंपनियों को अंशपूंजी के रूप में उपलब्ध कराई जायेगी। विजयवर्गीय ने बताया कि पीएम जनमन अन्तर्गत प्रदेश के 24 जिलों में निवासरत भारिया, बैगा एवं सहरिया समुदाय के अविद्युतीकृत घरों के विद्युतीकरण के लिये बसाहट वार पूर्व स्वीकृत सीमा एक लाख रुपये प्रति हाउसहोल्ड को बढ़ाकर 2 लाख रुपये प्रति हाउसहोल्ड किये जाने की स्वीकृति दी गई। विद्युत कंपनियों द्वारा 2 लाख रूपये प्रति हाउसहोल्ड तक आकलित लागत से विद्युतीकरण किया जायेगा। लागत अधिक होने की स्थिति में ऊर्जा विकास निगम द्वारा एक किलोवाट क्षमता का आफ ग्रिड सोलर पैनल और बैटरी लगाकर विद्युतीकरण किया जायेगा। 211 घरों का विद्युतीकरण आफ ग्रिड प्रणाली से किया जायेगा।

नेपाल में एवरेस्ट बेस कैंप के पास हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, पायलट सुरक्षित

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में सगरमाथा एवरेस्ट बेस कैंप के पास सोलुखुम्बु के लोबुचे में सुबह अल्टिच्यूट एयर का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पायलट सुरक्षित है। सोलुखुम्बु के पुलिस उपाधीक्षक मनोजित कुंवर ने इसकी पुष्टि की। पुलिस उपाधीक्षक कुंवर ने बताया कि हेलीकॉप्टर में केवल पायलट विवेक खड़का सवार थे। वे सुरक्षित हैं। यह हेलीकॉप्टर एक पर्यटक के बचाव के लिए गया था और लैंडिंग के दौरान बर्फ में फिसलने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

अमेरिकी हमलों में 14 कथित ड्रग तस्करों की मौत, एक को बचाया गया

वॉशिंगटन। अमेरिका ने प्रशांत महासागर के पूर्वी क्षेत्र में संदिग्ध ड्रग्स से लदी नौकाओं पर किए गए तीन हवाई हमलों में 14 कथित ड्रग तस्करों को मार गिराया है, जबकि एक व्यक्ति को जीवित बचाया गया। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह अभियान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एंटी-ड्रग मुहिम का हिस्सा बताया जा रहा है। रक्षा मंत्री हेगसेथ ने बताया कि ÷चार नौकाएं हमारी खुफिया एजेंसियों की नजर में थीं, जो ज्ञात नशीले पदार्थों के रास्तों से गुजर रही थीं और अवैध कार्गो ले जा रही थीं।÷ हालांकि उन्होंने इस संबंध में कोई सबूत या विस्तृत जानकारी साझा नहीं की। सोशल मीडिया पर जारी बयान में हेगसेथ ने कहा कि मैक्सिकन अधिकारियों ने अकेले बचे व्यक्ति को खोजने के लिए सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन की जिम्मेदारी संभाली। यह अभियान सोमवार को हुए हमलों के बाद शुरू हुआ। मैक्सिको की नौसेना ने बताया कि यह अभियान अकापुल्को से लगभग 400 मील दक्षिण-पश्चिम में चलाया गया, जिसमें एक विमान और एक नौसैनिक जहाज शामिल थे। हेगसेथ ने सोशल मीडिया पर लगभग 30 सेकेंड का एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें दो नौकाएं एक-दूसरे के करीब दिखाई दे रही हैं और फिर विस्फोट होता है।

हश मनी केस में ट्रंप ने सजा के खिलाफ दायर की अपील, कहा- ट्रायल 'कानूनी रूप से त्रुटिपूर्ण'

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने हश मनी मामले में हुई आपराधिक सजा के खिलाफ अपील दायर की है। ट्रंप के वकीलों ने अदालत में दायर याचिका में दावा किया है कि यह ट्रायल 'कानूनी रूप से गंभीर खामियों से ग्रस्त' था और इसमें ऐसे सबूतों का उपयोग किया गया जो 2024 में सुप्रीम कोर्ट के राष्ट्रपतिय इम्युनिटी संबंधी फैसले के तहत सुरक्षित थे। सोमवार देर रात दाखिल की गई इस अपील में ट्रंप की कानूनी टीम ने मैनहटन के जिला अटॉर्नी एल्विन ब्रैग पर राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित होकर मुकदमा चलाने का आरोप लगाया। वकीलों ने कहा, 'जिला अटॉर्नी ने न्यूयॉर्क कानून का उल्लंघन साबित न होने वाले कथित आचरण को निशाना बनाकर, समय सीमा पार कर चुके छोटे अपराधों को मिलाकर एक कथित 'फेलोनी' तैयार की। यह मामला कभी अदालत तक नहीं पहुंचना चाहिए था, सजा तो दूर की बात है।' यह अपील ट्रंप के दोषी ठहराए जाने के 17 महीने बाद दायर की गई है। जून 2024 में ट्रंप को 34 फेलोनी आरोपों में दोषी पाया गया था, जिनमें व्यवसायिक रिकॉर्ड्स में हेरफेर शामिल था। ये रिकॉर्ड उस भुगतान से जुड़े थे जो ट्रंप ने अपने पूर्व वकील माइकल कोहेन को 130,000 (लगभग 1.08 करोड़) की रकम चुकाने के लिए किए थे। यह रकम एडल्ट फिल्म स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को चुप रहने के लिए दी गई थी, ताकि वह ट्रंप के साथ कथित संबंधों को सार्वजनिक न करें।

आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की वियतनाम और मलेशिया के नेताओं से मुलाकात

कुआलालंपुर। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने कुआलालंपुर में आयोजित 47वें आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान वियतनाम और मलेशिया के नेताओं से द्विपक्षीय मुलाकात की। इन बैठकों में क्षेत्रीय सहयोग, आर्थिक साझेदारी और आपसी संबंधों को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। प्रधानमंत्री वोंग ने वियतनामी समकक्ष फाम मिन्ह चिन्ह से सिंगापुर-वियतनाम वार्षिक नेताओं की दूसरी बैठक के दौरान बातचीत की। दोनों नेताओं ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी (सीएसपी) को लागू करने की कार्ययोजना का शुभारंभ किया, जिसके तहत नवीकरणीय ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और कृषि व्यापार जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा किया जाएगा। प्रधानमंत्री वोंग ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि मार्च 2025 में हमारे संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक अपग्रेड करने के बाद कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, और आने वाले वर्षों में यह साझेदारी और मजबूत होगी। सिंगापुर के विदेश मंत्रालय (एमएफए) के अनुसार, दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को उत्कृष्ट बताया और उच्च स्तरीय यात्राओं, व्यापारिक निवेश और लोगों के बीच गहरे रिश्तों को संबंधों की मजबूती का आधार बताया। उन्होंने क्षेत्रीय और वैश्विक चुनौतियों के बीच सहयोग को और बढ़ाने तथा नए क्षेत्रों में साझेदारी के अवसरों पर चर्चा की।

आतंकी मसूद अजहर ने चली महिलाओं को जिहादी बनाने की चाल, कहा सीधे जन्नत नसीब होगी

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के मुखिया मौलाना मसूद अजहर ने अपनी नई महिला जिहाद ब्रिगेड 'जमात-उल-मोमिनात' के गठन की घोषणा की है। हाल ही में आतंकी मसूद अजहर ने अपनी इस महिला जिहाद ब्रिगेड को एक संदेश भी दिया है। महिला जिहाद ब्रिगेड तैयार करने के लिए आतंकी अजहर महिलाओं को लगातार भड़का रहा है। जिहाद में शामिल होने के लिए वह महिलाओं को जन्नत के ख्वाब भी दिखा रहा है। मसूद अजहर पाकिस्तानी महिलाओं को कह रहा है कि जो महिला जमात-उल-मोमिनात में शामिल होगी, वह सीधे जन्नत में जाएगी। मसूद अजहर का यह करीब 21-मिनट लंबा भाषण है, जो बहावलपुर के मरकज उस्मान-ओ-अली में दिया गया। इसमें अजहर ने विस्तार से बताया कि किस प्रकार महिलाओं को भर्ती कर उन्हें वैचारिक

रूप से प्रशिक्षित किया जाएगा और 'वैश्विक जिहाद' के उसके अभियान में शामिल किया जाएगा। मसूद अजहर के इस भड़काऊ भाषण की रिकॉर्डिंग आईएएनएस के पास उपलब्ध है। इस संदेश के कई मुख्य बिंदु हैं। आतंकी सरगना बताता है कि महिलाओं के लिए विशेष प्रशिक्षण कोर्स 'दौर-ए-तसकिया' शुरू किया गया है, जो पुरुषों के 'दौर-ए-तरबियत' कोर्स के समान है। दूसरे चरण में महिलाओं को 'दौर-ए-आयात-उल-निसा' सिखाया जाएगा, जिसमें इस्लामी ग्रंथों के हवाले से 'महिलाओं का जिहाद में कर्तव्य' बताया जाएगा। उसने कहा कि भारत की महिला सैनिकों और पत्रकारों का मुकाबला करने के लिए वह अपनी महिला इकाई तैयार कर रहा है। जैश-ए-मोहम्मद की योजना पाकिस्तान के हर जिले में जमात-उल-मोमिनात की ब्रांच बनाने की है। प्रत्येक ब्रांच की जिम्मेदारी जिला मुंतजिमा नामक महिला के पास होगी। इसके साथ ही महिलाओं को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे किसी गैर-महम पुरुष से संपर्क नहीं करें। गौरतलब है कि इस संगठन की कमान मसूद अजहर मसूद की बहन सादिया अजहर के पास है। महिला ब्रिगेड में अन्य लोगों की भागीदारी की बात करें तो अन्य नेतृत्व में उसकी बहन सुमैरा अजहर (उम्मे मसूद) और आफीरा फारूक शामिल हैं।

इस्तांबुल में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच वार्ता विफल

एजेंसी

इस्तांबुल। तुर्किये के सांस्कृतिक और आर्थिक केंद्र इस्तांबुल में अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच चल रही बातचीत बेनतीजा रही। पाकिस्तान के संघीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अताउल्लाह तरार ने आज कहा कि इस्तांबुल में इस्लामाबाद और काबुल के बीच ताजा वार्ता कोई व्यावहारिक समाधान निकालने में विफल रही। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अपने नागरिकों को आतंकवाद से बचाने के लिए हर संभव कदम उठाएगा। तरार की इस टिप्पणी पर अफगानिस्तान की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं आई है। इस्लामाबाद से छपने वाले अखबार डान की रिपोर्ट के अनुसार, सीमा पर कई दिनों तक चली लड़ाई और अफगानिस्तान में गुल बहादुर समूह के शिविरों पर इस्लामाबाद के हमलों के बाद सबसे पहले दोनों देशों ने दोहा में वार्ता की। दोहा वार्ता के बीच अस्थायी युद्धविराम पर सहमति बनी। साथ ही दोनों देशों के बीच स्थायी शांति और स्थिरता के लिए तंत्र पर काम करने के लिए तुर्किये के इस्तांबुल में वार्ता करने की घोषणा की गई। पिछले हफ्ते दोनों पक्षों के बीच तुर्किये में दूसरे दौर की वार्ता शुरू हुई। पाकिस्तान के संघीय सूचना एवं प्रसारणमंत्री अताउल्लाह तरार ने आज सुबह एक्स पोस्ट में कहा कि पाकिस्तान ने अफगान तालिबान से सीमा पार के आतंकवाद के संबंध में बार-बार बातचीत की है। अफगान प्रतिनिधियों को बताया गया कि प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े आतंकवादियों को संरक्षण मिल रहा है। बलोचिस्तान के समूहों पर भी चर्चा की गई।

गर्मी और जलवायु परिवर्तन से हर साल तकरीबन 5.5 लाख लोगों की हो रही मौतः रिपोर्ट

एजेंसी

जिनेवा। एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, गर्मी से होने वाली मौतें 1990 के बाद से 63 प्रतिशत बढ़ गई हैं। 2012 से 2021 के बीच हर साल औसतन 5,46,000 लोग गर्मी की वजह से अपनी जान गंवा रहे थे। यह आंकड़ा स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन पर %द लैंसेट% ने जारी किया। रिपोर्ट 128 विशेषज्ञों द्वारा तैयार की गई है, जिन्होंने अलग-अलग देशों और क्षेत्रों में काम किया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि कैसे जलवायु निष्क्रियता के कारण हर साल लाखों लोग मर रहे हैं। इसके साथ ही बाढ़, सूखा और जंगल की आग जैसी प्राकृतिक आपदाएं तेजी से बढ़ रही हैं और दुनिया भर में संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। रिपोर्ट सीओपी 30 सम्मेलन से पहले आई है, जो इस साल नवंबर में ब्राजील में होगा। इसमें 20 मुख्य संकेतकों में से 12 अपने सबसे उच्च स्तर पर पहुंच गए हैं, जिससे पता चलता है कि जलवायु परिवर्तन से सिर्फ जानें ही नहीं जा रही हैं, बल्कि स्वास्थ्य प्रणाली पर भी दबाव बढ़ रहा है और अर्थव्यवस्था को भी नुकसान हो रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर हम समय रहते कदम नहीं उठाते तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के डॉ. जेरेमी फैरर ने कहा, 'जलवायु संकट अब स्वास्थ्य संकट बन गया है। तापमान में हर थोड़ी बढ़ोतरी लोगों की जान और उनकी आजीविका को प्रभावित कर रही है। साफ हवा, स्वस्थ भोजन और मजबूत स्वास्थ्य प्रणाली से लाखों लोगों की जान बचाई जा सकती है और भविष्य की पीढ़ियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सकती है।' रिपोर्ट में बताया गया है कि मानव गतिविधियों की वजह से निकलने वाली ग्रीनहाउस गैसें जलवायु परिवर्तन की मुख्य वजह हैं। 2024 में औसत वार्षिक तापमान पहली बार औद्योगिक युग की तुलना में 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक हो गया। इसका असर सीधे लोगों पर पड़ रहा है। 2024 में एक आम व्यक्ति को औसतन 16 दिन खतरनाक गर्मी का सामना करना पड़ा। बच्चों और बुजुर्गों को इससे ज्यादा, लगभग 20 दिन गर्मी झेलनी पड़ी। यह पिछले 20 सालों के मुकाबले चार गुना ज्यादा है। दुनिया के 64 प्रतिशत हिस्सों में 1961-90 और 2015-24 के बीच भारी बारिश वाले दिनों में बढ़ोतरी हुई। इससे बाढ़ और भूस्खलन जैसी घटनाओं का खतरा बढ़ा। 2024 में 61 प्रतिशत वैश्विक भूमि क्षेत्र में अत्यधिक सूखा पड़ा, जो 1950 के औसत से लगभग तीन गुना ज्यादा है।

ट्रंप ने किम से मुलाकात का दिया प्रस्ताव, उत्तर कोरिया ने क्रूज मिसाइल लॉन्च करके दिया जवाब

एजेंसी

सोल। एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप किम जोंग-उन से मुलाकात करने की बात कर रहे हैं। दूसरी ओर उत्तर कोरिया ने मंगलवार को क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया। विशेषज्ञों ने क्रूज मिसाइल टेस्टिंग को ही उत्तर कोरिया का जवाब बताया। विश्लेषकों का मानना है कि उत्तर कोरिया के क्रूज मिसाइल परीक्षण को अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रस्ताव को ठुकराने के रूप में देखा जा सकता है। बता दें, उत्तर कोरिया की सरकारी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बताया कि उसने मंगलवार को पीले सागर में समुद्र से सतह पर मार करने वाली सामरिक क्रूज मिसाइलों का परीक्षण किया। जहाज आधारित मिसाइल लॉन्च के लिए क्रूज में सुधार किया गया। उत्तर कोरिया ने यह मिसाइल परीक्षण राष्ट्रपति ट्रंप के दक्षिण-पूर्वी शहर ग्योंगजू में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीए) कार्यक्रमों में भाग लेने और दक्षिण कोरिया पहुंचने से कुछ घंटे पहले किया।

अपने एशिया दौरे से पहले और उसके दौरान, राष्ट्रपति ट्रंप ने किम से

मिलने के लिए बार-बार प्रस्ताव दिए। अगर किम और ट्रंप की मुलाकात होती है, तो यह छह साल से ज्यादा समय में उनके बीच पहली मुलाकात होगी। ट्रंप ने उत्तर कोरिया को एक 'परमाणु शक्ति' कहा, जिससे देश के साथ प्रतिबंधों में ढील पर बातचीत की संभावना के कयास लगाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह किम से मुलाकात के लिए अपना एशियाई दौरा बढ़ा सकते हैं।

बुधवार की सुबह तक किम से मुलाकात को लेकर ट्रंप के प्रस्ताव को लेकर उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने चुप्पी साध रखी थी। बता दें, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप बुधवार से गुरुवार तक दक्षिण कोरिया में रहेंगे।

क्यूंगनाम विश्वविद्यालय के सुदूर पूर्वी अध्ययन संस्थान के प्रोफेसर लिम यूल-चुल ने मंगलवार के मिसाइल प्रक्षेपण को किम द्वारा ट्रंप के 'दृढ़ बैठक प्रस्तावों' को अस्वीकार करने की पुष्टि बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि अमेरिका-उत्तर कोरिया बैठक की संभावना कम हो गई है।'

जमैका में कैटेगरी 5 के तूफान मेलिसा का कहर, 300 किमी प्रति घंटे की रफ्तार ने ली 7 की जान

एजेंसी

नई दिल्ली । कैटेगरी-5 के तूफान मेलिसा ने जमैका में दस्तक दी। जमैका में आए मेलिसा को इस सदी का सबसे भयानक और शक्तिशाली तूफान बताया जा रहा है। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया है कि अब तक 7 लोगों की मौत हो गई है। सैफिर-सिम्पसन पैमाने पर श्रेणी 5 का यह तूफान मंगलवार को जमैका के दक्षिण-पश्चिमी तट पर पहुंचा। स्थानीय मीडिया के अनुसार, उत्तरी कैरेबियन में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने मंगलवार को कहा कि इस साल दुनिया में आया सबसे शक्तिशाली उष्णकटिबंधीय चक्रवात, तूफान मेलिसा, जमैका पर इस सदी का सबसे भीषण तूफानी प्रभाव डाल सकता है। डब्ल्यूएमओ ने लगभग 300 किमी/घंटा की तेज रफ्तार वाली जानलेवा हवाओं, विनाशकारी तूफानी लहरों और बारिश की

चेतावनी दी है। डब्ल्यूएमओ एजेंसी ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि जमैका और कैरेबियन में लाखों लोग प्रभावित हो सकते हैं। डब्ल्यूएमओ की उष्णकटिबंधीय चक्रवात विशेषज्ञ ऐनी-क्लेयर फॉन्टन ने संयुक्त राष्ट्र की एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि 1988 में आए तूफान गिल्बर्ट के बाद से जमैका में इतना शक्तिशाली तूफान नहीं आया है। उन्होंने कहा कि मेलिसा क्यूबा, बहामास, हैती और डोमिनिकन गणराज्य को भी प्रभावित करेगा। इसकी वजह से भारी बारिश और तेज हवाएं चलेंगी। फॉन्टन ने आगे कहा कि यह तूफान जमैका में बरसात के महीने में होने वाली सामान्य वर्षा से तीन गुना ज्यादा, संभवतः 700 मिलीमीटर तक लाएगा। अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस के अंग्रेजी और डच भाषी कैरिबियन प्रतिनिधिमंडल के क्षेत्रीय प्रमुख नेसेफोर मघेंडी ने कहा कि लगभग 15 लाख लोग सीधे तौर पर प्रभावित हो सकते हैं और जमैका की पूरी आबादी किसी न किसी तरह से प्रभावित होगी।

बता दें, तटीय समुदाय पहले से ही पिछले तूफानों से तनाव में थे। ऐसे में मघेंडी ने चेतावनी दी कि इस बार की बारिश कई दिनों या हफ्तों तक आवश्यक सेवाओं को बाधित कर सकती है। उन्होंने कहा, ÷मानवीय खतरा गंभीर और तात्कालिक है; महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और विकलांग लोग, खासकर तटीय समुदायों में, विशेष रूप से असुरक्षित हैं। जमैका रेड क्रॉस तूफान मेलिसा की तैयारी में जुट गया था, और पूर्व चेतावनी, निकासी और पहले से मौजूद वस्तुओं के वितरण में मदद कर रहा था। मघेंडी ने कहा कि अधिकारियों ने 800 से ज्यादा आश्रय स्थल तैयार किए थे।

हम तय करेंगे कि आईएइए के निरीक्षक ईरान कब आएंगे-अराघची

एजेंसी

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची ने साफ किया है कि अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएइए) के निरीक्षकों की देश में मौजूदगी ईरान की संसद के कानून तय करेंगे। अराघची ने यह टिप्पणी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा एवं विदेश नीति समिति के सदस्यों के साथ एक बैठक में भाग लेते समय की। बैठक में उनसे पूछा गया था कि आईएइए के निरीक्षकों को ईरान का दौरा करने की अनुमति क्यों दी गई अराघची ने कहा, कानून के तहत, परमाणु स्थलों तक पहुँच की किसी भी माँग को ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए। इसके बाद ही इस बाबत अनुमति देने या ना देने के बारे में फैसला लिया जाता है। उन्होंने बताया कि इस यात्रा में, निरीक्षकों को केवल बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र में ईंधन प्रतिस्थापन प्रक्रिया और तेहरान अनुसंधान परमाणु रिएक्टर का निरीक्षण करने की अनुमति दी गई थी। ईरान द्वारा आईएइए के साथ सहयोग निलंबित करने के बाद से संयुक्त राष्ट्र संस्था ने अपने निरीक्षकों को वहां से हटा लिया था। इस बीच, विदेश मंत्री ने बैठक में यह भी कहा कि उनके मंत्रालय के एजेंडे में अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों को बेअसर करना और उनसे बचना भी शामिल है। उन्होंने दोहराया कि तेहरान 2015 के ईरान परमाणु समझौते से पीछे नहीं हटा है क्योंकि यह समझौता ईरान के यूरेनियम संवर्धन के अधिकार को मान्यता देता है और इस समझौते को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त है। उन्होंने कहा कि इसके कुछ प्रावधान देश हित में हैं। इस समझौते को संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) के रूप में जाना जाता है।

ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में आपराधिक समूह कमांडो वर्मेलो ड्रग कार्टेल के खिलाफ सैन्य और पुलिस अभियान में 64 की मौत

एजेंसी

रियो डी जेनेरियो (ब्राजील)। ब्राजील के प्रमुख शहर रियो डी जेनेरियो में आपराधिक समूह कमांडो वर्मेलो ड्रग कार्टेल के खिलाफ शुरू किए गए अब तक के सबसे बड़े सैन्य और पुलिस अभियान में कम से कम 64 लोग मारे गए। इनमें से 60 अपराधी और चार पुलिस अधिकारी बताए गए हैं। भीषण संघर्ष के बाद गिरोह के 81 खूंखार सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली। ब्राजील से छपने वाले फोल्हा डी एस.पाउलो अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, सेना और पुलिस 69 गिरफ्तारी वारंट की तामील के लिए मंगलवार को रियो डी जेनेरियो के उत्तरी क्षेत्र के अलेमाओ और पेन्हा में घुसी। यहां कमांडो वर्मेलो कार्टेल का आधिपत्य है। अभियान के दौरान संघर्ष की आशंका के मद्देनजर सेना और पुलिस ने सारे इलाके को घेर लिया। यह अभियान लगभग 2500 पुलिस

और सैन्य अधिकारियों के निगरानी में शुरू किया गया। सभी रास्तों को बैरिकेड्स लगाकर बंद कर दिया गया। अपराधियों के गोलीबारी शुरू करने पर ड्रोन से बम गिराए गए। गवर्नर क्लाउडियो कास्त्रो के अनुसार, इस अभियान में कम से कम 60 संदिग्ध और चार पुलिस अधिकारी मारे गए। इस दौरान 31 राइफलें भी ज़ब्त की गई। गिरफ्तार लोगों में आपराधिक समूह का एक सरगना भी है। कास्त्रो ने कहा कि अपराधियों ने अधिकारियों और नागरिकों पर विस्फोटक गिराने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया। राज्य संघीय सरकार के समर्थन के बिना अकेले इन अपराधियों का सामना कर रहा है। गवर्नर ने उच्चतम न्यायालय के उस फैसले की आलोचना भी की, जो इस इलाके में पुलिस कार्रवाई को प्रतिबंधित करता है। उन्होंने कहा कि इस फैसले ने मादक पदार्थों की तस्करी को बढ़ावा दिया है। रियो डी जेनेरियो के लोक अभियोजक कार्यालय के अनुसार, इस इलाके में आपराधिक समूह की मर्जी के बिना पत्ता भी नहीं हिलता। कमांडो वर्मेलो पर डोका के नाम से जाने जाने वाले नेता एडगर अल्वेस डी एंड्रेड और पेड्रो बाला के नाम से जाने जाने वाले पेड्रो पाउलो गुएडेस का नियंत्रण। इसके 67 सदस्य सर्वाधिक खूंखार हैं। इस अभियान के समय सुरक्षा के मद्देनजर स्कूलों को बंद कर दिया गया। द रियो टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, कमांडो वर्मेलो ड्रग कार्टेल के खिलाफ शुरू किए गए इस अभियान के दौरान रियो डी जेनेरियो के उत्तर दिशा की पहाड़ियों की गुफाओं में छुपे अपराधियों को भी पकड़ा गया है। इस अभियान को 'ओपेराकाओ कॉन्टेनकाओ' नाम दिया गया। अलेमाओ और पेन्हा में 1,00,000 से ज्यादा लोग रहते हैं। यहां की दरिद्र बस्तियों में अपराधियों का राज चलता है। इस अभियान की अधिकारियों ने हेलीकॉप्टर से निगरानी की। इलाके को घेरने बख्तरबंद गाड़ियों का प्रयोग किया गया।

पाकिस्तान के लाहौर में पुलिस सब इंस्पेक्टर डकैती के आरोप में गिरफ्तार

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर में एक पुलिस उप निरीक्षक (सब इंस्पेक्टर) को डकैती के जुर्म में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के आला अधिकारियों ने हाल ही में वायरल एक वीडियो क्लिप के आधार पर जांच कराई। जांच में पुष्टि होने पर उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। जुर्म कबूल करने पर गिरफ्तार कर लिया गया।

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, इस उप निरीक्षक पर लाहौर के शाहदरा में डाका डालने का आरोप है। पुलिस सूत्रों ने आरोपित की पहचान उप निरीक्षक अम्मार के रूप में की है। वह न्यू अनारकली थाना के ऑपरेशन विंग में तैनात था। 27 अक्टूबर को सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद उसे हिरासत में लिया गया था। इसमें वह नकाबपोश और हथियारों से लैस होकर शाहदरा के इस्लामिया कॉलोनी में एक स्थानीय व्यापारी के घर डकैतों के साथ दिखाई दे रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में अम्मार को इमरान हैदर के घर से नकदी से भरा एक बैग छीनते हुए दिखाया गया है। जांचकर्ताओं ने कहा कि पीड़ित के घर चौथी बार डाका डाला गया। पीड़ित को कुल नुकसान 17 लाख रुपये से अधिक का हुआ। सबसे हालिया घटना 18 अक्टूबर को हुई। आरोपितों ने बंदूक के दम पर 477,000 रुपये लूट लिए। वायरल क्लिप पर जनाक्रोश के बाद एसपी सिटी ने एक विशेष जांच दल का गठन किया। खुफिया जानकारी और तकनीकी जानकारी के आधार पर टीम ने मस्ती गेट पुलिस की सहायता से बिना किसी प्रतिरोध के अम्मार को गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ के बाद उसे आगे की पूछताछ और साक्ष्य जुटाने के लिए सीसीडी में स्थानांतरित कर दिया गया। उसके मोबाइल फोन, सर्विस हथियार और अन्य साक्ष्यों की फॉरेंसिक जांच चल रही है। उसके फरार साथी आदतन अपराधी हैं।

नेपाल में अंतरिम सरकार गठन, संसद विघटन के खिलाफ सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट ने गठित की संवैधानिक पीठ

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के उच्चतम न्यायालय ने प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार और प्रतिनिधि सभा भंग करने को असंवैधानिक बताने वाली 16 याचिकाओं को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है और इसके लिए पाँच सदस्यीय संविधान पीठ का गठन किया है। प्रधान न्यायाधीश प्रकाशमान सिंह राउत के नेतृत्व में गठित इस पीठ में वरिष्ठ न्यायाधीश सपना प्रधान मल्ल, कुमार रेग्मी, हरि फुयाल और मनोज शर्मा शामिल हैं। सर्वोच्च अदालत के प्रवक्ता अर्जुनप्रसाद कोइराला के अनुसार, प्रधानमंत्री की नियुक्ति, संसद विघटन को रद्द करने और संसद पुनःस्थापना को लेकर दायर याचिकाओं में प्रारंभिक सुनवाई की जाएगी। जेन-ज़ी आंदोलन के बाद पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने श्रीमती सुशीला कार्की को प्रधानमंत्री नियुक्त करने और प्रतिनिधि सभा को भंग करने को असंवैधानिक घोषित करने की मांग करने वाली अधिकांश याचिकाओं को स्वीकार कर लिया है जिनमें राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल द्वारा लिए गए निर्णयों को संशोधित करने की भी मांग की गई है। इन याचिकाओं में सर्वोच्च अदालत के पूर्व न्यायाधीशों का मंत्री बनकर सरकार में शामिल होने को गलत एवं आपत्तिजनक बताने वाली याचिकाएं भी शामिल हैं जिनं पर भी अन्य याचिकाओं के साथ सुनवाई की जाएगी।

हमास पर तिलमिलाए नेतन्याहू, गाजा में आईडीएफ ने बरसाया बम, ट्रंप ने इजरायली हमले का किया समर्थन

एजेंसी

तेलअवीव। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'शांति योजना' के तहत इजरायल और हमास के बीच गाजा में युद्धविराम समझौता हुआ। हालांकि, युद्धविराम समझौता फिलहाल विफल होता नजर आ रहा है। इजरायल ने हमास पर एक सैनिक की हत्या का आरोप लगाया और गाजा में बम बरसा दिया। ताजा इजरायली हमलों में बच्चों समेत कम से कम 42 लोग मारे गए। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सेना को गाजा पट्टी में तत्काल और शक्तिशाली हमले करने का निर्देश दिया है। अमेरिकी अधिकारी ने अमेरिकी मीडिया को बताया कि गाजा में हमले करने के फैसले के बारे में अमेरिका को सूचित कर दिया गया है। इजरायल की ओर से किए गए इस हमले को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि गाजा में युद्धविराम को कुछ भी खतरे में नहीं डालेगा। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अगर उसके सैनिक मारे गए तो इजरायल को जवाबी हमला करना चाहिए। दूसरी ओर, गाजा की हमास द्वारा संचालित नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि इजरायल ने मंगलवार को चल रहे युद्धविराम के बावजूद हवाई हमले किए। वहीं, इजरायली सेना ने हमास पर उसके सैनिकों पर हमला करने और अमेरिका द्वारा मध्यस्थता वाले युद्धविराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था।

ट्रंप ने एयरफोर्स वन पर मीडिया से कहा, ÷उन्होंने एक इजरायली सैनिक को मार डाला। इसलिए इजरायल ने जवाबी हमला किया। और उन्हें जवाबी हमला करना चाहिए। बता दें, इजरायली बंधकों के परिवारों ने सोमवार को मांग की है कि अमेरिका द्वारा मध्यस्थता वाली गाजा शांति योजना के अगले कदमों को तब तक रोक दिया जाए जब तक कि हमास इजरायली बंधकों के शेष शव वापस नहीं कर देता। पीस प्लान के तहत हमास को इजरायली बंधकों और शवों को वापस सौंपना था। हालांकि, हमास के पास अभी भी कई इजरायली बंधकों के शव हैं। बंधकों और लापता परिवारों ने कहा, हमास को ठीक-ठीक पता है कि सभी मृत बंधकों को कहां रखा गया है। सभी 48 बंधकों की वापसी के लिए समझौते में निर्धारित समय सीमा के दो हफ्ते बीत चुके हैं, फिर भी 13 बंधक अभी भी हमास की कैद में हैं। बंधकों के परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाले मुख्य संगठन ने कहा, ÷परिवार इजरायल सरकार, अमेरिकी प्रशासन और मध्यस्थों से आग्रह करते हैं कि जब तक हमास अपने सभी दायित्वों को पूरा नहीं कर लेता और सभी बंधकों को इजरायल को वापस नहीं कर देता, तब तक वे समझौते के अगले चरण पर आगे न बढ़ें। बता दें, युद्धविराम से पहले, आतंकवादी समूह 28 मृत बंधकों के शवों को अपने पास रखे हुए था। ट्रंप के पीस प्लान के तहत हमास ने अब तक 15 बंधकों के साथ-साथ सभी 20 जीवित बंधकों को भी वापस कर दिया है। 7 अक्टूबर 2023 को हमास ने इजरायल पर कायरतापूर्ण हमला किया था और 251 लोगों को बंधक बनाया था।

खबर संक्षेप

नि:शुल्क बहु-विशिष्ट शल्य चिकित्सा शिविरों में तीन दिनों में 220 से ज्यादा शल्य चिकित्साएँ की गईं

कठुआ, 29 अक्टूबर (हि.स.)। जिला प्रशासन कठुआ, रोटरी इंटरनेशनल और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से 27 से 31 अक्टूबर 2025 तक जीएमसी कठुआ, सीएचसी बसोहली, सीएचसी बनी और सीएचसी नगरी में नि:शुल्क बहु-विशिष्ट शल्य चिकित्सा शिविरों का सफलतापूर्वक आयोजन कर रहा है।

चल रही इस चिकित्सा पहल के तीसरे दिन कुल 73 शल्य चिकित्साएँ की गईं, जिससे केवल तीन दिनों में कुल 222 शल्य चिकित्साएँ हो गईं। इनमें 139 मोतियाबिंद के ऑपरेशन के साथ-

साथ ईएनटी, हड्डी रोग, स्त्री रोग, प्लास्टिक सर्जरी और मूत्रविज्ञान जैसी विशिष्टताओं में कई बड़ी और छोटी शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएँ शामिल हैं। ये शिविर कठुआ के उपायुक्त राजेश शर्मा और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजय रैना की देखरेख में आयोजित किए जा रहे हैं। जीएमसी कठुआ और संबद्ध अस्पतालों के कर्मचारियों के सहयोग से रोटरी इंटरनेनल के प्रसिद्ध डॉक्टरों और विशेषज्ञों की एक टीम मुफ्त में उच्च स्तरीय सर्जिकल हस्तक्षेप प्रदान कर रही है। इस पहल को जनता से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है, जिससे गंभीर और सुधारात्मक सर्जरी की जरूरत वाले सैकड़ों मरीजों को लाभ हुआ है। वहीं नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे सर्जरी से पहले पंजीकरण, स्क्रीनिंग और अनिवार्य चिकित्सा परीक्षणों के लिए अपने संबंधित मेडिकल ब्लॉक के बीएमओ कार्यालय से संपर्क करें। किसी भी प्रश्न के लिए लोग नोडल अधिकारी से 9419750004 पर संपर्क कर सकते हैं।

चिट्टे के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार

कठुआ, 29 अक्टूबर (हि.स.)। एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा-आईपीएस के समग्र पर्यवेक्षण में कठुआ पुलिस ने थाना हीरानगर के अधिकार क्षेत्र से 5.88 ग्राम चिट्टे के साथ एक नशा तस्कर को मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया है।

जनकारी के अनुसार थाना प्रभारी आशीष शर्मा के नेतृत्व में थाना हीरानगर की एक पुलिस टीम ने संदिग्ध गतिविधियों और अवैध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए हीरानगर क्षेत्र में एक नियमित नाका लगाया। नाका ड्यूटी के दौरान पुलिस दल ने एक व्यक्ति को जांच के लिए रोका। जांच के दौरान उसके कब्जे से 5.88 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। तदनुसार थाना हीरानगर में एफआईआर संख्या 153/2025 धारा 8/21/22 एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को मौके पर ही हिरासत में ले लिया गया जबकि आगे की जांच जारी है।

मादक पदार्थों के व्यापार पर अंकुश लगाने के उपायों पर हुई चर्चा

कठुआ, 29 अक्टूबर (हि.स.)। डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने नार्को समन्वय केंद्र के अंतर्गत जिला स्तरीय समिति की एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें जिले में नशीली दवाओं के दुरुपयोग और मादक पदार्थों के व्यापार पर अंकुश लगाने के उपायों पर चर्चा और समीक्षा की गई। बैठक में एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। बैठक के दौरान नशीली दवाओं की लत, चिंता के क्षेत्रों की पहचान और नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रमुख बिंदुओं से संबंधित मुद्दों पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। इस समस्या से निपटने के लिए विभिन्न प्रवर्तन और सामाजिक कल्याण एजेंसियों द्वारा किए गए उपायों की भी गहन समीक्षा की गई। डीसी ने इस समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए शिक्षा, प्रवर्तन और जागरूकता को शामिल करते हुए एक बहु-क्षेत्रीय रणनीति की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने संबंधित विभागों को विशेष रूप से युवाओं के बीच जागरूकता अभियान तेज करने और सकारात्मक पुनर्वास के लिए दूसरों को प्रेरित करने हेतु नशा मुक्ति की सफलता की कहानियों को साझा करने का निर्देश दिया। मुख्य शिक्षा अधिकारी को विशेष सत्रों और प्रातःकालीन सभाओं के माध्यम से स्कूलों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए, जिसमें नशीली दवाओं के दुरुपयोग के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला जाएगा। इसी तरह के जागरूकता अभियान कॉलेजों, शिक्षण संस्थानों, गैर सरकारी संगठनों और पुनर्वास केंद्रों में उचित परामर्श सत्रों के माध्यम से चलाए जाएँगे। उपायुक्त ने आबकारी एवं कराधान अधिकारी को जिले भर में नशीली दवाओं की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए नियमित जाँच करने के निर्देश दिए। सहायक नियंत्रक औषधि एवं खाद्य नियंत्रण संगठन को नशीली दवाओं के दुरुपयोग की संभावना वाली ओवर-द-काउंटर दवाओं और सिरिंजों की बिक्री पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने यह सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया कि जागरूकता गतिविधियाँ जिले के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों तक पहुँचें, जिसमें व्यापक पहुँच के लिए पंचायती राज संस्थाएँ, युवा क्लब और सामुदायिक संगठन शामिल हों। इस बैठक में एडीसी कठुआ विश्वजीत सिंह, एसडीएम हीरानगर फुलैल सिंह, एसीडी कठुआ, सीएमओ, सीईओ, डीएसडब्ल्यूओ कठुआ और बीएसएफ तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

डोडा के तेंदला गांव में क्राइम ब्रांच कश्मीर की छापेमारी

जम्मू, 29 अक्टूबर (हि.स.)। क्राइम ब्रांच कश्मीर की स्पेशल क्राइम विंग की टीम ने डोडा जिले के गांडोह क्षेत्र के तेंदला गांव में एक फर्जी विदेशी नौकरी घोटाले के मामले में तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई एफआईआर संख्या 02/2025 के तहत की जा रही है, जो भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) के अंतर्गत दर्ज की गई है। मामले में फरहत मलिक नामक व्यक्ति के आवास पर तलाशी की जा रही है, जो प्राथमिक जांच में इस धोखाधड़ी से जुड़ा पाया गया है। यह मामला देश और विदेश में रोजगार दिलाने के नाम पर लोगों से धोखाधड़ी और धन उगाही के आरोपों से संबंधित है। विश्वसनीय इनपुट और जांच सूत्रों के आधार पर क्राइम ब्रांच कश्मीर की टीम ने तलाशी शुरू की है, ताकि मामले से जुड़े सबूत और आपत्तिजनक सामग्री बरामद की जा सके। क्राइम ब्रांच कश्मीर की स्पेशल क्राइम विंग ने कहा है कि वह जनता के भरोसे से जुड़े आर्थिक अपराधों में पारदर्शिता, जवाबदेही और न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मामले की जांच जारी है और आगे की जानकारी जांच की प्रगति के साथ साझा की जाएगी।

आलू की खेती

यदि बुआई के पहले सिंचाई नहीं की गयी है तो बुआई के तुरंत बाद पानी देना आवश्यक है। पहली सिंचाई हल्की होनी चाहिए तथा दूसरी सिंचाई के एक हफ्ते के अंतराल में करें तथा इसके बाद 7-10 दिनों के अंतराल पर आवश्यकता के आधार पर सिंचाई करें। आलू की खुदाई के 10 से 15 दिन पहले सिंचाई बंद कर दें। समान्यत 7-6 सिंचाई की आवश्यकता होती है।ध्यान यह रखा जाना चाहिये, कि प्रत्येक सिंचाई में पानी आधी मेड़ तक ही देना चाहिये।

आलू फसल सब्जी के रूप में उगाई जाने वाली एक मुख्य फसल है। भारत में आलू का उत्पादन मुख्यत: सब्जी के लिए किया जाता है। यहाँ कुल उत्पादन का करीब नब्बे प्रतिशत सब्जी के रूप में प्रयोग किया जाता है। सब्जी के अलावा इसका उपयोग डॉइस, रवा, आटा, फलेक, चिप्स, फ्रेंच फ्राई, बिस्कुट इत्यादि बनाने में किया जाता है। इसके अतिरिक्त इस से अच्छे प्रकार का स्टार्च, अल्कोहल आदि और द्विपदार्थ के रूप में अच्छा प्रोटीन भी मिलता है। अन्य फसलों जैसे- गेहूं, धान एवं मक्का फसलों की तुलना में आलू में अधिक शुष्क पदार्थ खाद्य प्रोटीन एवं मिनरल (खनिज) पाये जाते हैं यह फसल अल्पावधि वाली होने के कारण मिश्रित खेती के लिए लाभदायक है। अत इसकी व्यापारिक खेती की जाती है।

आलू की भरपूर पैदावार पाने के लिए उत्पादक बन्धुओं को कुछ बिन्दुओं पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है । इस लेख में आलू की खेती से अधिकतम पैदावार कैसे प्राप्त करें की तकनीक का उल्लेख है।

⏩ मिट्टी और जलवायु

दोमट तथा बलुई दोमट मिट्टियाँ जिसमें जैविक पदार्थ की बहुलता हो आलू की खेती के लिए उपयुक्त है। अच्छी जल निकासवाली, समतल और उपजाऊ जमीन आलू की खेती के लिए उत्तम मानी जाती है। आलू की खेती में तापमान का अधिक महत्त्व है। आलू की अच्छी उपज के लिए औसत तापमान कंद बनने के समय 1। से 21 डिग्री सेंटीग्रेड उपयुक्त माना जाता है।

⏩ खेती की तैयारी

सितम्बर माह के अंतिम सप्ताह में हल से चार से पाँच बार जोताई कर देनी चाहिये, जिससे 25 सेंटीमीटर गहराई तक खेत तैयार हो जाए हल्की तथा अच्छी जुती मिट्टी में आलू कंद अधिक बैठते हैं। प्रत्येक जुताई के बाद पाटा दे देने से मिट्टी समतल तथा भुरभूरी हो जाती है एवं खेत में नमी का संरक्षण भी होता है। अंतिम जुताई के साथ हीं 20 टन प्रति हेक्टर सड़ी हुई गोबर की खाद खेत में देकर बराबर मिला देने से पैदावार में काफी वृद्धि हो जाती है। दीमक के प्रकोप से बचने के लिए अंतिम जोताई के समय ही 25 से 30 किलोग्राम प्रति हेक्टर की दर से लिन्डेन मिट्टी में मिला देना चाहिये।

⏩ आलू की बुआई का समय

आलू की बुआई सितम्बर से नवम्बर में की जाती है।

अधिक पैदावार प्राप्त करने के लिए उचित समय पर बोआई करना आवश्यक है। जब अधिकतम तथा न्यूनतम तापक्रम क्रमश: 30 व 18 डिग्री सेंटीग्रेड के बीच में रहे तो आलू की बोआई की जा सकती है। अक्टूबर के मध्य से नवम्बर के मध्य तक आलू की बोआई अवश्य कर देनी चाहिये।

इस फसल को अगेती फसल के रूप में मुख्य फसल के रूप में लगाकर पूर्ण परिवक्ता में खुदाई करके इसका परिवहन तथा शीत भंडारण (कोल्ड स्टोरेज) किया जा सकता है। तथा अगेती फसल की तुलना में अधिक उत्पादन लिया जा सकता है।

⏩ फसल-चक्र

प्रतिवर्ष एक ही खेत में आलू की खेती करने से मिट्टी कीड़े तथा रोगों का घर बन जाती है। इसलिए उचित फसल-चक्र अपनाकर खेत बदलते रहना चाहिये।

आलू दो फसली और तीन फसली सघन खेती प्रणाली में साधारणत: अच्छी पैदावार देता है। कम दिनों में तैयार होने वाली किस्में जैसे कुफरी चन्द्रमुखी, कुफरी कुबेर इत्यादि बहुफसली सघन खेती में उपयुक्त पायी गयी है।

आलू के साथ कुछ उपयुक्त फसल-चक्र इस प्रकार है, जैसे- मक्का - आलू - गेहूं, मक्का - आलू - प्याज, मक्का - आलू - भिंडी और मक्का - गेहूं - मूंग आलू के साथ कुछ फसलों की मिश्रित खेती भी की जाती है। आलू के दो मेडों के बीच गेहूं फसल सफलता पूर्वक उगायी जा सकती है।

⏩ उन्नत किस्में

अगेती किस्मों में कुफरी चन्द्रमुखी, कुफरी कुबेर और कुफरी बहार इत्यादि मुख्य है। इन सबों में कुफरी चन्द्रमुखी को अधिक उपयोगी माना गया है।

ये किस्में 80 से 90 दिनों में तैयार हो जाती है और तीन फसली तथा चार फसली सघन खेती में भी अच्छी पैदावार दे देती है।

मध्यकालीन फसल के लिए कुफरी बादशाह, कुफरी लालिमा, कुफरी बहार और कुफरी ज्योति अच्छी किस्में पायी गयी हैं। ये किस्में 100 दिनों में तैयार होती हैं।

पछेती किस्मों में कुफरी सिन्दूरी अधिक लाभप्रद सिद्ध हुई है। यह लाल किस्म का आलू है और इसकी पैदावार क्षमता अन्य किस्मों की अपेक्षा अधिक है।

⏩ खाद और उर्वरक

उर्वरक की मात्रा मृदा की उर्वरकता पर निर्भर करती है। अच्छी पैदावार के लिए बुवाई से पहले जुताई करते समय 200 से 250 क्विंटल गोबर की खाद मिटटी में मिलनी चाहिए, इसके साथ नाइट्रोजन, फास्फोरस, जिंक सल्फेट और पोटाश प्रति हेक्टेयर की आवस्यकता होती है। नाईट्रोजन का आधा हिस्सा बोते समय और शेष आधी मात्रा मिट्टी चढ़ाते समय देना उत्तम है। सूक्ष्म पोषक तत्वों का छिड़काव करने से आलू की उपज 15-18त्न तक वृद्धि होती है।

⏩ सिंचाई

सिंचाई की संख्या मृदा के प्रकार पर निर्भर करती है। यदि बुआई के पहले सिंचाई नहीं की गयी है तो बुआई के तुरंत बाद पानी देना आवश्यक है। पहली सिंचाई हल्की होनी चाहिए तथा दूसरी सिंचाई के एक हफ्ते के अंतराल में करें तथा इसके बाद ।-10 दिनों के अंतराल पर आवश्यकता के आधार पर सिंचाई करें। आलू की खुदाई के 10 से 15 दिन पहले सिंचाई बंद कर दें। समान्यत ।-6 सिंचाई की आवश्यकता होती है।ध्यान यह रखा जाना चाहिये, कि प्रत्येक सिंचाई में पानी आधी मेड़ तक ही देना चाहिये।

⏩ खरपतवार नियंत्रण

आलू के 5 प्रतिशत अंकुरण होने पर पैराक्वाट (प्रेमेजोन) 2.5 लीटर पानी/ हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें या पेंडामेथलिन 30 प्रतिशत 3.5 लिटर का 900 स` 1000 लिटर पानी में घोल बनाकर बुवाई के 2 दिन तक प्रति हेक्टेयर छिड़काव कर सकते है। जिससे खरपतवार का जमाव ही नही होगा।

⏩ निराई-गुड़ाई और मिट्टी चढ़ाना

पौधे जब 25 से 30 दिनों के हो जाये तो पंक्तियों में निराई-गुड़ाई करके खरपतवार को साफ कर देना चाहिये और मिट्टी को भुरभूरा कर देना चाहिये। निराई-गुड़ाई के बाद में नाईट्रोजन खाद की आधी मात्रा जड़ से 50 सेंटीमीटर की दूरी पर छिड़क कर मिट्टी चढ़ा देनी चाहिये।

आलू के जड़ और कंद किसी भी अवस्था में दिखाई न दें क्योंकि खुला आलू कंद प्रकाश के सम्पर्क में हरे हो जाते हैं और खाने योग्य नहीं रहते।

⏩ बुआई की विधि

सफल खेती के लिए स्वस्थ्य और रोगमुक्त बीज का उपयोग करना चाहिये। इसके लिए प्रमाणित बीज किसी विश्वसनीय संस्थान या एजेन्सी से खरीदना चाहिये। बोआई के पहले बीजों का पूर्ण रूप से अंकुरित करा लेना चाहिये। पूर्ण अंकुरण वाले बीज कंद जल्द उगते हैं तथा खेतों में कंद कम सडते हैं। पूर्ण बीज कंद का ही व्यवहार हमेशा करना चाहिये।

अगर बड़े आकार को बीज कदं को काटना आवश्यक हो जाय तो काटे हुए बीज कंदों को इन्डोफिल एम- 45 दवा के 0.2 प्रतिशत घोल में 10 मिनट तक डुबाकर उसे उपचारित कर लेना चाहिये। बीजों को छाया में सुखाकर ही खेत में रोपना चाहिये। इससे बीज कंद कम सड़ते हैं और मृदा जनित फफंदों से इन्हें छुटकारा मिल जाता है, आलू का बीज दर उनके आकर पर निर्भर करता है।

बड़े आकार का बीज कंद अधिक लगता है, लेकिन पैदावार अधिक होती है। बहुत छोटे आकार के बीज कंद से पैदावार कम होती है। इसलिए मध्यम आकार का बीज कंद ही उपयोग में लाना चाहिये। 40 से 50 ग्राम आकार का बीज लगाने से एक हेक्टर में 40 से 50 क्विंटल और छोटे आकार 25 से 30 ग्राम का लगाने 25 से 30 क्विंटल बीज की आवश्यकता होती है।

खेत को अच्छी तरह तैयार कर लेने के बाद बोआई के लिए 60 सेंटीमीटर की दूरी पर मेड बना ली जाती हैं। उसमें रसायनिक खादों का मिश्रण देकर मिट्टी में अच्छी प्रकार मिला लिया जाता है। मेडों की 20 से 20 सेंटीमीटर की दूरी पर बीज को रखकर उसे 10 सेंटीमीटर ऊँची मेड़ से ढक दिया जाता है। बुआई के बाद दो मेड़ों के बीच में सिंचाई की नाली बना दी जाती हैं, जिससे सिंचाई में सुविधा हो। आलू को पौध से पौध 20 से.मी. तथा पंक्ति से पंक्ति 60 से.मी. की दूरी से लगाया जाता है। 25 से 30 ग्राम का कंद लगाया जाता है।

पौध संरक्षण (कीट व रोग नियंत्रण)

समय पर कीट व रोग नियंत्रण नहीं करने से फसल बर्बाद हो जाती है। आलू फसल के लिए लाही कीट अधिक नुकसान पहुँचाने वाला होता है। ये कीट पौधों का रस चूसते हैं, जिससे पत्तियाँ नीचे की तरफ मुड़ने लगती हैं। ये ही कीट विषाणु रोग भी फैलाते हैं। इन कीड़ों से बचाव के लिए फसल पर 0.1 प्रतिशत मेटासिस्टोक्स के दो से तीन छिड़काव 15 से 15 दिनों के अंतराल पर करना चाहिये।

स्ट्रॉबेरी की खेती

भारत में स्ट्रॉबेरी की खेती करने का प्रचलन बहुत तेजी से बढ़ता जा रहा है क्योकि अन्य परम्परागत फसलों के मुक़ाबले इस फसल को अधिक मुनाफे वाली खेतियों में शामिल किया गया है. स्ट्रॉबेरी की खेती पॉलीहाउस, हाइड्रोपॉनिक्स और सामन्य तरीके से विभिन्न प्रकार की भूमि तथा जलवायु में की जा सकती है. आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि इस संसार में स्ट्रॉबेरी की 600 किस्में मौजूद है. ये सभी अपने स्वाद रंग रूप में एक दूसरे से भिन्न होती है. लेकिन भारत में कुछ ही प्रजाति की स्ट्रॉबेरी उगाई जाती है.

स्ट्रॉबेरी बहुत ही नरम फल होता है जोकि स्वाद में हल्का खट्टा और हल्का मीठा होता है. रंग चटक लाल होने के साथ इसका आकर हार्ट के समान होता है. स्ट्रॉबेरी मात्र एक ऐसा फल है जिसके बीज बाहर की और होते है. स्ट्रॉबेरी में अपनी एक अलग तरह की खुशबू के लिए पहचानी जाती है.

स्ट्रॉबेरी एंटीऑक्सिडेंट, विटामिन ष्ट एवं विटामिन, औरच, प्रोटीन और खनिजों का एक अच्छा प्राकृतिक स्रोतों है. जो रूप निखारने और चेहरे में कील मुँहासे, आँखो की रौशनी चमक के साथ दाँतों की चमक बढ़ाने का काम आते है. इनके आलवा इसमें केल्सियम मैग्नीशियम फोलिक एसिड फास्फोरस पोटेशियम पाया जाता है. स्ट्रॉबेरी की खेती कैसे करें, इसके करने में कितनी लागत आ सकती है, इससे कितना मुनाफा कमाया जा सकता है. यानि स्ट्रॉबेरी की खेती से जुड़ी सभी जानकारियां इस आर्टिकल के द्वारा देंगे. ताकि आपको इसकी खेती से करते समय कोई कन्फ्यूजन ना हो. तो आइये पढ़ते हैं स्ट्रॉबेरी क्या है और इसकी खेती कैसे करें

स्ट्रॉबेरी की खेती के लिए ज़रूरी जलवायु

स्ट्रॉबेरी ठंडी जलवायु वाली फसल है. इसकी खेती मैदानी क्षेत्र में भी सफलतापूर्वक की जा सकती है. इसके लिए 20 से 30 डिग्री तापमान उपयुक्त रहता है. तापमान बढ़ने पर स्ट्रॉबेरी पौधों में नुकसान होता है और उपज प्रभावित होती है.

स्ट्रॉबेरी की खेती के लिए उपयोगी मिट्टी

स्ट्रॉबेरी की खेती लगभग सभी प्रकार की मिट्टी में की जा सकती है. लेकिन, बलुई दोमट मिट्टी में स्ट्रॉबेरी का उत्पादन अधिक होता है. इसकी खेती के लिए 5.5 से 6.5 पीएच मान की मिटटी होनी चाहिए. मिट्टी की जांच आप अपने नज़दीकी कृषि विज्ञान केंद्र अथवा कृषि विभाग से ज़रूर करा लें.

खेती का सही समय और तैयारी स्ट्रॉबेरी की रोपाई सितंबर से नवंबर के मध्य की जाती है.

सितंबर के पहले सप्ताह में खेत की तीन बार अच्छी जुताई कर लें.

गोबर की खाद अच्छे से बिखेर कर मिट्टी में मिला दें.

पोटाश और फास्फोरस भी मिट्टी परीक्षण के आधार पर खेत तैयार करते समय मिला दें.

बेड तैयार करना

बेड की चौड़ाई 2 फिट रखे और बेड से बेड की दूरी डेढ़ फिट रखे.

ड्रेप एरिगेशन की पाइपलाइन बिछा दे.

पौधे लगाने के लिए प्लास्टिक मल्चिंग में 20 से 30 सेमी की दूरी पर छेद करे.

स्ट्रॉबेरी के पौधे लगाने का सही समय 10 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक लगा देना आवश्यक है.

यदि तापमान ज्यादा हो तो पौधे सितम्बर लास्ट तक लगा ले.

स्ट्रॉबेरी की प्रजातियाँ

कृषि विशेज्ञों के अनुसार पूरी दुनिया में स्ट्रॉबेरी की अलग-अलग 600 प्रजातियाँ पाई जाती है लेकिन भारत में व्यावसायिक दृष्टि से इसकी खेती करने वाले किसान मुख्य रूप से विंटर डाउन, विंटर स्टार, ओफ्रा, कमारोसा, चांडलर, स्वीट चार्ली, ब्लैक मोर, एलिस्ता, सिसकेफ़, फेयर फाक्स आदि किस्मों की खेती की करते है.

स्ट्रॉबेरी की खेती के लिए खाद् और

स्ट्रॉबेरी का पौधा काफी नाज़ुक होता है इसलिए इसको समय समय खाद् और उर्वरक देना जरूरी होता है. लेकिन खाद् और उर्वरक उपयोग मिट्टी की जाँच के अनुसार देना चाहिए. सामन्य मिटटी के लिए 10 से 15 टन सड़ी गोबर की खाद प्रति एकड़ की दर से भूमि तैयारी के समय बिखेर कर मिट्टी में मिला देनी चाहिए.

खेत तैयार करते समय 100 कि.ग्रा. फास्फोरस (पी2ओ5) व 60 कि.ग्रा. पोटाश (के2ओ) प्रति एकड़ डालना चाहिए. रोपाई के उपरांत टपका सिंचाई विधि द्वारा निम्नलिखित घुलनशील उर्वरकों को दिया जाना चाहिए

⏩ स्ट्रॉबेरी की सिंचाई

पौधे लगाने के तुरंत बाद ड्रिप या स्प्रिकंलर से सिंचाई करें

समय समय पर नमी को ध्यान में रखकर सिंचाई करते रहना चाहिए

स्ट्रॉबेरी में फल आने से पहले सूक्ष्म फव्वारे से सिंचाई कर सकते.

फल आने के बाद टपक विधि से ही सिंचाई करे ताकि फल खराब न हो.

स्ट्रॉबेरी के पौधों को सर्दी से बचाएं

स्ट्रॉबेरी की खेती दोनों तरीके पोली हाउस और बिना पोली हाउस के भी की जा सकती है. अगर पोली हाउस पहले से बना हुआ है तो स्ट्रॉबेरी पौधों को सर्दी यानि पाला लगने के चांस बहुत कम है. अगर आपके पास पोली हाउस नहीं है तो चिंता की कोई बात नहीं है. स्ट्रॉबेरी फसल को पाले से बचाने के लिए प्लास्टिक लो टनल का उपयोग करें. यह प्लास्टिक पारदर्शी होनी चाहिए और 100 से 200 माइक्रोन वाली होनी चाहिए.